मंगलवार, 2 जून 2026

मौसम

तापमान 29 – 36
आर्द्रता 74%
सूर्योदय: 04:51 सूर्यास्त: 18:17

विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

Epaper.samagya.in

समाज्ञा

कोलकाता, आषाढ़ (अधिक) कृष्णपक्ष द्वितीया, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

भारत–ओमान मुक्त व्यापार समझौता लागू पृष्ठ 8

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

सुविचार : बातचीत यूं तो शब्द ही हैं पर की जाये तो दिलों के कई मैल धुल जाते हैं।

मंत्रिमंडल विस्तार : 35 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली

13 विधायक बने कैबिनेट मंत्री, 19 राज्य मंत्री और 3 को स्वतंत्र प्रभार

कल विभागों का होगा बंटवारा

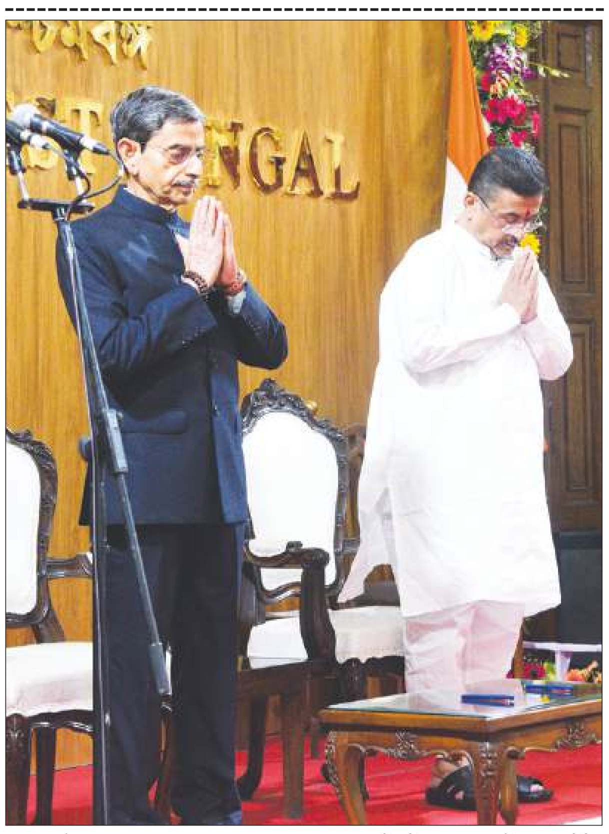

कोलकाता, समाज्ञा

भाजपा विधायक स्वपन दासगुप्ता, तापस रॉय और शंकर घोष उन 35 विधायकों में शामिल हैं, जिन्होंने शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल के विस्तार के तहत सोमवार को मंत्री पद की शपथ ली। राज्यपाल आर. एन. रवि ने लोक भवन में आयोजित कार्यक्रम में 35 विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी, मंत्रिमंडल के मौजूदा सदस्य और राज्य प्रशासन के वरिष्ठ नौकरशाह उपस्थित थे। भाजपा के 13 विधायकों ने कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली, जबकि तीन को राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और 19 अन्य को राज्य मंत्री के रूप में मंत्रिपरिषद में शामिल किया गया। कैबिनेट मंत्री तापस रॉय ने बताया कि मंत्रियों के विभागों का बंटवारा बुधवार को सचिवालय में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में होगा। शुभेंदु अधिकारी के अलावा पांच कैबिनेट मंत्रियों ने पहले ही 9 मई को शपथ ली थी। मंत्रिपरिषद के सदस्यों की कुल संख्या वर्तमान में 41 है। मंत्रिपरिषद के सदस्य बंगाल के समाज के विभिन्न वर्गों से हैं। मंत्रियों में डॉक्टर, शिक्षाविद् और पत्रकार शामिल हैं।

बंगाली संस्कृति का दिखा रंग

शपथ ग्रहण समारोह में अधिकांश मंत्री पारंपरिक बंगाली परिधान 'धोती- कुर्ता' में नजर आए, जो यह संदेश देने की कोशिश है कि भाजपा बंगाल की संस्कृति और अस्मिता के साथ गहराई से जुड़ी हुई है। ज्यादातर मंत्रियों ने बांग्ला में ही शपथ ली।

दो विधायकों ने हिंदी, एक ने अंग्रेजी, दो ने संथाली और एक ने नेपाली में ली मंत्री पद की शपथ

दो विधायकों- डा. अजय पोद्दार और उमेश राय ने हिंदी में मंत्री पद की शपथ ली। एकमात्र राजेश महतो ने अंग्रेजी में और दो विधायकों जुएल मुर्मू व अमिया किस्कू ने संथाली में शपथ ली। वहीं, अलीपुरद्वार जिले के कालचीनी से दुसरी बार के विधायक विशाल लामा ने नेपाली में मंत्री पद की शपथ ली। उत्तर बंगाल से विधायक आनंदमय बर्मन ने राजबंशी भाषा में शपथ ली।

मंत्रिमंडल विस्तार में तीन हिंदीभाषी विधायकों को भी जगह

शुभेंदु ने अपने मंत्रिमंडल में तीन हिंदीभाषी विधायकों को भी जगह दी है। इनमें बैरकपुर से पूर्व सांसद और नोआपाड़ा से विधायक निर्वाचित हुए अर्जुन सिंह और आसनसोल के पास कुल्टी से वरिष्ठ विधायक डा अजय पोद्दार को पूर्ण कैबिनेट मंत्री बल्कि उत्तर हावड़ा से पहली बार विधायक निर्वाचित हुए उमेश राय को राज्यमंत्री के रूप में शामिल किया गया है।

कैबिनेट मंत्री

1. दीपक बर्मन
2. तापस राय
3. डा. शंकर घोष
4. मनोज कुमार उरांव
5. अर्जुन सिंह
6. गौरी शंकर घोष
7. स्वपन दासगुप्ता
8. जगन्नाथ चट्टोपाध्याय
9. कल्याण चक्रवर्ती
10. अजय पोद्दार
11. शारद्वत मुखर्जी
12. दूध कुमार मंडल
13. अनूप कुमार दास

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

14. डा. इंद्रनील खां
15. मालती राभा राय
16. राजेश महतो

राज्य मंत्री

17. जुएल मुर्मू
18. हरे कृष्ण बेरा
19. आनंदमय बर्मन
20. अशोक डिंडा
21. नादिया चंद बाउड़ी
22. विशाल लामा
23. शांतनु प्रमाणिक
24. मौमिता विश्वास मिश्रा
25. उमेश राय
26. पूर्णिमा चक्रवर्ती
27. कौशिक चौधरी
28. भास्कर भट्टाचार्य
29. दिवाकर घरामी
30. अमिय किस्कू
31. कलिता माजी
32. गार्गी दास घोष
33. बिराज विश्वास
34. दीपांकर जाना
35. सुमना सरकार

गडकरी ने बंगाल, आंध्र प्रदेश में राजमार्ग परियोजनाओं की समीक्षा की

नयी दिल्ली : केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को आंध्र प्रदेश में 8,512 किलोमीटर और पश्चिम बंगाल में 3,748 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) की गुणवत्ता तथा रखरखाव कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने मीडिया और सोशल मीडिया से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर यह समीक्षा की। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, समीक्षा बैठक के दौरान गडकरी ने जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन में तेजी लाने, गुणवत्ता निगरानी तंत्र को मजबूत करने और आधुनिक निर्माण पद्धतियों को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इससे राजमार्ग परिसंपत्तियों की आयु बढ़ाने, सड़क की गुणवत्ता बेहतर करने और निर्बाध संपर्क सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। मंत्री ने संपर्क सुविधा, आर्थिक विकास और यात्रियों की सुविधा को बढ़ावा देने के लिए टिकाऊ एवं दक्ष राजमार्गों के निर्माण में उन्नत प्रौद्योगिकियों के उपयोग पर भी बल दिया।

उच्चतम न्यायालय में पांच नए न्यायाधीशों की नियुक्ति, संख्या बढ़कर 37 होगी

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय में सोमवार को पांच नए न्यायाधीशों की नियुक्ति की गई और इसी के साथ शीर्ष अदालत में न्यायाधीशों की संख्या बढ़कर 37 हो जाएगी। यह संख्या बढ़ाई गई स्वीकृत संख्या 38 से एक कम है। केंद्रीय विधि मंत्रालय के न्याय विभाग द्वारा सोमवार सुबह जारी अलग-अलग अधिसूचनाओं के अनुसार, उच्चतम न्यायालय की वरिष्ठ अधिवक्ता वेंकिता सुब्रमणि मोहना, बंबई उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर, पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश शील नागू, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा और जम्मू कश्मीर एवं लद्दाख उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अरुण पल्ली को शीर्ष अदालत का न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। उनके शपथ लेने और पदभार ग्रहण करने के बाद उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या औपचारिक रूप से 37 हो जाएगी।

'लक्ष्मीर भंडार' योजना के फर्जी खातों की जांच करेगी एसआईटी : शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को कहा कि उन्होंने राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) से तृणमूल कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकार में महिलाओं के लिए शुरू की गई नकद अंतरण योजना 'लक्ष्मीर भंडार' के कथित फर्जी खातों की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने को कहा है। शुभेंदु अधिकारी ने राज्य सचिवालय नवान्न में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि मामले में धन शोधन संबंधी जांच भी की जाएगी, क्योंकि इसमें अवैध नकद अंतरण शामिल है। साथ ही, मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पाया गया है कि पिछली तृणमूल सरकार के दौरान महिलाओं के लिए बनी इस वित्तीय सहायता योजना का लाभ पुरुषों ने उठाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'लक्ष्मीर भंडार' के करीब 30 लाख खाते फर्जी हैं। मैंने पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) से इस मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित करने को कहा है। उन्होंने कहा कि जो लोग नयी भाजपा सरकार की 'अन्नपूर्णा भंडार योजना' के लिए 12 पृष्ठों के सत्यापन प्रपत्र पर सवाल उठा रहे हैं, उन्हें पिछली 'लक्ष्मीर भंडार' योजना में सामने आई अनियमितताओं को ध्यान में रखना चाहिए। शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि झूठे दावों के जरिये इस कल्याणकारी योजना का लाभ हासिल करने के आरोप में कुछ पुरुषों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि हम इन अनियमितताओं को जमीनी स्तर पर खत्म करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बुधवार को बड़ी संख्या में महिला लाभार्थियों को 'अन्नपूर्णा भंडार' के तहत लाभ जारी किए जाएंगे।

'टीएमसी से बदला नहीं ले रही भाजपा, दो विधायकों की शिकायत पर अभिषेक को सीआईडी नोटिस'

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को कहा कि भाजपा सरकार तृणमूल कांग्रेस से बदला नहीं ले रही है और सीआईडी ने सांसद अभिषेक बनर्जी को उनकी ही पार्टी के दो विधायकों की शिकायत के बाद नोटिस भेजा है। उन्होंने बताया कि तृणमूल कांग्रेस के दो विधायकों – रीताब्रता बनर्जी और संदीपन साहा – ने विधानसभा सचिवालय में शिकायत दर्ज कराई है कि शोभनदेब

चट्टोपाध्याय को विपक्ष का नेता नियुक्त करने के पार्टी के प्रस्ताव पर उनके हस्ताक्षर जाली थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोगों को यह प्रतिशोध जैसा लग सकता है, लेकिन हम ऐसा कुछ भी नहीं करना चाहते क्योंकि पार्टी (टीएमसी) पहले ही निष्क्रिय हो चुकी है। अधिकारी ने कहा कि आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) द्वारा बनर्जी को सोमवार को उसके समक्ष पेश होने के लिए नोटिस भेजने में न तो भाजपा और न ही सरकार की कोई भूमिका है, यह नोटिस कथित हस्ताक्षर जालसाजी की जांच के सिलसिले में भेजा गया है। हस्ताक्षरों को जाली बताते हुए अधिकारी ने कहा कि मैंने सीआईडी को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत जालसाजी के प्रावधानों के तहत कार्रवाई करने के लिए कहा है। अधिकारी ने बताया कि सीआईडी ने टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव बनर्जी को सोमवार को संकल्प के साथ पेश होने का नोटिस दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ने उन्हें बताया है कि अभिषेक ने सीआईडीके समक्ष पेश होने के लिए और समय मांगा है। अधिकारी ने कहा कि बीमारी या अन्य मुद्दों के कारण किसी को भी समय सीमा में विस्तार देना है या नहीं, यह तय करना सीआईडीपर निर्भर है, और उन्होंने कहा कि वह इसमें हस्तक्षेप नहीं करेंगे।

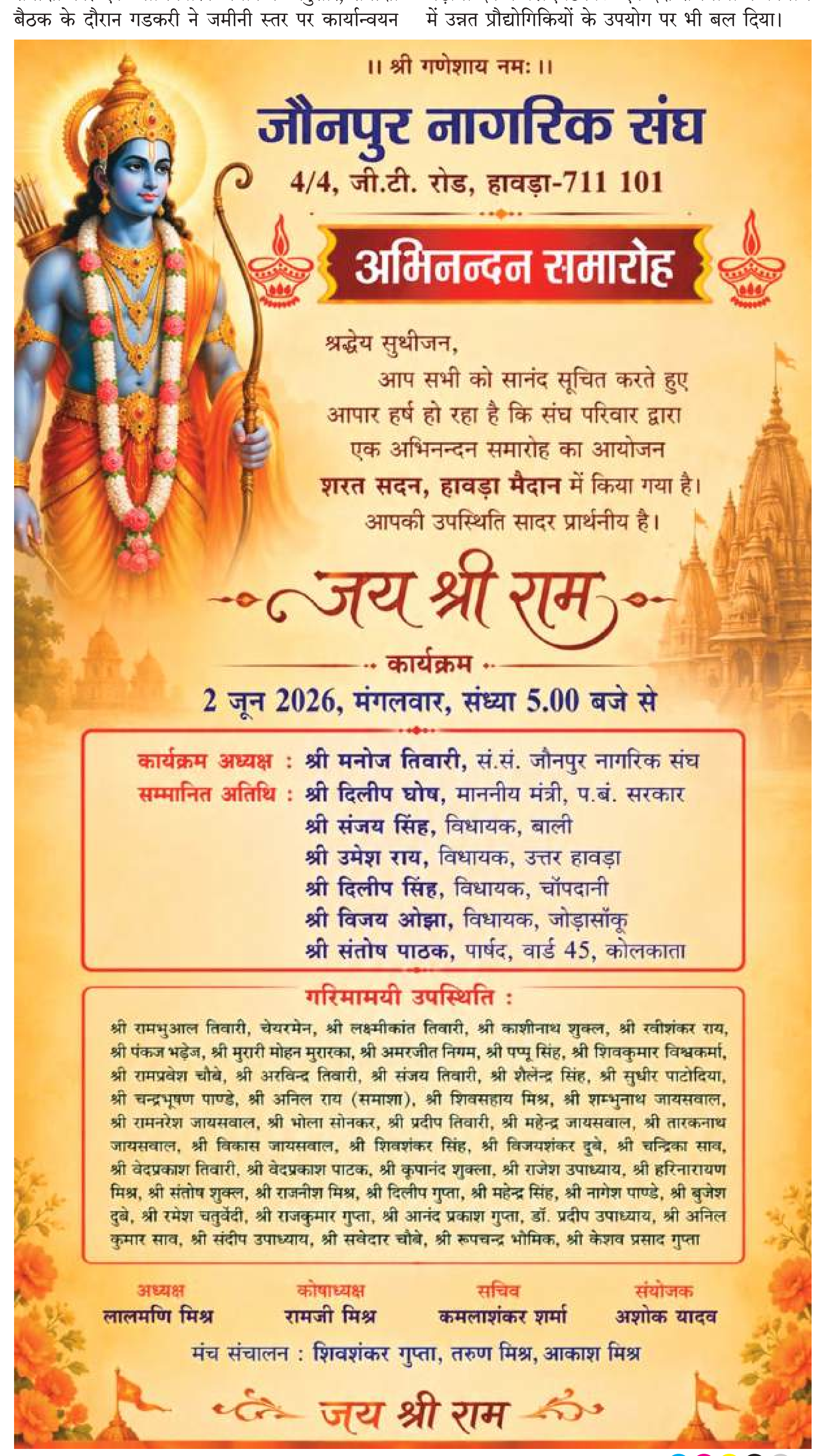

निकाय चुनाव नतीजों से बढ़ा आप का भरोसा

सही मायने में पंजाब के हालिया स्थानीय निकाय चुनाव परिणामों के आधार पर अगले साल की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए निर्णायक निष्कर्ष तो नहीं निकाले जा सकते। हां, लेकिन इन परिणामों से महत्वपूर्ण राजनीतिक संकेत जरूर मिलते हैं। निस्संदेह, लोकतंत्र की इस छोटी इकाई, नगर निकाय चुनावों में राज्य स्तर का व्यापक परिदृश्य तो नहीं उभरता, बल्कि स्थानीय मुद्दे इन चुनावों में निर्णायक भूमिका जरूर निभाते हैं। वैसे पिछले ट्रेंड के आधार पर कहा जा सकता है कि ऐसे चुनावों में राज्य के सत्ताधारी दल को लाभ निश्चित रूप से मिलता है। इसका कारण यह भी है कि प्रभावी व संपन्न लोग सत्तारूढ़ दल के करीब आना चाहते हैं। मतदाता यह मानकर चलते हैं कि विकास निधि और प्रशासनिक सहायता उन क्षेत्रों में सहज व सरलता से पहुंचती है, जहां सत्तारूढ़ दल से जुड़े प्रत्याशी चुनाव जीतते हैं। इस तथ्य की पुष्टि एक बार फिर से हुई है, जब इन निकाय चुनावों में आम आदमी पार्टी ने शानदार जीत हासिल की है। कांग्रेस दूसरे स्थान पर रही जबकि भाजपा और अकाली दल निर्दलीय उम्मीदवारों से भी पीछे रह गए। वास्तव में इन आंकड़ों को सावधानी से देखना चाहिए। दरअसल, स्थानीय निकाय चुनावों के दौरान कुल मतदान का प्रतिशत 64 फीसदी रहा, लेकिन नगर निगमों में यह भागीदारी 60 फीसदी रही, जो बड़े शहरों में मतदाता की सुस्ती को दर्शाता है।

सही मायने में स्थानीय निकाय चुनावों में आमतौर पर मतदाताओं की भागीदारी असमान और कम रही है। माना जाता है कि विधानसभा चुनाव में मतदान आमतौर पर अधिक होता है और राजनीतिक मुद्दे व्यापक होते हैं। इसके बावजूद, यह चुनाव निष्कर्ष विपक्ष के लिए चिंताजनक वास्तविकता को दर्शाता है। पंजाब में पांव पसारते नशीली दवाओं के कारोबार, अपराध, कानून व्यवस्था और सरकार की शासन संबंधी नीतियों को लेकर विपक्ष की कड़ी आलोचना के बावजूद, विपक्षी दल जनता की असंतुष्टि को वोटों में तब्दील करने में विफल ही रहे हैं। कांग्रेस गुटबाजी और नेतृत्व की अनिश्चितता से जूझ रही है। वहीं दूसरी ओर शिअद अभी भी बेअदबी विवाद और किसान आंदोलन के राजनीतिक नतीजों से उबरने के लिए संघर्ष कर रहा है। हालांकि, भाजपा राज्य के चुनावी परिदृश्य में अभी भी एक मामूली खिलाड़ी ही साबित हुई है, मगर ऐसा लगता है कि उसने 2027 के लिए पहले से ही तैयारी शुरू कर दी है। जट सिख केवल सिंह ढिल्लों की पंजाब भाजपा अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति महत्वपूर्ण है। भाजपा ने अपने पारंपरिक शहरी-हिंदू आधार से आगे बढ़ने के प्रयास का संकेत दिया है। निस्संदेह, अभी विधानसभा चुनाव का रास्ता खासा लंबा है। लेकिन फिलहाल, आम आदमी पार्टी ने शुरुआती बढ़त हासिल कर ली है। वहीं दूसरी ओर विपक्ष अभी भी एकजुटता और दिशा की तलाश में लगा हुआ है।

भारत ने श्रमिकों, किसानों, एमएसएमई के लिए खाड़ी देश में अवसरों के द्वार खोले

पीयूष गोयल

जून से लागू हो रहा भारत-ओमान मुक्त व्यापार समझौता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस मिशन की एक निर्णायक उपलब्धि है, जिसका लक्ष्य नए बाजार खोलने और रोजगार सृजन को गति देने के जरिये भारत के छात्रों, कारीगरों, महिलाओं, किसानों, मछुआरों और एमएसएमई के लिए वैश्विक समृद्धि के मार्ग बनाना है।

भारत और ओमान के बीच गहरे आर्थिक संबंध हैं और लोगों के आपसी संबंध प्रगाढ़ हैं। ओमान में लगभग 7 लाख भारतीय रहते हैं, जिनमें वे व्यापारी परिवार भी शामिल हैं, जिनकी जड़ें 200–300 साल पुरानी हैं। ओमान से भारत को भेजी जाने वाली वार्षिक धनराशि लगभग 2 बिलियन डॉलर है, जबकि देश में 6,000 से अधिक भारतीय उद्यम कार्यरत हैं।

दोनों देशों के बीच व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (सीईपीए) आर्थिक और रणनीतिक संबंधों को महत्वपूर्ण रूप से सुदृढ़ करता है। यह तुरंत ही ओमान में 98% टैरिफ लाइनों के लिए 100 प्रतिशत शुल्क मुक्त बाजार पहुंच की सुविधा देता है, जिसमें 99.38 प्रतिशत निर्यात शामिल है।

यह सीईपीए से पहले की प्रणाली की तुलना में एक उल्लेखनीय सुधार को दर्शाता है। पहले की प्रणाली में केवल 15.3 प्रतिशत भारतीय निर्यात ओमान में शून्य शुल्क के साथ प्रवेश कर सकते थे। भारत की ऐसी वस्तुएं, जिन पर वर्तमान में ओमान में 5 प्रतिशत आयात शुल्क लगता है और जिनकी कीमत लगभग 3.64 बिलियन डॉलर के निर्यात के बराबर है, अब काफी अधिक प्रतिस्पर्धी हो जाएंगी।

भारत के एमएसएमई क्षेत्र के लिए, यह समझौता परिवर्तनकारी हो सकता है, क्योंकि सीईपीए से लाभान्वित होने वाले कई क्षेत्रों में छोटे व्यवसायों की प्रमुखता है। लोहा और इस्पात, वस्त्र, चमड़ा, वाहन कल-पुर्जे और औद्योगिक उपकरण जैसे कुछ क्षेत्रों में एमएसएमई को बड़े अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर मिलने की उम्मीद है, जिससे उत्पादन, निवेश और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

बढ़ती वैश्विक अस्थिरता के युग में, सीईपीए भारतीय निर्यातकों को, जो आर्थिक मंदी और बढ़ते व्यापार बाधाओं का सामना कर रहे हैं, अपने बाजारों को विविध बनाने और परंपरागत बाजारों पर निर्भरता कम करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है।

रोज़गार सृजन – यह व्यापार समझौता श्रम-गहन क्षेत्रों जैसे वस्त्र और परिधान, चमड़ा और जूते, खाद्य प्रसंस्करण, समुद्री उत्पाद, रत्न और आभूषण और कुछ इंजीनियरिंग क्षेत्रों को लाभ पहुँचाता है, जो भारत के प्रमुख रोजगार प्रदाता हैं।

ओमान को होने वाले वस्त्र निर्यात में वृद्धि से उत्पादन में बढ़ोतरी होगी और तिरुपुर, सूरत, लुधियाना, पानीपत, कोयंबटूर, करूर, भदोही, मुरादाबाद, जयपुर और अहमदाबाद जैसे प्रमुख क्लस्टर में रोजगार के अवसरों का सृजन होगा। भारत भर के कारीगर और बुनकर भी अपने उत्पादों की उच्च अंतरराष्ट्रीय मांग से लाभान्वित होंगे।

भारत भर में, विशेष रूप से तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में, साथ ही महाराष्ट्र, पंजाब, कर्नाटक और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों समेत चमड़ा और जूता के प्रमुख केंद्रों में भी रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

रत्न और आभूषण क्षेत्र एक अन्य उदाहरण है, जो दिखाता है कि सीईपीए रोजगार वृद्धि को किस प्रकार तेज करेगा। भारत के पास पहले से ही कटे और पॉलिश किए हुए हीरे, सोने और चांदी के आभूषण तथा हस्तनिर्मित आभूषण उत्पादन में मजबूत क्षमताएं हैं। शुल्क बाधाओं के हटने से, भारतीय निर्यातकों को यूरोपीय और एशियाई प्रतिस्पर्धियों पर निर्णायक बढ़त मिलेगी। उद्योग जगत का अनुमान है कि अगले तीन वर्षों में ओमान को होने वाला निर्यात बढ़ कर 150 मिलियन डॉलर तक हो सकता है। इससे पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, राजस्थान और गुजरात के आभूषण निर्माण केन्द्रों में महत्वपूर्ण रोजगार संभावनाएं सृजित होने की उम्मीद है।

किसान और मछुआरे – घरेलू किसानों और संवेदनशील कृषि हितों की सुरक्षा के लिए, भारत ने गेहूं, चावल, मक्का, मोटे अनाज, डेयरी, फल, सब्जियां, खाद्य तेल, तिलहन, चाय, कॉफी और शहद जैसे प्रमुख उत्पादों पर कोई टैरीफ छूट नहीं दी है।

घी, शहद, मीठे बिस्कुट, अंडे और कुछ मिष्ठान्न उत्पादों में भारत को प्रतिद्वंद्वियों पर प्रतिस्पर्धात्मक लाभ मिलेगा, जिससे देश के कृषि उत्पादों की मांग बढ़ेगी और ग्रामीण आय में वृद्धि होगी।

यह समझौता भारत के राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम (एनपीओपी) प्रमाणन की स्वीकृति और मान्यता भी प्रदान करता है, जो भारतीय किसानों को ओमान में, जो एक प्रमुख खाद्य आयातक है, जैविक उत्पाद बेचने के लिए विशाल अवसर देगा।

समुद्री उत्पादों में भी विशाल संभावनाएँ हैं, जिनका अब तक उपयोग नहीं हो पाया है। 2022 और 2024 के बीच ओमान का समुद्री उत्पादों का आयात लगभग 119 मिलियन डॉलर था। भारत से आयात केवल 7.75 मिलियन डॉलर था, जिससे भारतीय समुद्री खाद्य निर्यात जैसे झींगा और जमे हुए कटलफिश के लिए विशाल अवसर मौजूद हैं। श्रम-गहन समुद्री उत्पाद उद्योग मछली पकड़ने, प्रसंस्करण, पैकेजिंग, शीत-श्रृंखला लॉजिस्टिक्स और निर्यात संचालन में अतिरिक्त नौकरियाँ उत्पन्न कर सकता है।

दवा और पारंपरिक चिकित्सा – यूएसएफडीए, ईएमए, यूके एमएचआरए और टीजीए जैसे नियामकों द्वारा अनुमोदित भारतीय दवाएं 90 दिनों के भीतर ओमान में स्वचालित विपणन प्राधिकार प्राप्त करेंगी – जो भारतीय फार्मा निर्यातकों के लिए एक बड़ी सफलता है।

यह भी महत्वपूर्ण है कि सीईपीए भारत की पारंपरिक चिकित्सा सेवाओं के लिए अवसर पैदा करता है। यह पारंपरिक चिकित्सा में संयुक्त अनुसंधान की व्यवस्था करता है।

सेवाएँ और आवागमन – समझौते का एक और महत्वपूर्ण पहलू सेवा और आवागमन में निहित है। ओमान ने भारत के लिए विशिष्ट निर्यात क्षेत्रों में व्यावसायिक रूप से महत्वपूर्ण प्रतिबद्धताएँ व्यक्त की है, जिनमें पेशेवर सेवाएँ, कंप्यूटर और आईटी सेवाएँ, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, पर्यटन, अनुसंधान और विकास तथा पर्यावरण सेवाएँ शामिल हैं। लेखा, इंजीनियरिंग, चिकित्सा, निर्माण, शिक्षा और परामर्श जैसे क्षेत्रों में भारतीय पेशेवरों को बेहतर बाज़ार पहुँच से लाभ मिलने की उम्मीद है।

महत्त्वपूर्ण रूप से, ओमान ने भारतीय पेशेवरों और श्रमिकों के लिए आवागमन प्रतिबद्धताओं में वृद्धि पर सहमति व्यक्त की है। अंतर-कॉर्पोरेट स्थानांतरित कर्मियों और संविदा सेवा प्रदाताओं को चार साल तक रहने की अनुमति दी जाएगी, जबकि व्यवसाय आगंतुकों और स्वतंत्र पेशेवरों को आसान अस्थायी प्रवेश की सुविधा मिलेगी। इसने अंतर-कॉर्पोरेट स्थानांतरित कर्मियों के लिए ऊपरी-सीमा को 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया है।

विकसित देशों के साथ व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने की मोदी सरकार की पहल प्रत्येक भारतीय के जीवन को बेहतर बनाने के प्रधानमंत्री के मिशन का हिस्सा है।

ओमान के साथ समझौता याद दिलाता है कि व्यापार; विकास, रोजगार सृजन और साझा समृद्धि का एक शक्तिशाली उपकरण है। एक विभाजित और संरक्षणवादी दुनिया में, पीएम मोदी स्पष्ट संदेश दे रहे हैं कि एक नया, आत्मविश्वासी भारत पीछे नहीं हटेगा। यह साझेदारियों, प्रतिस्पर्धा और वैश्विक सहभागिता के माध्यम से आगे बढ़ेगा।

लेखक केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री हैं

अमेरिकी सेना ने होर्मुज जलडमरूमध्य से 70 वाणिज्यिक जहाजों को सुरक्षित निकलवाया

वाशिंगटन : पिछले तीन हफ्तों में अमेरिकी सशस्त्र बलों ने लगभग 70 वाणिज्यिक जहाजों को होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित निकाला है। मीडिया में आई एक खबर में यह जानकारी दी गयी। ईरान के साथ अमेरिका के युद्ध की शुरुआत के तीन महीने बाद से यह जलमार्ग जोखिम भरा बना हुआ है। 'न्यूयॉर्क टाइम्स' ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि पिछले तीन हफ्तों में अमेरिकी सेंट्रल कमान ने फारस की खाड़ी में आने-जाने वाले लगभग 70 वाणिज्यिक जहाजों का जलडमरूमध्य से गुजरने में मार्गदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि संकरे जलमार्ग से गुजरते समय पकड़े जाने से बचने के लिए ज्यादातर जहाजों ने अपने ट्रांसपोंडर बंद कर दिए थे। बताया गया कि 28 फरवरी को युद्ध शुरू होने से पहले, प्रतिदिन 100 से अधिक वाणिज्यिक जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरते थे। ईरान और ओमान से घिरे इस संकरे जलमार्ग से वैश्विक तेल आपूर्ति की 20 प्रतिशत माल ढुलाई होती है। अधिकारियों ने यह बताने से इनकार कर दिया कि किस प्रकार के जहाज वहां से गुजर रहे थे और उन्होंने कौन सा मार्ग अपनाया, लेकिन एक अधिकारी ने संकेत दिया कि कम से कम एक मार्ग ईरानी तटरेखा के करीब नहीं था। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि ईरान की अनुमति के बिना ईरान के पास से गुजरने वाले जहाजों पर ईरानी ड्रोन या मिसाइलों द्वारा हमले का खतरा लगभग निश्चित है।

क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता कोरा बुलबुला है या वास्तविक चुनौती?

ललित गर्ग

मानव सभ्यता के इतिहास में कुछ ऐसी क्रांतियां हुई हैं जिन्होंने जीवन की दिशा और दशा दोनों को बदल दिया। कृषि क्रांति ने मनुष्य को स्थायित्व दिया, औद्योगिक क्रांति ने उत्पादन और श्रम की परिभाषा बदली, सूचना क्रांति ने ज्ञान और संचार की सीमाएं समाप्त कर दीं। अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई की क्रांति मानव इतिहास के एक नए मोड़ पर खड़ी है। यह केवल एक तकनीकी परिवर्तन नहीं है, बल्कि मनुष्य की बुद्धि, निर्णय क्षमता, रोजगार, सामाजिक संरचना, शासन व्यवस्था और यहां तक कि उसके अस्तित्व और अस्मिता से जुड़ा प्रश्न बन चुकी है। यही कारण है कि आज विश्वभर में यह बहस तेज हो रही है कि क्या एआई मानव जीवन के लिए वरदान सिद्ध होगी या वह धीरे-धीरे मनुष्य के महत्व को ही चुनौती देने लगेगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल मशीनों को चलाने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह उन कार्यों को भी करने लगी है जिन्हें लंबे समय तक केवल मनुष्य की विशिष्ट क्षमता माना जाता था। लेखन, चित्र निर्माण, संगीत रचना, रोगों का निदान, न्यायिक विश्लेषण, वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रशासनिक निर्णय जैसे क्षेत्रों में इसकी बढ़ती उपस्थिति ने अनेक नए प्रश्न खड़े कर दिए हैं। यदि मशीनें सोचने, सीखने और निर्णय लेने लगेंगी तो मनुष्य की विशिष्टता क्या रह जाएगी? यह प्रश्न केवल तकनीकी नहीं, बल्कि दार्शनिक और नैतिक भी है।

मानव अस्मिता का आधार उसकी चेतना, संवेदना, रचनात्मकता और नैतिक विवेक है। एआई के पास विशाल सूचनाओं का भंडार और तीव्र गणनात्मक क्षमता अवश्य है, लेकिन उसके पास अनुभवजन्य चेतना, करुणा, आत्मबोध और मूल्यबोध नहीं है। फिर भी जब मशीनें कविता लिखती हैं, चित्र बनाती हैं और संवाद करती हैं, तब यह भ्रम उत्पन्न होने लगता है कि वे मनुष्य का स्थान ले सकती हैं। वास्तव में चुनौती यह नहीं है कि मशीनें मनुष्य बन जाएंगी, बल्कि यह है कि कहीं मनुष्य स्वयं मशीनों की तरह व्यवहार करने न लगे। यदि जीवन का प्रत्येक निर्णय गणनात्मक दक्षता और आंकड़ों के आधार पर होने लगे, तो मानवीय संवेदनाएं और नैतिक मूल्य हाशिये पर जा सकते हैं। इसी संदर्भ में एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उभरता है कि क्या भविष्य में एक नई मानव संरचना का निर्माण होगा? विश्व के अनेक वैज्ञानिक और तकनीकी चिंतक यह मानते हैं कि आने वाले दशकों में जैविक मनुष्य और डिजिटल तकनीक के बीच की दूरी लगातार कम होगी। मस्तिष्क और कंप्यूटर के प्रत्यक्ष संपर्क, कृत्रिम अंगों, स्मृति-विस्तार तकनीकों और जैव-तकनीकी हस्तक्षेपों के माध्यम से एक ऐसे युग की कल्पना की जा रही है जहां मनुष्य और मशीन का सम्मिलित स्वरूप विकसित हो सकता है। यह संभावना जितनी आकर्षक दिखाई देती है, उतनी ही चिंताजनक भी है। यदि तकनीकी रूप से उन्नत मनुष्य और सामान्य मनुष्य के बीच गहरी खाई बन गई तो सामाजिक असमानता का एक नया रूप सामने आ सकता है।

एआई के बढ़ते प्रभाव के साथ रोजगार और अर्थव्यवस्था में भी व्यापक परिवर्तन दिखाई दे रहे हैं। अनेक क्षेत्रों में नियमित और दोहराव वाले कार्य मशीनों द्वारा किए जाने लगे हैं। इससे यह आशंका उत्पन्न हुई कि बड़ी संख्या में रोजगार समाप्त हो जाएंगे। विश्व की कई बड़ी तकनीकी कंपनियों ने लागत कम करने और उत्पादकता बढ़ाने के नाम पर कर्मचारियों की संख्या घटाई है। किंतु हाल के अनुभव यह भी बताते हैं कि एआई मानव श्रम का पूर्ण विकल्प नहीं बन सकी है। जटिल निर्णय, नवाचार, मानवीय संबंधों का प्रबंधन और परिस्थितिजन्य विवेक जैसे क्षेत्रों में मनुष्य की भूमिका अभी भी केंद्रीय बनी हुई है। यहीं पर वैश्विक शोध संस्था गार्टनर की हालिया रिपोर्ट विशेष महत्व रखती है। गार्टनर ने अपनी नवीनतम विश्लेषणात्मक रिपोर्ट में संकेत दिया है कि एआई अब अत्यधिक अपेक्षाओं के शिखर से आगे बढ़कर मोहभंग के चरण में प्रवेश कर रही है। अनेक कंपनियों ने इससे तत्काल आर्थिक लाभ और उत्पादकता में चमत्कारी वृद्धि की उम्मीद की थी, लेकिन वास्तविक परिणाम अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं मिले। परियोजनाओं की ऊंची लागत, आंकड़ों की सुरक्षा से जुड़ी चिंताएं, गलत या भ्रामक उत्तर देने की प्रवृत्ति और स्पष्ट उपयोगिता सिद्ध न कर पाने जैसी समस्याएं सामने आई हैं। रिपोर्ट में यह आशंका भी व्यक्त की गई है कि लगभग एक-तिहाई परियोजनाएं प्रारंभिक चरण के बाद बंद हो सकती हैं क्योंकि वे अपने निवेश के अनुरूप परिणाम देने में असफल रही हैं। यह निष्कर्ष इस धारणा को चुनौती देता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता तत्काल सभी समस्याओं का समाधान बन जाएगी।

हालांकि इसका अर्थ यह नहीं है कि एआई एक अस्थायी बुलबुला है जो शीघ्र ही समाप्त हो जाएगा। इतिहास बताता है कि हर बड़ी तकनीकी क्रांति के प्रारंभिक चरण में उत्साह और अतिशयोक्ति दोनों मौजूद रहते हैं। बाद में वास्तविक उपयोगिता के आधार पर उसका संतुलित विकास होता है। इंटरनेट के साथ भी यही हुआ था। प्रारंभिक उत्साह के बाद अनेक कंपनियां समाप्त हो गईं, लेकिन इंटरनेट स्वयं विश्व व्यवस्था का आधार बन गया। एआई के साथ भी कुछ ऐसा ही होने की संभावना है। अतः इसका अतिशयोक्तिपूर्ण महिमामंडन भी उचित नहीं है और इसके शीघ्र समाप्त हो जाने की कल्पना भी यथार्थवादी नहीं है। व्यापार जगत में एआई की भूमिका निरंतर बढ़ेगी। उत्पादन, विपणन, ग्राहक सेवा, वित्तीय विश्लेषण और आपूर्ति प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में इसका व्यापक उपयोग होगा। इससे कार्यों की गति और दक्षता बढ़ेगी, किंतु साथ ही कार्यबल के स्वरूप में परिवर्तन आएगा। भविष्य में केवल तकनीकी ज्ञान पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि समस्या समाधान, रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता और भावनात्मक समझ जैसे गुण अधिक महत्वपूर्ण बनेंगे। इसलिए शिक्षा और कौशल विकास की पूरी व्यवस्था को नए सिरे से तैयार करना होगा।

प्रशासनिक क्षेत्र में भी एआई शासन को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने की क्षमता रखती है। नीतिगत विश्लेषण, संसाधनों का वितरण, स्वास्थ्य और शिक्षा योजनाओं का संचालन तथा आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में इसका उपयोग लाभकारी हो सकता है। लेकिन इसके साथ एक बड़ा खतरा भी जुड़ा है। यदि नागरिकों के व्यक्तिगत आंकड़ों का अत्यधिक संग्रह और विश्लेषण होने लगे तो निजता और स्वतंत्रता पर गंभीर संकट उत्पन्न हो सकता है। इसलिए तकनीकी दक्षता और नागरिक अधिकारों के बीच संतुलन बनाए रखना अत्यंत आवश्यक होगा। सैन्य क्षेत्र में एआई का प्रयोग सबसे अधिक चिंताजनक माना जा रहा है। स्वायत्त हथियार प्रणालियां, मानव रहित युद्धक उपकरण और लक्ष्य चयन करने वाली मशीनें युद्ध की प्रकृति को पूरी तरह बदल सकती हैं। यदि किसी मशीन को जीवन और मृत्यु का निर्णय करने की शक्ति मिल जाए तो नैतिक और मानवीय प्रश्न अत्यंत गंभीर हो जाएंगे। इसलिए विश्व स्तर पर ऐसी तकनीकों के नियमन और नियंत्रण की आवश्यकता लगातार महसूस की जा रही है।

इन सबके बीच सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि मानव जीवन सुरक्षित, संतुलित और सार्थक कैसे बना रहे? इसका उत्तर तकनीक के विरोध में नहीं, बल्कि उसके विवेकपूर्ण उपयोग में निहित है। एआई को मानव जीवन का स्वामी नहीं, सहायक बनाना होगा। शिक्षा प्रणाली में नैतिकता, संवेदनशीलता, सह-अस्तित्व और मानवीय मूल्यों को अधिक महत्व देना होगा। मनुष्य की भावनात्मक बुद्धिमत्ता, करुणा, सहानुभूति और आध्यात्मिक चेतना ही वे क्षेत्र हैं जिन्हें कोई मशीन प्रतिस्थापित नहीं कर सकती। साथ ही, वैश्विक स्तर पर ऐसे नियमों और नीतियों की आवश्यकता है जो एआई के विकास को मानव कल्याण की दिशा में नियंत्रित करें। यदि यह तकनीक केवल कुछ शक्तिशाली कंपनियों या राष्ट्रों के हितों तक सीमित रह गई तो असमानता और संघर्ष बढ़ सकते हैं। इसके विपरीत यदि इसका उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक विकास के लिए किया जाए तो यह मानवता के लिए अभूतपूर्व अवसरों का द्वार खोल सकती है।

अंततः एआई न तो पूर्णतः वरदान है और न ही अनिवार्य रूप से अभिशाप। यह एक शक्तिशाली साधन है जिसकी दिशा और परिणाम मनुष्य के विवेक पर निर्भर करेंगे। चुनौती मशीनों से नहीं, बल्कि इस बात से है कि क्या मनुष्य अपनी मानवीयता, संवेदनशीलता और नैतिक चेतना को सुरक्षित रख पाएगा। भविष्य का प्रश्न यह नहीं है कि एआई कितनी शक्तिशाली होगी, बल्कि यह है कि मनुष्य कितना सजग, उत्तरदायी और मूल्यनिष्ठ बना रहेगा। यदि मानवता तकनीकी प्रगति और मानवीय मूल्यों के बीच संतुलन स्थापित कर सकी, तो एआई मानव विकास का नया अध्याय लिखेगी अन्यथा वही तकनीक असंतुलन, असमानता और अस्तित्वगत संकट का कारण भी बन सकती है। यही हमारे समय की सबसे बड़ी चुनौती और सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। –लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

विदेश

जॉर्जिया में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में पायलट समेत भारतीय मूल के दो लोगों की मौत: खबर

न्यूयार्क : जॉर्जिया में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में नवविवाहित दूल्हे समेत भारतीय मूल के दो व्यक्तियों की दुखद मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। एक समाचार पोर्टल के अनुसार, डेव फिजी और उनकी नवविवाहिता पत्नी जेस्नी शुक्रवार शाम विवाह समारोह के बाद हेलीकॉप्टर में सवार होकर डीकैल्ब-पीचट्री हवाई अड्डे जा रहे थे। हेलीकॉप्टर का संचालन पायलट निखिल नरगुंडकर कर रहे थे। हालांकि, उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद खराब मौसम के बीच हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में 26 वर्षीय डेव फिजी और पायलट निखिल नरगुंडकर की मौत हो गई। दुर्घटना डॉसनविल स्थित विवाह स्थल के निकट हुई। वहीं, 25 वर्षीय जेस्नी इस हादसे में घायल हो गईं और उसका अटलांटा के एक स्थानीय अस्पताल में इलाज कराया जा रहा है।

अमेरिका ने ईरानी सैन्य स्थलों पर बमबारी की; कुवैत पर हुए ड्रोन, मिसाइल हमले

दुबई : अमेरिका ने सोमवार को कहा कि इस सप्ताहांत में तेहरान द्वारा एक अमेरिकी ड्रोन को मार गिराए जाने के बाद उसने ईरान में रडार और ड्रोन ठिकानों पर बमबारी की। अमेरिका के बयान के बाद ईरान ने कहा कि उसने कुवैत में अमेरिकी सैनिकों को मिसाइलों से निशाना बनाया, जिन्हें अमेरिका ने मार गिराने का दावा किया है। ये हमले ईरान युद्ध में कई सप्ताह से लागू युद्धविराम की नाजुक स्थिति को दर्शाते हैं। अमेरिकी और ईरानी अधिकारी इस युद्धविराम की अवधि को बढ़ाने के लिए समझौते पर बातचीत करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद हमले लगातार जारी हैं। ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपनी पकड़ बनाए हुए है जिससे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति बाधित हुई है। कभी फारस की खाड़ी के इस संकरे मुहाने से तेल और प्राकृतिक गैस के वैश्विक कारोबार का पांचवां हिस्सा गुजरता था।

आज का पंचांग

कोलकाता : 2 जून, मंगलवार, 2026, विक्रम सम्वत् 2083, आषाढ़ (अधिक) कृष्णपक्ष द्वितीया, 19:01 तक, नक्षत्र : मूल, 21:58 तक, योग : साध्य, 07:07 तक, सूर्योदय: 04:57, सूर्यास्त: 18:08, चन्द्रोदय : 20:49, चन्द्रास्त: 06:41, शक सम्वतः 1948 पराभव, सूर्य राशि : वृषभ, चन्द्र राशि : धनु, राहू काल : 15:31 से 17:10

राशिफल

मेष : आज घर में किसी खास मेहमान के आने से रौनक और खुशियों का माहौल बना रहेगा। आप उनकी खातिरदारी में व्यस्त रहेंगे और परिवार के साथ बिताया गया समय रिश्तों में नई मिठास घोल देगा।

वृष : आज अतीत की कोई पुरानी गलती अचानक सामने आ सकती है, जिससे रिश्तों में थोड़ी खटास आने की संभावना है। उधार लेने से बचें, वरना बाद में आर्थिक दबाव बढ़ सकता है।

मिथुन : आज धन और आर्थिक मामलों में किस्मत आपका साथ देगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और रुके हुए काम भी पूरे होने की संभावना है। सरकारी कामों को लेकर लापरवाही बिल्कुल न करें।

कर्क : आज लेन-देन और पैसों से जुड़े मामलों में बेहद सावधानी बरतने की जरूरत है। आपके भीतर आगे बढ़ने और खुद को साबित करने की जबरदस्त इच्छा रहेगी।

सिंह : आज आपकी मीठी वाणी और विनम्र व्यवहार आपको लोगों के बीच खास पहचान दिलाएगा। समझदारी से कही गई बातें आपके रिश्तों को मजबूत बनाएंगी।

कन्या : आज का दिन सामान्य लेकिन संतुलित रहेगा। प्रॉपर्टी से जुड़ी कोई पुरानी डील आखिरकार फाइनल हो सकती है, जिससे मन को राहत मिलेगी। हर काम शांत मन से करें।

तुला : आज आपको हर फैसला सोच-समझकर लेने की जरूरत होगी। परिवार में किसी सदस्य की सेहत को लेकर चिंता बढ़ सकती है और जरूरी मेडिकल टेस्ट भी कराने पड़ सकते हैं।

वृश्चिक : आज का दिन धैर्य और संयम से काम लेने का संदेश दे रहा है। जल्दबाजी में लिया गया कोई फैसला नुकसान पहुंचा सकता है। आप अपने लिए शॉपिंग कर सकते हैं।

धनु : आज सेहत को लेकर थोड़ा सतर्क रहने की जरूरत है। खान-पान में लापरवाही परेशानी बढ़ा सकती है, इसलिए खुद का ध्यान रखें। घर का माहौल भी सकारात्मक बना रहेगा।

मकर : आज विद्यार्थियों के लिए दिन बेहद शानदार रहेगा। परीक्षा या पढ़ाई से जुड़े परिणाम उम्मीद से बेहतर आ सकते हैं, जिससे परिवार में खुशी का माहौल बनेगा।

कुम्भ : आज कार्यक्षेत्र में किसी की बात आपको दिल पर लग सकती है, जिससे रिश्तों में तनाव बढ़ने की संभावना है। पारिवारिक बिजनेस में सुधार देखने को मिलेगा।

मीन : आज का दिन आपको धैर्य और समझदारी बनाए रखने की सीख देगा। दूर रहने वाले किसी रिश्तेदार से निराशाजनक खबर मिल सकती है, लेकिन भावनाओं पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा।

वर्ग पहेली नं. 3457

1	■	2		3	■	4	■	5	6
	■		■		■		■	7	
8	9		■	10					■
■		■	11		■	■	■	12	13
14		15	■	16	17		18	■	
	■	19	20	■		■	21	22	
■	23	■	24			■	25		■
26				■		■		■	27
28		■	■	29					

ऊपर से नीचे:- 1) व्यसन, 2) उत्तर भारत में बहनेवाली एक नदी, 3) प्रसिद्ध, 4) जल की धारा, 5) मुकरना, 6) खाली, 9) निराश, 13) चेहरे की बनावट, 14) वग़ैरह, 15) सहमत, 17) विनम्र, 18) सावधान, 20) रोकड़, 22) परवाह; शोक, 23) द्रव, 26) संकट; आफ़त, 27) एकाग्रता.

(उत्तर: अगले अंक में)

बायें से दायें:- 2) सहना (दुःख), 5) अप्सरा, 7) एक जगप्रसिद्ध भारतीय गायिका, 8) सारा, 10) जेबकतरा, 11) लड़का, 12) बंटा ढार; बरबादी, 14) सहारा; भरोसा, 16) छिद्रान्वेषण, 19) घोड़े आदि की पीठ पर रखने की गद्दी, 21) काँख, 24) तपा हुआ, 25) एक मादक पेय, 26) नाश, 28) क्रांतिसूचक रंग, 29) सौभाग्यशाली.

पिछली पहेली का उत्तर

अ	क	सी	र	■	सू	■	अ	स	म
स	च्चा	■	ब	र्ब	र	■	वै	■	ठ
र	■	खा	ड़ी	■	ज	ल	ध	र	■
दा	हि	ना	■	अ	■	हू	■	म	हा
र	फ़ा	■	आ	चा	र	■	म	झो	ला
■	ज	ल	पा	न	■	प	त	ला	■
मा	त	म	■	क	बी	र	■	■	का
शु	■	ब्र	मी	■	■	व	र्ज	नी	य
क़ा	बू	■	त	फ़	ती	श	■	ला	र

Mob. No. 08329510310

सुडोकू-पहेली-3415

			9				1	
9			8	7	3			
8								3
6				8		5		
					5		8	
	4							7
		4			6	7		1
		3	4				6	
		9	5					

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3414 का उत्तर

4	7	6	5	2	9	1	3	8
9	8	3	4	7	1	6	2	5
5	2	1	3	8	6	9	4	7
2	4	7	9	1	3	8	5	6
1	3	9	6	5	8	2	7	4
8	6	5	2	4	7	3	1	9
6	9	2	7	3	4	5	8	1
3	1	4	8	9	5	7	6	2
7	5	8	1	6	2	4	9	3

महिलाओं के लिए मुफ्त सरकारी बस यात्रा शुरू, बसों की संख्या बढ़ाने की मांग

कोलकाता, समाज्ञा

राज्य सरकार ने सोमवार को सभी मार्गों पर सरकारी बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा की शुरुआत की, जिससे महिला यात्रियों में खुशी देखी गई। सुबह के व्यस्त समय में काम पर जाने वाली महिलाओं ने सरकारी बसों की संख्या बढ़ाने की मांग की। भाजपा के एक पदाधिकारी ने बताया कि विधानसभा चुनाव घोषणापत्र में किए गए वादे के मुताबिक शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली सरकार ने सरकारी बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा की शुरुआत की है। सरकार ने एक जून से पश्चिम बंगाल परिवहन निगम, दक्षिण बंगाल राज्य परिवहन निगम और उत्तर बंगाल राज्य परिवहन निगम की सभी बसों में महिलाओं के लिए यात्रा निःशुल्क कर दी है। इस कदम का उद्देश्य महिलाओं का सशक्तिकरण करना और परिवहन सुविधाओं तक उनकी पहुंच में सुधार करना है। राज्य सरकार ने कहा है कि योजना के दुरुपयोग को रोकने के लिए लाभार्थियों की तस्वीरों और नामों के साथ डिजिटल स्मार्ट कार्ड जारी किए जाएंगे।

मंत्री अग्निमित्रा पॉल ने गरियाहाट और बालीगंज में किया औचक निरीक्षण, महिला यात्रियों से की बातचीत

योजना के पहले ही दिन इसकी जमीनी हकीकत जानने के लिए मंत्री अग्निमित्रा पॉल ने गरियाहाट और आसपास के इलाकों का औचक दौरा किया। इस दौरान मंत्री अग्निमित्रा पॉल ने बस स्टॉप, यात्रियों और परिवहन सेवाओं की स्थिति का जायजा लिया। औचक निरीक्षण के दौरान मंत्री अग्निमित्रा पॉल गरियाहाट और बालीगंज क्षेत्र के विभिन्न बस स्टॉप पर पहुंचीं। उन्होंने परिवहन निगम की चलती बसों का निरीक्षण किया और यह परखा कि महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा योजना का सही तरीके से पालन हो रहा है या नहीं। मंत्री अग्निमित्रा पॉल ने अधिकारियों से भी योजना के क्रियान्वयन की जानकारी ली और यात्रियों को मिलने वाली सुविधाओं का मूल्यांकन किया। निरीक्षण के दौरान मंत्री अग्निमित्रा पॉल ने बसों में सफर कर रही महिला यात्रियों से बातचीत की। बातचीत के दौरान कई महिला यात्रियों ने मंत्री अग्निमित्रा पॉल के सामने सरकारी बसों की कम संख्या और कम फ्रीक्वेंसी की समस्या उठाई। विशेष रूप से गरियाहाट से साल्टलेक जाने वाली कामकाजी महिलाओं ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में कई सरकारी बस रूट बंद हो गए हैं या उनकी संख्या घट गई है। महिलाओं ने मांग की कि यदि मुफ्त यात्रा योजना का पूरा लाभ लोगों तक पहुंचाना है तो सरकारी बसों की संख्या और फेरे बढ़ाने होंगे।

अवैध निर्माणों को ध्वस्त करने से पहले पीड़ित परिवार को दिया जाए पर्याप्त समय : शुभेंदु

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने नगर निगम अधिकारियों को निर्देश दिया है कि किसी भी अवैध निर्माण के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने से पहले संबंधित परिवारों और निवासियों को पर्याप्त समय दिया जाए। यह जानकारी सोमवार को नगर निगम के एक अधिकारी ने दी। कोलकाता नगर निगम (केएमसी) सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री ने शनिवार को अलीपुर क्षेत्र के बोरो-9 के अधिकारियों के साथ एक बैठक की। जानकारी के अनुसार, बैठक के दौरान सीएम शुभेंदु अधिकारी ने केएमसी द्वारा की गई कार्रवाई पर असंतोष व्यक्त किया। केएमसी सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री ने मुख्य रूप से तिलजला और तपसिया क्षेत्रों में अवैध निर्माणों को ध्वस्त करने के संबंध में नोटिस जारी करने और कानूनी प्रक्रिया का पालन करने के बारे में प्रश्न उठाए थे। आरोप है कि निवासियों को घर खाली करने के लिए बहुत कम समय देते हुए नोटिस जारी किए गए, जिसके बाद कोलकाता नगर निगम ने तोड़फोड़ का काम शुरू कर दिया था। इस संदर्भ में केएमसी सूत्रों के अनुसार, भवन विभाग के महानिदेशक उज्ज्वल सरकार से भी स्पष्टीकरण मांगा गया है। मुख्यमंत्री ने बैठक में यह स्पष्ट संदेश भी दिया कि सरकार को अवैध निर्माणों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने में कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन ऐसी कार्रवाई कानून के अनुसार और मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए की जानी चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऐसी स्थितियों से बचा जाना चाहिए, जहां परिवारों को अचानक बेदखल कर दिया जाए या पर्याप्त समय दिए बिना घरों को ध्वस्त कर दिया जाए। इसके साथ ही, मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी कि भविष्य में किसी भी परिस्थिति में अवैध निर्माण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। निर्माण कार्य के प्रारंभिक चरण से ही निगरानी बढ़ाने, नियमित निरीक्षण करने और समय पर नोटिस जारी करने के निर्देश भी जारी किए गए हैं। उन्होंने बैठक में स्पष्ट किया कि यह निर्देश केवल भवानी विधानसभा क्षेत्र पर ही नहीं बल्कि पूरे कोलकाता शहर पर लागू होता है।

नीति आयोग की बैठक से पहले मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सभी विभागों से मांगी रिपोर्ट

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने आगामी 11 जून को नई दिल्ली में होने वाली नीति आयोग की बैठक से पहले राज्य सरकार के सभी विभागों की वर्तमान स्थिति पर विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। मुख्यमंत्री ने सभी विभागों के सचिवों को पांच जून तक अपनी-अपनी रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। नवान्न सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री नीति आयोग की बैठक में राज्य की समग्र स्थिति, विकास योजनाओं और वित्तीय आवश्यकताओं को प्रमुखता से उठाने की तैयारी कर रहे हैं। इसी उद्देश्य से उन्होंने राज्य के सभी विभागों की कार्यप्रणाली, उपलब्धियों, चुनौतियों और आवश्यकताओं का विस्तृत ब्यौरा मांगा है। सूत्रों का कहना है कि वर्तमान राज्य सरकार का मानना है कि पिछले 15 वर्षों में पूर्ववर्ती सरकार की कथित असहयोगपूर्ण नीति के कारण राज्य को केंद्र से मिलने वाले कई वित्तीय लाभ और अधिकार पूरी तरह नहीं मिल सके। अब सरकार का ध्यान केंद्र से राज्य के बकाया और वैध हिस्से को प्राप्त करने पर है। इसी दिशा में मुख्यमंत्री सक्रिय रूप से पहल कर रहे हैं। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, नीति आयोग की बैठक में विभिन्न विकास परियोजनाओं, केंद्रीय सहायता, अनुदान और वित्तीय आवंटन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हो सकती है। माना जा रहा है कि जून के अंत में राज्य सरकार अपना पूर्ण बजट पेश कर सकती है। ऐसे में यदि राज्य अधिक केंद्रीय सहायता प्राप्त परियोजनाओं से जुड़ने में सफल होता है तो वित्तीय बोझ काफी हद तक कम हो सकता है, क्योंकि अधिकांश योजनाओं में केंद्र सरकार की हिस्सेदारी कम से कम 50 प्रतिशत होती है। मुख्यमंत्री इन रिपोर्टों के आधार पर राज्य की प्राथमिकताओं और आवश्यकताओं का विस्तृत खाका तैयार कर नीति आयोग की बैठक में भाग लेने वाले हैं, जहां पश्चिम बंगाल के लिए अधिक वित्तीय सहायता और विकास परियोजनाओं को मंजूरी दिलाने पर विशेष जोर दिया जाएगा।

अरूप बिस्वास ने मांगी अग्रिम जमानत, मेस्सी कार्यक्रम में टिकट की कालाबाजारी का आरोप

कोलकाता, समाज्ञा

राज्य के पूर्व खेल मंत्री अरूप बिस्वास ने सोमवार को उत्तर 24 परगना जिले की एक अदालत में अग्रिम जमानत याचिका दायर की। यह याचिका बारासात जिला न्यायालय में दाखिल की गई है, जो पिछले सप्ताह उनके खिलाफ दर्ज की गई प्राथमिकी के बाद दायर की गई है। बता दें कि यह मामला 13 दिसंबर 2024 को साल्टलेक स्थित युवा भारती क्रीड़ांगन में आयोजित फुटबॉल स्टार लियोनेल मेस्सी के 'गोएट इंडिया टूर' कार्यक्रम के दौरान हुई कथित तोड़फोड़ और अव्यवस्था से संबंधित है। इस संबंध में उत्तर 24 परगना जिले के बिधाननगर दक्षिण पुलिस थाने में बिस्वास के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। हालांकि, अदालत ने उनकी याचिका स्वीकार कर ली है, लेकिन मामले की पहली सुनवाई की तारीख अभी निर्धारित नहीं की गई है। पुलिस ने 30 मई की रात को कार्यक्रम के मुख्य आयोजक सतद्रु दत्ता द्वारा 17 मई को दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर यह प्राथमिकी दर्ज की थी।

तृणमूल विधायक रथिन घोष भर्ती भ्रष्टाचार मामले में ईडी के सामने हुए पेश

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य के पूर्व राज्य मंत्री और वर्तमान तृणमूल कांग्रेस विधायक रथिन घोष नगर निगम भर्ती भ्रष्टाचार मामले के सिलसिले में सोमवार की सुबह साल्टलेक स्थित प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कार्यालय में पेश हुए। ईडी कार्यालय पहुंचने से पहले रथिन ने भाजपा सरकार के नव नियुक्त मंत्रियों को बधाई दी। साथ ही, तृणमूल के खिलाफ जनता के गुस्से के बारे में उन्होंने कहा कि अगर उन्हें कमियों का एहसास होता तो बहुत कुछ किया जा सकता था। सोमवार को रथिन से पूछा गया कि आम जनता इतनी नाराज क्यों है और इसमें क्या कमियां हैं। जवाब में उन्होंने कहा कि अगर हम यह बात समझ गए होते, तो बहुत कुछ किया जा सकता था। लेकिन टीएमसी नहीं चाहती थी, इसलिए कई कारणों से ऐसा नहीं हो पाया। हालांकि, उन्होंने इस बारे में विस्तार से बताने से इनकार कर दिया।

हस्ताक्षर मामला : सीआईडी के समक्ष पूछताछ के लिए उपस्थित नहीं हुए अभिषेक, दिया स्वास्थ्य कारणों का हवाला

कोलकाता, समाज्ञा : तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी सोमवार को सीआईडी के समन के बावजूद पूछताछ के लिए भवानी भवन नहीं पहुंचे। पार्टी और पुलिस सूत्रों के अनुसार, अभिषेक ने सीआईडी को पत्र भेजकर खराब स्वास्थ्य की वजह से उपस्थित नहीं होने की बात कही है। बता दें कि उन्हें हस्ताक्षर विवाद से जुड़े मामले में सोमवार की दोपहर 12 बजे भवानी भवन स्थित सीआईडी मुख्यालय में तलब किया गया था। अभिषेक के करीबी सूत्रों का दावा है कि वह अभी भी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं। बताया गया है कि उनके दाहिने जबड़े, गर्दन और सीने के आसपास दर्द बना हुआ है, जिसके कारण उन्होंने जांच अधिकारियों के समक्ष उपस्थित होने में असमर्थता जताई है। फिलहाल, वह अपने आवास पर ही आराम कर रहे हैं।

सीआईडी ने अभिषेक बनर्जी को पेश होने के लिए दूसरा समन जारी किया

सीआईडी के जांचकर्ताओं ने हस्ताक्षर जालसाजी मामले के सिलसिले में कालीघाट इलाके में तृणमूल कांग्रेस नेता अभिषेक बनर्जी के आवास पर 48 घंटे से कुछ अधिक समय में सोमवार की शाम को दूसरी बार दौरा किया और आठ जून को जांचकर्ताओं के समक्ष पेश होने के लिए एक और समन सौंपा। सूत्रों ने यह जानकारी दी। यह घटनाक्रम अभिषेक बनर्जी के सोमवार को सीआईडी के समक्ष पेश होने नहीं होने के बाद किया। तृणमूल महासचिव ने एजेंसी द्वारा तलब किए जाने के बाद स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए दो सप्ताह का समय मांगा था। अभिषेक के कार्यालय के एक कर्मचारी अयान घोष ने जांचकर्ताओं के जाने के बाद उनके आवास के बाहर संवाददाताओं को बताया कि दादा (अभिषेक बनर्जी) ने समन नोटिस पर हस्ताक्षर कर दिए हैं और उन्हें नोटिस मिल गया है। वे आगे की कार्रवाई पर फैसला करेंगे। जांच एजेंसी के एक अधिकारी ने बताया कि सीआईडी की टीम शाम करीब 5.30 बजे तृणमूल सांसद के आवास पर पहुंची और जांच के तहत परिसर के वीडियो रिकॉर्ड किए। उन्होंने कहा कि परिसर का दस्तावेजीकरण करने और सबूत जुटाने के लिए वीडियोग्राफी की जा रही है। जांच कानून के अनुसार आगे बढ़ रही है। मामले से जुड़े आवश्यक बयान और सामग्री की जांच की जा रही है।

सीआईडी ने जांच के लिए पांच सदस्यीय एसआईटी का किया गठन

राज्य पुलिस के आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) ने तृणमूल कांग्रेस के विधायकों के कथित फर्जी हस्ताक्षरों के मामले की जांच तेज कर दी है। इस मामले की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, इस मामले की जांच के लिए पांच सदस्यीय एसआईटी बनाई गई है। जानकारी के मुताबिक, टीम का नेतृत्व डीआईजी रैंक के एक अधिकारी कर रहे हैं। इसके अलावा, टीम में एक डीएसपी और दो इंस्पेक्टर भी शामिल हैं।

जो भी जिम्मेदारी मिलेगी, पूरी निष्ठा से निभाएंगे : अर्जुन सिंह

स्वपन दासगुप्ता

उमेश राय

शंकर घोष

कलिता माझी

भास्कर भट्टाचार्य

पूर्णिमा चक्रवर्ती

कोलकाता, समाज्ञा : बैरकपुर शिल्पांचल क्षेत्र में नोआपाड़ा से विधायक अर्जुन सिंह ने सोमवार को लोक भवन में मंत्री पद के लिए शपथ ली। शपथ लेने के बाद, अर्जुन सिंह ने कहा कि सरकार उन्हें जो भी जिम्मेदारी देगी, वह उसे पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निभायेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि नयी जिम्मेदारी के साथ उनकी जवाबदेही पहले से कहीं अधिक बढ़ जायेगी। राज्य की जनता तक सरकारी सेवाओं का लाभ पहुंचाना ही उनका प्रथम लक्ष्य है।

❑ बढ़ गयी है जिम्मेदारी : स्वपन दासगुप्ता

रासबिहारी से विधायक और वरिष्ठ भाजपा नेता स्वपन दासगुप्ता ने मंत्री पद की शपथ लेने के बाद कहा कि यह उनके लिए सम्मान के साथ-साथ एक बड़ी चुनौती भी है। उन्होंने कहा कि जिम्मेदारी बढ़ गयी है। आगे कई चुनौतियों का सामना करना होगा। एक नयी पारी की शुरुआत हो रही है। नये बंगाल को लेकर उनके मन में कई योजनाएं हैं और सभी फैसले मंत्रिमंडल में चर्चा के बाद लिये जायेंगे। राज्य के कई इलाके पिछड़ गए हैं और उन्हें फिर से विकसित करना सरकार की प्राथमिकता होगी।

❑ हावड़ा को व्यवस्थित करना मेरी पहली प्राथमिकता : उमेश राय

राज्य मंत्री पद की शपथ लेने के बाद उमेश राय ने कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता हावड़ा शहर को व्यवस्थित करना और लोगों को बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराना होगी। उमेश राय ने कहा कि जिस क्षेत्र से वह निर्वाचित होकर आते हैं, वहां के लोग पिछले लगभग 50 वर्षों से मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कई इलाकों में आज भी पीने के पानी, जल निकासी, कॉलेज और अस्पताल जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। शहर की व्यवस्था पूरी तरह अस्त-व्यस्त है और पिछले आठ वर्षों से नगर निगम का चुनाव भी नहीं हुआ है। उमेश राय ने कहा कि मुझे जो भी जिम्मेदारी मिलेगी, मैं उसे पूरी ईमानदारी से निभाऊंगा। मेरा प्रयास रहेगा कि सरकार की योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू कर पश्चिम बंगाल और विशेष रूप से हावड़ा के विकास को नई गति दी जाए।

❑ उत्तर बंगाल की उम्मीद बने शंकर घोष

सिलीगुड़ी के विधायक शंकर घोष लंबे समय से उत्तर बंगाल के विकास के मुद्दों को विधानसभा में उठाते रहे हैं। भाजपा की नयी सरकार में उन्हें एक महत्वपूर्ण चेहरा माना जा रहा है। मंत्री पद की शपथ लेने के बाद शंकर घोष भावुक नजर आये। उन्होंने कहा कि जनता ने हमें यहां तक पहुंचाया है। यह जीत उन सभी कार्यकर्ताओं, समर्थकों और लोगों को समर्पित है जिन्होंने बदलाव के लिए संघर्ष किया।

❑ 'पांच साल बाद भी नहीं बदलूंगी', मंत्री पद की शपथ लेने के बाद बोलीं विधायक कलिता माझी

कभी घरेलू सहायिका के रूप में काम करने वाली और पहली बार भाजपा के टिकट पर विधायक बनीं कलिता माझी ने सोमवार को राज्य सरकार में मंत्री पद की शपथ ली। कलिता माझी ने यहां लोक भवन में शपथ लेने के बाद कहा कि मैंने कभी नहीं सोचा था कि मेरा जीवन इस तरह से बदल जायेगा। मुझ पर विश्वास करने और मुझे हर स्तर पर अवसर देने के लिए मैं अपनी पार्टी की आभारी हूं। गुस्करा नगरपालिका क्षेत्र की रहने वाली माझी अपने पति, जो प्लंबर हैं, और बेटे के साथ रहती हैं। चुनावी राजनीति में उतरने से पहले, उन्होंने अपने परिवार का गुजारा करने के लिए इलाके के घरों में घरेलू सहायिका के तौर पर काम किया।

❑ भ्रष्टाचार और अतिक्रमण पर रहेगी जीरो टॉलरेंस नीति : भास्कर भट्टाचार्य

मंत्री पद की शपथ लेने के बाद श्रीरामपुर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक भास्कर भट्टाचार्य ने कहा कि उनकी सरकार की भ्रष्टाचार और अतिक्रमण के खिलाफ नीति पूरी तरह जीरो टॉलरेंस की होगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कोई भी भ्रष्टाचारी कानून के शिकंजे से बच नहीं पाएगा। मंत्री बनने पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भास्कर भट्टाचार्य ने कहा कि मंत्री पद मिलने का श्रेय राज्य के मुख्यमंत्री और पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को जाता है। वहीं, विधायक बनने का श्रेय उन्होंने क्षेत्र की जनता को दिया, जिन्होंने उन पर विश्वास जताकर विधानसभा तक पहुंचाया।

❑ भ्रष्टाचार मुक्त बंगाल के लिए करेंगे काम : पूर्णिमा चक्रवर्ती

राज्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद श्यामपुकुर की विधायक पूर्णिमा चक्रवर्ती ने कहा कि यह उनके वर्षों के परिश्रम, पार्टी नेतृत्व के विश्वास और जनता के समर्थन का परिणाम है। पूर्णिमा चक्रवर्ती ने कहा कि मंत्री पद की जिम्मेदारी मिलने पर अपनी भावनाओं को शब्दों में व्यक्त करना उनके लिए आसान नहीं है। उन्होंने कहा कि यह कई वर्षों की मेहनत और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने पार्टी नेतृत्व का धन्यवाद देते हुए कहा कि उन पर जो विश्वास जताया गया है, उस विश्वास पर खरा उतरने का उन्होंने हमेशा प्रयास किया है और आगे भी पूरी निष्ठा के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगी। उन्होंने कहा कि मंत्री के रूप में मेरी पहली प्राथमिकता आम लोगों की समस्याओं का समाधान और उनके जीवन को बेहतर बनाने के लिए कार्य करना होगा।

CHANGE OF NAME

I, Dinanath Kushwaha residing at Vill- Rampur Lala, Barnai, Deoria, Uttarpradesh- 274001, do hereby declare that my name has been wrongly recorded as D N Kushwaha in my Daughter's Aachal Kushwaha 10th & 12th Board Mark Sheet, shall henceforth be known as Dinanath Kushwaha by Vide affidavit declared Before the Notary Public at Alipore dated 31.03.2026.

CHANGE OF NAME

I, Dinanath Kushwaha residing at Vill- Rampur Lala, Barnai, Deoria, Uttarpradesh- 274001, do hereby declare that my name has been wrongly recorded as Dina Nath Kushwaha in my Son's Aadarsh Kushwaha 10th Board Mark Sheet, shall henceforth be known as Dinanath Kushwaha by Vide affidavit declared Before the Notary Public at Alipore dated 31.03.2026.

Change of Name

I Tapas Pal alias Tapas Kumar Paul alias Tapas Kr. Paul S/o Shibnath Paul R/o Rajibpur Road, Near New Makali Builders, Gangapur, Duttapukur, North 24 Parganas, West Bengal - 743248, have changed my name to Tapas Kumar Paul

Change of Name

I, Shyama Ashrafi Khan, daughter of Ashraf Khan , residing at 105, Belilious Road, Howrah-711101, do hereby solemnly affirm and declare that my actual name is Shyama Ashrafi Khan DOB: 28th January 2001, and Shyama Ashrafi Khan and Simran Ashrafi is the same and one identical person via affidavit in the Court of Ld 1st Class Judicial Magistrate at Kolkata dated 14th October 2025.

Change of Name

I Suma Karmakar alias Suma Karmakar Dutta D/o Bimal Karmakar and W/o Soumya Dutta R/o Kachua, Kachua Swarupnagar, North 24 Parganas, West Bengal - 743424, have changed my name to Suma Dutta.

CHANGE OF NAME

I, Sahara Bibi mother of Army No.18020990M, Rank- SPR, Sk Altaf Hossain, Unit-236 Engineer Regiment, resident of Mustafapur, Dobal, Bhadrak, Odisha- 756117. Shall henceforth be known as Sahara Bibi as declared Before the Notary Public at Chief Judicial Magistrate at Kolkata dated 25.05.2026. now Sahara Khatun and Sahara Bibi both are one and same identical person

CHANGE OF NAME

I, Sk Asikur Raheman father of Army No.18020990M, Rank- SPR, Sk Altaf Hossain Unit-236 Engineer Regiment, resident of Mustafapur, Dobal, Bhadrak, Odisha- 756117, Shall henceforth be known as Sk Asikur Raheman as declared Before the Notary Public at Chief Judicial Magistrate at Kolkata dated 25.05.2026. now Sk Asik and Sk Asikur Raheman both are one and same identical person

Change of Name

I, Juni Saraf, wife of Ashish Saraf, old residing at BF114, Saltlake, Sector-1, Bidhannagar (M), CC Block, 24 Praganas (N)-700064, new residing at FE-172, 1st floor, Saltlake City, Sector-3, Bidhannagar (M), 24 Praganas (N)-700106, do hereby solemnly affirm and declare that the before marriage I was known as Juni Beriwal and after marriage wirh Ashish Saraf, Juni Saraf and Juni Saraf and Juni Beriwal is the same and one identical person via affidavit before the Ld Judicial Magistrate 1st Class at Calcutta dated 15th May 2026.

पूर्व रेलवे

निविदा सं.: एसडीएसटीई-एलएचएस-एलसीगेट-26-बीडीसी, दिनांक 27.05.2026; मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, डीआरएम बिल्डिंग, हावड़ा रेलवे स्टेशन के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के लिए एकल पैकेट प्रणाली में खुली ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। बोलीदातागण सिर्फ बंद होने की तारीख एवं समय तक अपनी मूल/संशोधित बोलियां जमा कर पाएंगे। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है तथा ऐसे प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। **कार्य का नामः** हावड़ा मंडल-निम्नलिखित के संबंध में सिग्नलिंग कार्य-अनुसूची ए1-एईएन/बैण्डेल के अधीन रेलवे के रिलिविंग गर्डर द्वारा लेवल क्रॉसिंग गेट सं. 26 के स्थान पर नए सीमित ऊंचाई के सबवे के निर्माण के लिए सिग्नलिंग लागत। अनुसूची ए2-एईएन/बैण्डेल के अधीन रेलवे के रिलिविंग गर्डर द्वारा लेवल क्रॉसिंग गेट सं. 26 के स्थान पर नए सीमित ऊंचाई के सबवे के निर्माण के लिए टेलीकॉम्युनिकेशन लागत। **विज्ञापित मूल्यः** रु. 1,31,30,114.37; **बयाना राशि/बोली सुरक्षाः** रु. 2,62,600; **निविदा दस्तावेज की कीमतः** रु. 0.00; **बोली शुरू होने की तारीखः** 08.06.2026. **समापन अवधिः** 12 महीने। **प्रस्ताव की वैधताः** 60 दिन। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समयः** 22.06.2026 को 15.00 बजे। **निविदा अपलोडिंग की तारीख एवं समयः** 27.05.2026 को 18.56 बजे। (HWH-118/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सं.: एसडीएसटीई-एलएचएस-एलसीजी-24ए-4ई-एजेड, दिनांक 27.05.2026; मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, डीआरएम बिल्डिंग, हावड़ा रेलवे स्टेशन के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के लिए एकल पैकेट प्रणाली में खुली ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। बोलीदातागण सिर्फ बंद होने की तारीख एवं समय तक अपनी मूल/संशोधित बोलियां जमा कर पाएंगे। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है तथा ऐसे प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। **कार्य का नामः** हावड़ा मंडल-निम्नलिखित के संबंध में सिग्नलिंग कार्य-अनुसूची ए1-एईएन/आजिमगंज के अधीन रेलवे के रिलिविंग गर्डर द्वारा लेवल क्रॉसिंग गेट सं. 24ए/4(ई) के स्थान पर नए सीमित ऊंचाई के सबवे के निर्माण के लिए सिग्नलिंग लागत। अनुसूची ए2- एईएन/आजिमगंज के अधीन रेलवे के रिलिविंग गर्डर द्वारा लेवल क्रॉसिंग गेट सं. 24ए/4(ई) के स्थान पर नए सीमित ऊंचाई के सबवे के निर्माण के लिए टेलीकॉम लागत। **विज्ञापित मूल्यः** रु. 1,63,19,659.67; **बयाना राशि/बोली सुरक्षाः** रु. 3,26,400; **निविदा दस्तावेज की कीमतः** रु. 0.00; **बोली शुरू होने की तारीखः** 08.06.2026. **समापन अवधिः** 12 महीने। **प्रस्ताव की वैधताः** 60 दिन। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समयः** 22.06.2026 को 15.00 बजे। **निविदा अपलोडिंग की तारीख एवं समयः** 27.05.2026 को 18.48 बजे। (HWH-117/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

खुली निविदा सूचना सं. 22-एसडीएसटीई-एसएसएन-2026-27, दिनांक 29.05.2026 के लिए ई-निविदा; वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **कार्य का नाम/स्थानः** आसनसोल मंडल-आसनसोल मंडल में क्षतिग्रस्त क्वैड केबल का प्रतिस्थापन। **निविदा मूल्यः** रु. 2,80,68,947.99; **बयाना राशिः** रु. 5,61,400; **कार्य समापन अवधिः** एलओए के जारी किए जाने की तारीख से 18 महीने। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समयः** 22.06.2026 को 14.00 बजे। **वेबसाइट का विवरणः http://www.ireps.gov.in/** (ASN-120/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

बिड संख्याः जीईएम/2026/बी/7599874, दिनांक 29.05.2026; ईडीपीएम/कांचरापाड़ा, पूर्व रेलवे वर्कशॉप, कांचरापाड़ा, पिन-743145, 24-परगना (उत्तर), पश्चिम बंगाल द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। **वस्तु श्रेणीः** पहले से उपयोग किए गए उत्पादों की कस्टमाइज्ड एएमसी/सीएमसी - डेस्कटॉप पीसी: एचपी, डेल, एसेर, लेनोवो एवं अन्य; व्यापक रखरखाव अनुबंध (सीएमसी): एटीसी के अनुसार; हाँ, पहले से उपयोग किए गए उत्पादों की कस्टमाइज्ड एएमसी/सीएमसी - ऑल इन वन (एआईओ) पीसी: एचपी, डेल, एसेर, लेनोवो एवं अन्य; व्यापक रखरखाव अनुबंध (सीएमसी): एटीसी के अनुसार; हाँ, पहले से उपयोग किए गए उत्पादों की कस्टमाइज्ड एएमसी/सीएमसी - प्रिंटर: एचपी, सैमसंग, कैनोन, ब्रदर एवं अन्य; व्यापक रखरखाव अनुबंध (सीएमसी): एटीसी के अनुसार; हाँ, पहले से उपयोग किए गए उत्पादों की कस्टमाइज्ड एएमसी/सीएमसी-डॉट मैट्रिक्स प्रिंटर (डीएमपी): एप्सन एवं अन्य; व्यापक रखरखाव अनुबंध (सीएमसी): एटीसी के अनुसार; हाँ, पहले से उपयोग किए गए उत्पादों की कस्टमाइज्ड एएमसी/सीएमसी-यूपीएस: बीपीई, एपीसी, साइबर पावर एवं अन्य; व्यापक रखरखाव अनुबंध (सीएमसी): एटीसी के अनुसार; हाँ, पहले से उपयोग किए गए उत्पादों की कस्टमाइज्ड एएमसी/सीएमसी -लैपटॉप: एचपी, डेल, एसेर, लेनोवो एवं अन्य; व्यापक रखरखाव अनुबंध (सीएमसी): एटीसी के अनुसार; हाँ, **बिड बंद होने की तारीख/समयः** 19.06.2026 को 17.00 बजे। **बिड खुलने की तारीख/समयः** 19.06.2026 को 17.30 बजे। **बिड पेशकश वैधता (बंद होने की तारीख से):** 90 दिन। **अनुबंध अवधिः** 2 वर्ष। **बिडर का न्यूनतम औसत वार्षिक टर्नओवर (3 वर्षों का):** रु. 11 लाख। **उन्हीं/समान सेवा के लिए अपेक्षित विगत अनुभव के वर्षः** 3 वर्ष। **इसी तरह की सेवाओं का पिछला आवश्यक अनुभव हैः** हाँ। **विक्रेता से मांगे गए दस्तावेजः** अनुभव के मानदंड, बोलीदाता का टर्नओवर, प्रमाणपत्र (एटीसी में अनुरोध किया गया), अतिरिक्त दस्तावेज 1 (एटीसी में अनुरोध किया गया), अतिरिक्त दस्तावेज 2 (एटीसी में अनुरोध किया गया), अतिरिक्त दस्तावेज 3 (एटीसी में अनुरोध किया गया), अतिरिक्त दस्तावेज 4 (एटीसी में अनुरोध किया गया)। *कोई भी बोलीदाता अगर अनुभव/टर्नओवर मानदंड से छूट चाहते हैं, तो क्रेता द्वारा मूल्यांकन हेतु छूट के लिए अपने पात्रता के प्रमाण के समर्थित दस्तावेज अपलोड करना होगा। **बिड का प्रकारः** एकल पैकेट बिड। **अनुमानित निविदा मूल्य (सभी करों सहित) भारतीय रुपये में:** रु. 21,31,670/-। **•ईएमडी विवरणः एडवाईजरी बैंकः** भारतीय स्टेट बैंक। **ईएमडी राशिः** रु. 42,630। **• ईपीबीजी विवरणः एडवाईजरी बैंकः** भारतीय स्टेट बैंक। **ईपीबीजी प्रतिशत (%):** 5.00। **ईपीबीजी की आवश्यक अवधि (माह):** 26। निविदा सूचना के साथ निविदा दस्तावेज जीईएम पोर्टल अर्थात् **https:// gem.gov.in** पर प्रकाशित कर दिया गया है। (MISC-58/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

खड़गपुर मंडल के तहत पार्किंग संविदा के लिए ई-नीलामी सूचना

ई-नीलामी सूचीपत्र सं.: सीओएम/जी-30/2/पार्किंग/सीपीआरओ/26/09 दिनांक 29.05.2026

भारत के राष्ट्रपति, भारत संघ के लिए तथा उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, खड़गपुर मंडल, दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा कांथी, शालीमार, कलाईकुंडा एवं बाउड़िया (साऊथ) में मिश्रित वाहन पार्किंग तथा पांशकुड़ा (साऊथ/1), पौंतिहाल, गिरीमैदान (नॉर्थ), बेनापुर, नलपुर, बड़गछिया, मौरीग्राम, नरायणगढ़ एवं बागनान (साऊथ) में दो पहिया वाहन पार्किंग तथा मिदनापुर (ईस्ट) में चार पहिया वाहन की पार्किंग के लिए पार्किंग लॉट हेतु ई-नीलामियां आमंत्रित की जाती हैं। **नीलामी सूचीपत्र सं.: पार्ककेजीपी-26-09, नीलामी की तारीखः 11.06.2026; नीलामी शुरू होने का समयः 11.00 बजे एवं बंद होने का समयः 13.40 बजे,** जिसे वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in/** पर अधिसूचित किया गया है। इच्छुक पार्टियां तथा ठेकेदारगण उपरोक्त विवरण पर ध्यान दें तथा ई-नीलामी सूचना से संबंधित जानकारी हेतु ऊपर उल्लेखित वेबसाइट देखें। पूछताछ/स्पष्टीकरण, यदि कोई हो, के लिए कृपया अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय से सम्पर्क करें।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, खड़गपुर

(PR-250)

दक्षिण पूर्व रेलवे
मुस्कान के साथ सेवा

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.: एनआईटी/02/26/27, **दिनांक 01.06.2026;** प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, पूर्व रेलवे, दूसरी मंजिल, फेयरली प्लेस, 17, नेताजी सुभाष रोड, कोलकाता-700001 द्वारा निम्नलिखित मदों की आपूर्ति के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **क्रमांक एवं निविदा सं., विवरण, ईएमडी** क्रमशः निम्नलिखित हैं: **(1) 10261577;** एडॉप्टर एवं पेडेस्टल कैप इत्यादि के लिए बोल्टों एवं नटों का सेट; रु. 1,16,800/-। **(2) 10261200;** एन32 टेप चेंजर के लिए कंट्रैक्ट पीस सम्पूर्ण (सीजीआर के लिए कंटैक्ट टिप्स); रु. 1,07,700/-। **निविदा खुलने की तारीख एवं समयः** 26.06.2026 को अपराह्न 1.30 बजे (क्रमांक 1 एवं 2 के लिए)। **(3) 10261793;** ट्रांसफॉर्मर ऑयल कूलिंग ब्लोअर; रु. 1,47,780/-। **(4) 10262387;** अर्ध रिटर्न ब्रश होल्डर असेम्बली इत्यादि; रु. 1,40,690/-। **निविदा खुलने की तारीख एवं समयः** 25.06.2026 को अपराह्न 1.30 बजे (क्रमांक 3 एवं 4 के लिए)। **(5) 21261385;** नकल पाइवोट पिन के साथ वाशर इत्यादि; रु. 4,80,710/-। **निविदा खुलने की तारीख एवं समयः** 24.06.2026 को अपराह्न 1.30 बजे। **(6) 11252610ए;** मैसर्स एस्कार्ट्स निर्मित एएआर-एच टाइप सीबीसी के लिए अतिरिक्त पुर्जों की सेट की खरीददारी; रु. 2,57,510/-। **(7) 11261779;** आरसीएफ की विनिर्देश सं. ईडीटीएस 101, संशो-सी इत्यादि के अनुसार एलएचबी कोचों के लिए व्हील सेट अर्थिंग उपकरण की खरीददारी; रु. 2,08,000/-। **निविदा खुलने की तारीख एवं समयः** 15.06.2026 को अपराह्न 1.30 बजे (क्रमांक 6 एवं 7 के लिए)। **(8) 11262647;** बीईएसडीए कम्पैक्ट लेजर डिटेक्टर इत्यादि की खरीददारी; रु. 4,57,750/-। **निविदा खुलने की तारीख एवं समयः** 17.06.2026 को अपराह्न 1.30 बजे। **(9) 10252348ए;** डब्ल्यूएपी7 (3-फेज) के लिए बस कपलर; रु. 1,37,220/-। **निविदा खुलने की तारीख एवं समयः** 18.06.2026 को अपराह्न 1.30 बजे। **(10) 10262563;** डब्ल्यूएपी5 के लिए डैम्पर का सेट; रु. 1,77,940/-। **निविदा खुलने की तारीख एवं समयः** 30.06.2026 को अपराह्न 1.30 बजे। **(11) 10262186;** मशीन रूम ब्लोअर के लिए स्कैवेंज ब्लोअर; रु. 1,09,830/-। **(12) 10262251;** मशीन रूम ब्लोअर; रु. 1,68,880/-। **निविदा खुलने की तारीख एवं समयः** 29.06.2026 को अपराह्न 1.30 बजे (क्रमांक 11 एवं 12 के लिए)। **(13) 10261925;** ट्रैक्शन मोटर के लिए स्कैवेंज ब्लोअर; रु. 1,45,790/-। **निविदा खुलने की तारीख एवं समयः** 26.06.2026 को अपराह्न 1.30 बजे। **(14) 12261049;** आरडीएसओ आरेख सं. टी-8747 के अनुसार चौड़े पीएससी स्लीपर के साथ प्रयोग के लिए 10 मिमी मोटी कम्पोजिट ग्रुव्ड रबड़ सोल प्लेटों (सीजीआरएसपी) का निर्माण एवं आपूर्ति; रु. 20,00,000/-। **निविदा खुलने की तारीख एवं समयः** 05.06.2026 को अपराह्न 1.30 बजे। **(15) 12261015;** आरडीएसओ मानक आरेख सं. टी-6441, अल्ट-04 के अनुसार पीएससी स्लीपरों पर 1 इन 8.5 बीजी 60 किग्रा वेल्डेबल सीएमएस क्रॉसिंग का निर्माण एवं आपूर्ति; रु. 20,00,000/-। **निविदा खुलने की तारीख एवं समयः** 02.06.2026 को अपराह्न 1.30 बजे। **(16) 12261034;** आरडीएसओ आरेख सं. टी-3740, अल्ट-7 के अनुसार 60 किग्रा (यूआईसी) रेलों के लिए कंक्रीट स्लीपरों पर इलास्टिक रेल क्लिप प्लेट टो के साथ प्रयोग हेतु मेटल लाइनरों का निर्माण एवं आपूर्ति; रु. 20,00,000/-। **(17) 1226_अव्टयूजक्रॉसिंग_6495;** आरडीएसओ आरेख सं. टी-6495 के अनुसार 60 किग्रा रेलों हेतु 1 इन 8.5 सीएमएस अव्टयूज एंगल क्रॉसिंग के निर्माण एवं आपूर्ति के लिए चालू अनुबंध; रु. 3,22,920/-। **निविदा खुलने की तारीख एवं समयः** 12.06.2026 को अपराह्न 1.30 बजे (क्रमांक 16 एवं 17 के लिए)। **(18) 1226_एसपीसीएल_स्लीपर;** स्पेशल प्रकार के पीएससी स्लीपरों की खरीददारी के लिए चालू अनुबंध; रु. 0। **निविदा खुलने की तारीख एवं समयः** 22.06.2026 को अपराह्न 1.30 बजे। **(19) 12261036;** आरेख सं. टी-8746 के अनुसार पीएससी चौड़े स्लीपर के साथ प्रयोग के लिए आरडीएसओ आरेख सं. टी-8748 (अल्ट. 1) के अनुसार मेटल लाइनर का निर्माण एवं आपूर्ति; रु. 20,00,000/-। **निविदा खुलने की तारीख एवं समयः** 19.06.2026 को अपराह्न 1.30 बजे। **(20) 22265369;** इंट्राबाइट्रियल इंजेक्शन के लिए फेरिसिमैब 6 एमजी/0.05 एमएल सोल्यूशन; रु. 0। **निविदा खुलने की तारीख एवं समयः** 16.06.2026 को अपराह्न 1.30 बजे। **(21) 22265429;** इंजेक्शन ल्यूस्पैटरसेप्ट 25 एमजी (उत्पाद रेलवे बोर्ड के निर्माता फर्म की अनुमोदित उत्पाद सूची में उपलब्ध होना चाहिए), मद कोड सं.: एम251033, एआई 26-27; रु. 0। **निविदा खुलने की तारीख एवं समयः** 10.06.2026 को अपराह्न 1.30 बजे। **निविदा लागतः** रु. 0 (सभी के लिए)। **टिप्पणीः** उपरोक्त उल्लेखित सभी निविदाएं ई-निविदा हैं तथा सभी निविदादाताओं से अपनी बोलियां आईआरईपीएस की वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** के जरिए ऑन-लाइन जमा करने का अनुरोध किया जाता है। ऊपर उल्लेखित निविदाओं तथा अन्य आपूर्ति निविदाओं के संबंध में एवं अधिक विवरण के लिए कृपया आईआरईपीएस की वेबसाइट देखें। (STORES-15/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

उच्चस्तरीय बैठक में तय हुई बाढ़ और जलजमाव रोकने की रणनीति तय

❑ उत्तर बंगाल का दौरा करेंगी मंत्री अग्निमित्रा पाल

कोलकाता, समाज्ञा : आगामी मानसून और संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए राज्य सरकार ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में, सोमवार को जलसंपदा भवन में सिंचाई विभाग तथा विभिन्न संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जलभराव, बाढ़ नियंत्रण, तटबंधों की स्थिति, नालों और कैनालों की सफाई तथा जल निकासी व्यवस्था को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि जलभराव और बाढ़ की आशंका वाले क्षेत्रों की पहचान कर समय रहते आवश्यक कदम उठाए जाएं। साथ ही, पंपिंग स्टेशनों की कार्यक्षमता,

तटबंधों की मजबूती और जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त रखने पर विशेष जोर दिया गया। विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने की रणनीति भी तैयार की गई। इस अवसर पर सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की मंत्री अग्निमित्रा पाल ने कहा कि राज्य के कई क्षेत्रों में जलभराव की समस्या को लेकर पहले से ही निरीक्षण और आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि हल्दीराम एयरपोर्ट क्षेत्र में लंबे समय से जलजमाव की समस्या बनी हुई है। इस समस्या के समाधान के लिए सिंचाई विभाग, पीडब्ल्यूडी और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ इलाके का संयुक्त निरीक्षण किया गया है। मंत्री ने कहा कि निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि पूर्ववर्ती सरकार के समय कई स्थानों पर प्राकृतिक जल निकासी मार्गों और कैनालों को भरकर उनके ऊपर सड़कें बना दी गईं, जिसके कारण बारिश का पानी निकलने का रास्ता बाधित हो गया है। यही वजह है कि कई इलाकों में जलभराव की गंभीर समस्या उत्पन्न हो रही है। उन्होंने बताया कि विभाग के इंजीनियरों ने कैनालों और जल निकासी चैनलों की व्यापक सफाई तथा पुनर्विकास का प्रस्ताव तैयार किया है, ताकि वर्षा का पानी तेजी से निकल सके और लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े। अग्निमित्रा पाल ने कहा कि वह अगले तीन से चार दिनों के भीतर उत्तर बंगाल के दौरे पर जा रही हैं, जहां मानसून के दौरान बाढ़ और जलभराव की संभावित समस्याओं का विस्तृत निरीक्षण किया जाएगा। तीन दिवसीय दौरे के दौरान विभिन्न जिलों में तटबंधों, नदियों और जल निकासी व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की जाएगी तथा अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए जाएंगे। बैठक में अधिकारियों को संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित निगरानी रखने, जलस्तर पर लगातार नजर बनाए रखने और आवश्यक मशीनरी व संसाधनों को तैयार रखने के निर्देश दिए गए। साथ ही, आम लोगों को संभावित जोखिमों के प्रति जागरूक करने और समय पर सूचना उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया।

सुरक्षा कारणों से हटाई गई मेस्सी की 70 फुट ऊंची 'अस्थिर' प्रतिमा

कोलकाता, समाज्ञा : अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेस्सी की 70 फुट ऊंची प्रतिमा को सोमवार को सुरक्षा कारणों से यहां लेक टाउन से हटा दिया गया। बता दें कि हालिया तूफानों के कारण प्रतिमा ढांचागत रूप से अस्थिर हो गई थी। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिकारियों के अनुसार, प्रतिमा को बिना किसी नुकसान के उसके चबूतरे से अलग किया गया और एक 'हाइड्रोलिक क्रेन' की मदद से ट्रक पर रखा गया। यह प्रतिमा फिलहाल पीडब्ल्यूडी की निगरानी में रहेगी। इसे दोबारा कहां स्थापित किया जाएगा, इस बारे में अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। हालांकि, ऐसी अफवाह है कि राज्य सरकार के अंतिम फैसले के बाद इसे रवींद्र सरोवर या इको पार्क में लगाया जा सकता है।

उल्लेखनीय है कि प्रतिमा को लेकर चिंताएं कुछ दिन पहले तब शुरू हुईं, जब स्थानीय लोगों ने लेक टाउन थाने को सूचित किया कि तूफान के दौरान यह प्रतिमा हिल रही थी। पुलिस और पीडब्ल्यूडी कर्मियों द्वारा किए गए निरीक्षण के बाद ठेकेदार ने प्रतिमा के बुनियादी जोड़ में खराबी की बात कही और अधिकारियों को चेतावनी

दी कि यह ढांचा खतरनाक स्थिति में है और इसके गिरने का खतरा है।

खाद्य भवन में चौथी मंजिल से गिरे संयुक्त सचिव, हालत गंभीर

कोलकाता, समाज्ञा : खाद्य भवन में सोमवार की सुबह एक गंभीर हादसा हो गया। कृषि विपणन विभाग के संयुक्त सचिव इंद्रजीत भट्टाचार्य सीढ़ियों से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में उनके सिर, आंख और चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं। उन्हें तत्काल एसएसकेएम अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। घटना के बाद पूरे खाद्य भवन में हड़कंप मच गया। सूत्रों के अनुसार, यह घटना सुबह करीब 10 बजे हुई। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, इंद्रजीत भट्टाचार्य चौथी मंजिल पर स्थित सीढ़ियों के गैप से नीचे गिर गए। उस समय कार्यालय में कर्मचारी अपने-अपने कार्यस्थलों पर पहुंच रहे थे। अचानक किसी भारी वस्तु के गिरने जैसी तेज आवाज सुनाई दी, जिसके बाद कर्मचारी मौके की ओर दौड़े। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ग्राउंड फ्लोर पर सीढ़ियों के बीच बने खाली हिस्से में रखे फर्नीचर पर एक व्यक्ति गिरा पड़ा था। पास जाकर देखने पर पता चला कि वह विभाग के वरिष्ठ अधिकारी इंद्रजीत भट्टाचार्य हैं। उनके शरीर से काफी खून बह रहा था और वह गंभीर रूप से घायल थे। यह दृश्य देखकर कर्मचारियों में अफरा-तफरी मच गई। घायल अधिकारी को तुरंत एसएसकेएम अस्पताल ले जाया गया। खाद्य विभाग के सूत्रों के मुताबिक, उनका इलाज ट्रॉमा केयर सेंटर में किया जा रहा है। डॉक्टरों का कहना है कि चोटें बेहद गंभीर हैं और फिलहाल उन्हें खतरे से बाहर नहीं कहा जा सकता। विशेषज्ञ डॉक्टरों की एक टीम लगातार उनकी निगरानी कर रही है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि इंद्रजीत भट्टाचार्य इतनी ऊंचाई से कैसे गिरे। फिलहाल, इस संबंध में कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। यह दुर्घटना थी या इसके पीछे कोई अन्य कारण है, इसकी जांच की जा रही है।

जेईई एडवांस्ड 2026 में रूबी पार्क पब्लिक स्कूल का शानदार प्रदर्शन

सम्प्रित दत्ता

अर्श जोशी

आरुष

कबीर अहमद

कोलकाता, समाज्ञा : रूबी पार्क पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने जेईई एडवांस्ड 2026 में उल्लेखनीय सफलता हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन ने एक बार फिर विद्यालय की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, समर्पित शिक्षण व्यवस्था और शैक्षणिक उत्कृष्टता की परंपरा को प्रमाणित किया है। विद्यालय के छात्र सम्प्रित दत्ता ने अखिल भारतीय रैंक (एआईआर) 2473 प्राप्त कर अपनी प्रतिभा और दृढ़ संकल्प का परिचय दिया। उल्लेखनीय है कि वे आईआईटी भुवनेश्वर ज़ोन के शीर्ष 500 रैंकधारियों में शामिल हुए हैं।

वहीं, अर्श जोशी ने अनुसूचित जाति (एससी) श्रेणी में एआईआर 91 प्राप्त कर आईआईटी भुवनेश्वर ज़ोन के एससी/एसटी वर्ग में शीर्ष स्थान हासिल किया।

इसके अलावा, आरुष ने एआईआर 4911 हासिल कर राष्ट्रीय स्तर पर सफल अभ्यर्थियों के शीर्ष 9 प्रतिशत में स्थान बनाया।

वहीं, कबीर अहमद ने एआईआर 25613 प्राप्त कर जेईई एडवांस्ड 2026 में सफलता अर्जित की। इससे पूर्व जेईई मेन्स 2026 में भी विद्यालय के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया था। कुल 12 विद्यार्थियों ने 92 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए थे। इनमें सम्प्रित दत्ता ने 99.93 प्रतिशत तथा आरुष ने 99.48 प्रतिशत अंक हासिल कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया था। रूबी पार्क पब्लिक स्कूल ने सभी सफल विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक मिलिंद के. देउसकर ने संभाला मेट्रो रेलवे के महाप्रबंधक का अतिरिक्त प्रभार

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक मिलिंद के. देउसकर ने सोमवार को मेट्रो रेलवे के महाप्रबंधक का अतिरिक्त प्रभार ग्रहण कर लिया। रेल मंत्रालय द्वारा उन्हें यह अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी गई है। कार्यभार संभालने के बाद अपने पहले ही कार्यदिवस पर श्री देउसकर ने मेट्रो रेल भवन में मेट्रो रेलवे तथा रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) के प्रधान अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। बैठक में विभिन्न निर्माणाधीन परियोजनाओं, परिचालन व्यवस्था तथा विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। सूत्रों के अनुसार बैठक के दौरान यात्री सुविधाओं के विस्तार, परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन तथा परिचालन दक्षता को और बेहतर बनाने पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों ने विभिन्न परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति और भविष्य की कार्ययोजना से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। उल्लेखनीय है कि श्री देउसकर इससे पहले भी सितंबर 2025 में लगभग तीन सप्ताह तक मेट्रो रेलवे के महाप्रबंधक का अतिरिक्त प्रभार संभाल चुके हैं। ऐसे में मेट्रो रेलवे के कार्यों और परियोजनाओं से वे भली-भांति परिचित हैं। कार्यभार ग्रहण करने के साथ ही मेट्रो रेलवे के प्रशासनिक एवं विकासात्मक कार्यों की निगरानी अब उनके नेतृत्व में आगे बढ़ेगी।

श्री श्याम मन्दिर आलमबाजार में नवनिर्वाचित विधायकों का अभिनन्दन

कोलकाता, समाज्ञा : जन-जन में आस्था और विश्वास का प्रतीक श्री श्याम मन्दिर, आलमबाजार में भजन-संध्या एवं नवनिर्वाचित विधायकों के सम्मान-अभिनन्दन समारोह का आयोजन गत रविवार को किया गया। इस अवसर पर विधायक उमेश राय (उत्तर हावड़ा), विजय ओझा (जोड़ासांको) तथा सजल घोष (बारानगर) ने दरबार में पहुंचकर बाबा की पूजा-अर्चना की तथा श्याम प्रभु का आशीर्वाद प्राप्त किया। उपस्थित विधायकों का मंदिर परिवार की ओर से राजस्थान की शान पगड़ी एवं प्रतीक-चिह्न प्रदान कर तालियों की गड़गड़ाहट के बीच अभिनन्दन किया गया। इस अवसर पर उमेश राय की धर्मपत्नी एवं पार्षद गीता राय का भी सम्मान किया गया। प्रसिद्ध भजन गायक राहुल राज-

लीवाल एवं अनुराग दधीचि ने भजनों की गंगा प्रवाहित कर भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल, सुनील खेतान, गोपाल जालान, पप्पू चौधरी, बिमल बेंगानी, हेमंत साव, संजय केसरी, मनोहर केजरीवाल, बालमुकुन्द अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल (डनलप), सुरेश अग्रवाल (बागुईहाटी), सुशील साह, सुरेन्द्र शर्मा, अशोक अग्रवाल, सुभाष सराफ, संतोष अग्रवाल, रिंकी पाण्डे, सीमा शर्मा, जितेन्द्र राय, श्याम अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, आत्माराम गाडिया, झंवरजी, प्रवीण केजरीवाल, अजय-विकास भावसिंहका, सुखेन चक्रवर्ती, विकास सोंथलिया, रामलाल बागला, शंकर भावसिंहका, दिलीप अग्रवाल, कैलाश केजरीवाल, माया केजरीवाल, नीतू शर्मा, राजेश साव, उमेश दास एवं विनोद अग्रवाल उपस्थित थे। उक्त जानकारी मंदिर के ट्रस्टी एवं सचिव गोविन्द मुरारी अग्रवाल ने दी।

मुर्शिदाबाद से 17 बांग्लादेशी घुसपैठियों को किया गया 'डिपोर्ट'

मुर्शिदाबाद/कोलकाता

राज्य में नई भाजपा सरकार बनने के बाद से घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई तेज है। इसी क्रम में, मुर्शिदाबाद जिले के लालगोला स्थित होल्डिंग सेंटर (हिरासत केंद्र) में रखे गए 17 बांग्लादेशी घुसपैठियों को शनिवार की रात डिपोर्ट कर बांग्लादेश भेज दिया गया। सूत्रों ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। सेंटर प्रशासन ने इन घुसपैठियों को रोशनबाग बीएसएफ कैंप के हवाले किया, जिसके बाद उन्हें सीमा पार भेजने की प्रक्रिया पूरी की गई। हालांकि, किस सीमा मार्ग से और किस तरीके से घुसपैठियों को वापस भेजा गया, इस बारे में बीएसएफ ने कोई जानकारी नहीं दी है। लालगोला में होल्डिंग सेंटर शुरू होने के बाद यह पहला मौका है जब वहां से किसी समूह को डिपोर्ट किया गया है। आधिकारिक सूत्र ने बताया कि डिपोर्ट किए गए सभी लोग वयस्क पुरुष हैं।

फिलहाल, इस सेंटर में नौ अन्य बांग्लादेशी कैदी मौजूद हैं। पद्मा भवन में संचालित इस होल्डिंग सेंटर में कुल 26 लोगों को रखने की व्यवस्था है। इधर, जिले में लगातार हो रही गिरफ्तारियों के कारण प्रशासन ने पद्मा भवन के अलावा अन्य स्थानों पर भी नए होल्डिंग सेंटर बनाने की तैयारी शुरू कर दी है।

हावड़ा के घासबागान में विधायक उमेश राय के मंत्री बनने पर सम्मान किया गया। इस मौके पर वेद प्रकाश तिवारी, समाज्ञा हिन्दी दैनिक के संपादक अनिल राय, अशोक पांडे, छोटू उपाध्याय, अमृतराज उपाध्याय, तरूण मिश्रा, विकाश त्रिपाठी, अविनाश प्रताप सिंह, चंचल सिंह, गुड्डु पांडे (अभिषेक), सुनील गुप्ता, पंकज पाठक (दीपू) समेत अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

सरकारी स्कूलों में गूंजा 'वंदे मातरम', गर्मी की छुट्टियों के बाद शुरू हुई पढ़ाई

हुगली : गर्मी की छुट्टियां समाप्त होने के बाद सोमवार से सरकारी स्कूलों में फिर से पढ़ाई शुरू हो गई। राज्य सरकार के निर्देशानुसार सोमवार से स्कूलों की प्रार्थना सभाओं में 'वंदे मातरम' का गायन भी शुरू कर दिया गया। पहले की तरह 'जन गण मन' और राज्य गीत का गायन जारी रहेगा, लेकिन अब इसके साथ 'वंदे मातरम' को भी शामिल किया गया है। इसी क्रम में हुगली जिले के विभिन्न सरकारी स्कूलों में सुबह की प्रार्थना सभा के दौरान विद्यार्थियों और शिक्षकों ने सामूहिक रूप से 'वंदे मातरम' का गायन किया। स्कूलों में इस नई पहल को लेकर उत्साह का माहौल देखा गया। शिक्षकों ने बताया कि छात्रों को गीत से परिचित कराने के लिए पहले ही इसके बोल व्हाट्सऐप समूहों के माध्यम से भेज दिए गए थे, ताकि वे घर पर इसका अभ्यास कर सकें। उन्होंने कहा कि गीत में कई श्लोक होने के कारण आने वाले दिनों में कक्षाओं में भी विद्यार्थियों को इसे व्यवस्थित रूप से सिखाया जाएगा। छात्रों ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि पहली बार सामूहिक रूप से 'वंदे मातरम' गाने का अनुभव काफी अच्छा रहा। हालांकि, शुरुआत में कुछ कठिनाई हुई, लेकिन नियमित अभ्यास के साथ वे इसे पूरी तरह सीख लेंगे। शिक्षकों और विद्यार्थियों का मानना है कि 'वंदे मातरम' केवल एक गीत नहीं, बल्कि देशभक्ति, राष्ट्रीय गौरव और स्वतंत्रता संग्राम के बलिदानों की याद दिलाने वाला प्रेरणास्रोत है। इसके गायन से विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम की भावना मजबूत होगी और वे उन स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और संघर्ष को बेहतर ढंग से समझ सकेंगे, जिन्होंने देश को आजादी दिलाने के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया।

फोर्ब्स 30 अंडर 30 एशिया 2026 में शामिल हुए हेरिटेज के पूर्व छात्र सौविक घोष

कोलकाता, समाज्ञा : हेरिटेज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के पूर्व छात्र सौविक घोष को प्रतिष्ठित फोर्ब्स 30 अंडर 30 एशिया 2026 की सूची में सोशल इम्पैक्ट श्रेणी में स्थान मिलने पर संस्थान द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आयोजित समारोह में हेरिटेज ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के सीईओ प्रदीप अग्रवाल तथा प्रोफेसर बासब चौधरी ने उन्हें बधाई देते हुए उनकी उपलब्धि को संस्थान के लिए गर्व का विषय बताया।

एप्लाइड इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंस्ट्रूमेंटेशन इंजीनियरिंग विभाग के पूर्व छात्र सौविक घोष की सामाजिक सरोकारों से जुड़ी यात्रा हेरिटेज में अध्ययन के दौरान ही शुरू हुई थी। वे संस्थान के रोटरैक्ट क्लब के सक्रिय सदस्य रहे और विभिन्न सामुदायिक विकास एवं सामाजिक सेवा कार्यक्रमों में भाग लेते रहे। छात्र जीवन में ही उन्होंने महिलाओं की सुरक्षा के लिए एक अभिनव मोबाइल एप्लिकेशन विकसित किया, जिसे विभिन्न सरकारी एवं नवाचार मंचों पर सराहना मिली।

स्नातक शिक्षा के बाद सौविक ने इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, हैदराबाद से उच्च शिक्षा प्राप्त की। वर्तमान में वे कॉग्निटी के सह-संस्थापक हैं। यह एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित मंच है, जो ऑटिज्म, एडीएचडी, डिस्लेक्सिया और अन्य सीखने संबंधी चुनौतियों वाले बच्चों के लिए विशेष शिक्षा को

अधिक प्रभावी और समावेशी बनाने का कार्य कर रहा है। इस स्टार्टअप की स्थापना उन्होंने फाल्गुनी श्रीवास्तव और झिलिका त्रिसाल के साथ मिलकर की है। हाल ही में कॉग्निटी ने वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित अनलॉक हर फ्यूचर प्राइज जीतकर 1 लाख अमेरिकी डॉलर का अनुदान भी प्राप्त किया। यह सम्मान 40 से अधिक देशों से प्राप्त 2,900 से ज्यादा आवेदनों में चयनित होने के बाद मिला।

इस अवसर पर सौविक घोष ने कहा कि उनकी सफलता की नींव हेरिटेज में ही पड़ी, जहां उन्होंने सीखा कि तकनीक का वास्तविक उद्देश्य समाज की समस्याओं का समाधान करना है। उन्होंने विद्यार्थियों से नवाचार को सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बनाने का आह्वान किया।

पूर्व रेलवे ने यात्री सुविधा और सुरक्षा बढ़ाने के लिए अप्रैल में किए व्यापक तकनीकी उन्नयन

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे ने अप्रैल 2026 के दौरान यात्री सुविधा, सूचना प्रणाली और रेल सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने के लिए अपने विभिन्न स्टेशनों और रेलखंडों में कई महत्वपूर्ण तकनीकी उन्नयन कार्य किए हैं। महाप्रबंधक मिलिंद देउस्कर के नेतृत्व में किए गए इन कार्यों का उद्देश्य यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक और बेहतर यात्रा अनुभव उपलब्ध कराना है। यात्रियों को ट्रेनों और कोचों की सटीक जानकारी देने के लिए हावड़ा मंडल के सैंथिया स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 1 एवं 2 तथा आजीमगंज स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 6 पर कुल 58 नए कोच गाइडेंस डिस्प्ले बोर्ड लगाए गए हैं। सियालदह स्टेशन पर यात्रियों को रियल-टाइम ट्रेन सूचना उपलब्ध कराने के लिए एक अत्याधुनिक आउटडोर वीडियो वॉल स्थापित की गई है। वहीं, कैनिंग स्टेशन पर

सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली को और मजबूत बनाया गया है, ताकि महत्वपूर्ण घोषणाएं स्पष्ट रूप से यात्रियों तक पहुंच सकें। इसके अलावा, कैनिंग और मध्यग्राम स्टेशनों पर 10 नए जीपीएस आधारित प्लेटफॉर्म घड़ियां लगाई गई हैं। मसाग्राम और गुराप सहित हावड़ा मंडल तथा बनगांव, बारासात, काकद्वीप और लक्ष्मीकांतपुर सहित सियालदह मंडल के विभिन्न स्थानों पर 12 इंटरलॉक्ड लेवल क्रॉसिंग गेटों पर वॉयस रिकॉर्डिंग सुविधा युक्त आधुनिक गेट टेलीफोन स्थापित किए गए हैं। इससे गेटमैन और स्टेशन मास्टर के बीच संचार व्यवस्था अधिक सुरक्षित और प्रभावी बनेगी।

सियालदह स्टेशन पर ऑटोमैटिक टिकट वेंडिंग मशीनों की कनेक्टिविटी को बेहतर बनाया गया है। वहीं, आसनसोल और दुर्गापुर गुड्स शेड में माल सुरक्षा के लिए आठ नए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। सोदपुर स्थित ऑप्टिकल फाइबर हट में पुरानी बैटरी प्रणालियों को बदलकर नई और अधिक विश्वसनीय बैटरियां स्थापित की गई हैं। मालदह मंडल के बासुदेवपुर में नव-निर्मित इंटरमीडिएट ब्लॉक हट (आईबीएच) में डेटा लॉगर सहित आधुनिक दूरसंचार एवं सुरक्षा उपकरण सफलतापूर्वक चालू किए गए हैं।

पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिबराम माझी ने कहा कि रेलवे स्टेशन केवल यातायात का माध्यम नहीं, बल्कि लोगों की भावनाओं, मिलन और नई शुरुआतों का केंद्र हैं। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा पूर्व रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा रेलवे इसके लिए चौबीसों घंटे कार्य कर रहा है।

आरजी कर भ्रष्टाचार मामले में नया मोड़, 'व्हिसलब्लोअर' अख्तर अली और कारोबारी शशिकांत चंदक के खिलाफ आरोप तय

❑ 12 जून से शुरू होगी सुनवाई

कोलकाता : आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल से जुड़े चर्चित भ्रष्टाचार मामले में सोमवार को महत्वपूर्ण कानूनी घटनाक्रम सामने आया। अलीपुर स्थित सीबीआई की विशेष अदालत ने मामले में पूर्व डिप्टी सुपरिंटेंडेंट अख्तर अली और उनके करीबी कारोबारी शशिकांत चंदक के खिलाफ औपचारिक रूप से आरोप तय कर दिए हैं। अदालत के इस फैसले के साथ ही मामले के दूसरे चरण की न्यायिक प्रक्रिया का रास्ता साफ हो गया है। अदालत ने निर्देश दिया है कि 12 जून से इस मामले की नियमित सुनवाई और साक्ष्य ग्रहण की प्रक्रिया शुरू होगी।

गौरतलब है कि आरजी कर भ्रष्टाचार मामले में इससे पहले पूर्व प्राचार्य संदीप घोष समेत पांच आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए जा चुके हैं और उनके विरुद्ध मुकदमे की कार्यवाही पहले से जारी है। इसी बीच मामले में एक नया मोड़ तब आया जब भ्रष्टाचार के आरोपों को सार्वजनिक रूप से उठाने वाले और खुद को मामले का 'व्हिसलब्लोअर' बताने वाले पूर्व डिप्टी सुपरिंटेंडेंट अख्तर अली को भी केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने गिरफ्तार कर लिया था।

सीबीआई ने जांच के दौरान अख्तर अली के साथ-साथ कारोबारी शशिकांत चंदक को भी गिरफ्तार किया था। जांच एजेंसी का दावा है कि दोनों के बीच घनिष्ठ व्यावसायिक संबंध थे और मामले में आर्थिक अनियमितताओं से जुड़े कई महत्वपूर्ण तथ्यों की जांच की जा रही है। गिरफ्तारी के बाद दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया गया और लंबे समय तक कानूनी बहस एवं सुनवाई चली।

सोमवार को अलीपुर सीबीआई विशेष अदालत में मामले की दूसरी चरण की सुनवाई के दौरान न्यायालय ने अख्तर अली और शशिकांत चंदक के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया। अदालत के इस निर्णय के बाद अब मुकदमे की विधिवत सुनवाई शुरू होगी और अभियोजन पक्ष अपने साक्ष्य प्रस्तुत करेगा।

अदालती सूत्रों के अनुसार, 12 जून को सुनवाई शुरू होने के साथ ही कई गवाहों के बयान दर्ज किए जाएंगे। इसके अलावा, जिन गवाहों ने पहले इस मामले में बयान दिए थे, उन्हें भी आवश्यकता पड़ने पर दोबारा अदालत में बुलाया जा सकता है। जांच और मुकदमे की प्रगति को देखते हुए गवाहों की सूची चरणबद्ध तरीके से तैयार की जा रही है।

आरजी कर भ्रष्टाचार मामला लंबे समय से राज्य की राजनीति और प्रशासनिक हलकों में चर्चा का विषय बना हुआ है। मामले में कई उच्च पदस्थ अधिकारियों और प्रभावशाली व्यक्तियों के नाम सामने आने के बाद इसकी जांच पर लगातार नजर बनी हुई है। अब अख्तर अली और शशिकांत चंदक के खिलाफ आरोप तय होने से मुकदमे का दायरा और व्यापक हो गया है।

कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि आगामी सुनवाई के दौरान गवाहों के बयान और दस्तावेजी साक्ष्य इस मामले की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। फिलहाल सभी की नजरें 12 जून को शुरू होने वाली न्यायिक कार्यवाही पर टिकी हैं, जहां मामले के कई अहम पहलुओं पर और अधिक स्पष्टता सामने आने की संभावना है।

आरजी कर लिफ्ट हादसा: 72 दिन बाद दाखिल हुई चार्जशीट

❑ पांच आरोपियों के नाम शामिल, लापरवाही के गंभीर आरोप

कोलकाता : आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में हुए चर्चित लिफ्ट हादसे के 72 दिन बाद कोलकाता पुलिस के मुख्यालय लालबाजार ने अदालत में चार्जशीट दाखिल कर दी है। सूत्रों के अनुसार, लगभग 200 पृष्ठों की इस विस्तृत चार्जशीट में पांच आरोपियों के नाम शामिल हैं और हादसे की पूरी घटनाक्रम का विस्तार से उल्लेख किया गया है। जांच एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट में लिफ्ट संचालन से जुड़े कर्मचारियों की कथित लापरवाही और जिम्मेदारीहीन रवैये को हादसे का प्रमुख कारण बताया है। यह दर्दनाक घटना इसी वर्ष मार्च महीने में हुई थी। दुमदुम निवासी अरूप बंद्योपाध्याय अपने बीमार पुत्र के उपचार के लिए आरजी कर अस्पताल पहुंचे थे। अस्पताल में मौजूद रहने के दौरान उनका पुत्र शौचालय जाने के लिए निकला। इसी उद्देश्य से अरूप बंद्योपाध्याय अपनी पत्नी और पुत्र के साथ लिफ्ट में सवार हुए। आरोप है कि तकनीकी खराबी के कारण लिफ्ट अचानक बीच में फंस गई और परिवार काफी समय तक उसके भीतर ही बंद रहा। जांच से जुड़े सूत्रों के अनुसार, लिफ्ट में फंसे रहने के दौरान स्थिति लगातार बिगड़ती गई। इसी बीच अरूप बंद्योपाध्याय की पत्नी और पुत्र लिफ्ट शाफ्ट में गिर गए। वहीं अरूप बंद्योपाध्याय लिफ्ट के दरवाजे और दीवार के बीच फंस गए, जिससे गंभीर चोट लगने के कारण उनकी मौत हो गई। इस घटना ने पूरे राज्य में व्यापक प्रतिक्रिया पैदा की थी और अस्पताल प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हुए थे।

घटना के बाद मृतक के परिजनों ने अस्पताल प्रशासन और संबंधित कर्मचारियों पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया था। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया। जांच आगे बढ़ने के साथ कई चौंकाने वाली जानकारियां भी सामने आईं। आरोप लगा कि हादसे के समय लिफ्ट संचालन और निगरानी की जिम्मेदारी संभाल रहे कुछ कर्मचारी अपने कर्तव्यों के प्रति गंभीर रूप से लापरवाह थे।

सूत्रों के मुताबिक, चार्जशीट में यह भी उल्लेख किया गया है कि दुर्घटना के समय ड्यूटी पर मौजूद कुछ कर्मियों ने समय पर आवश्यक कदम नहीं उठाए। जांच के दौरान यह दावा भी सामने आया कि आपात स्थिति से निपटने के लिए जिम्मेदार कर्मचारियों ने उचित प्रतिक्रिया नहीं दी, जिससे हालात और गंभीर हो गए।

लालबाजार द्वारा दाखिल 200 पृष्ठों की चार्जशीट में हादसे के हर पहलू का तकनीकी और तथ्यात्मक विश्लेषण किया गया है। इसमें यह विस्तार से बताया गया है कि किस प्रकार अरूप बंद्योपाध्याय लिफ्ट के दरवाजे और दीवार के बीच फंस गए तथा घटनास्थल पर मौजूद कर्मचारियों की कथित लापरवाही ने स्थिति को और भयावह बना दिया।

पुलिस की अनुमति नहीं मिलने के बावजूद तृणमूल कांग्रेस धरना देगी : ममता

पूर्व मुख्यमंत्री का आरोप, विधायकों को डराकर तोड़ने की हो रही कोशिश

कोलकाता, समाज्ञा : तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं पर कथित हमलों तथा रेहड़ी-पटरी वालों को हटाने संबंधी रेलवे के अभियान के खिलाफ प्रस्तावित धरने को पुलिस की अनुमति नहीं मिलने के बावजूद उनकी पार्टी इस पर आगे बढ़ेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि आम लोग और छोटे व्यापारी भय में जी रहे हैं, जबकि रेहड़ी-पटरी वालों को उपयुक्त पुनर्वास योजना के बिना हटाया जा रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि सत्तारूढ़ भाजपा उनकी पार्टी (तृणमूल कांग्रेस) के विधायकों को अपने पाले में करने के लिए 'धन-बल' का इस्तेमाल कर रही है। हालांकि, पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि निजी स्वार्थ के लिए नेताओं के तृणमूल छोड़ने से संगठन का पुनर्निर्माण करने में मदद मिलेगी और पार्टी इस संकट से और मजबूत होकर उभरेगी। उन्होंने कहा कि लोग भयभीत क्यों हैं? लोग चिंतित क्यों हैं? पूरा माहौल बदल गया है। कोलकाता और बंगाल को अशिक्षित लोगों को सौंप दिया गया है। ममता ने दावा किया कि विधानसभा चुनाव के बाद से तृणमूल के 12 कार्यकर्ता मारे गए हैं और हजारों पार्टी कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया है, जबकि कई अन्य को अपना घर-बार छोड़ने के लिए मजबूर किया गया है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक विरोध प्रदर्शन में व्यवधान डाला जा रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री ने इस बात की ओर इशारा किया कि पुलिस ने रेहड़ी-पटरी वालों को हटाने और पार्टी कार्यकर्ताओं पर हमले तथा राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) में कथित अनियमितताओं जैसे मुद्दों के खिलाफ रानी रासमणि रोड पर उनकी पार्टी को धरने की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। ममता ने कहा कि आधिकारिक अनुमति नहीं मिलने के बावजूद प्रदर्शन होगा। उन्होंने कहा कि अगर हमें वहां धरना देने की इजाजत नहीं दी गई तो जहां भी रोका जाएगा, मैं वहीं धरना दूंगी। मैं गिरफ्तार होने के लिए तैयार हूं। ममता ने दावा किया कि उन्हें एक संदेश भेजा गया है, जिसमें कहा गया है कि अगर उनके भतीजे और तृणमूल के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी को तृणमूल संगठन के नेतृत्व से हटा दिया गया तो कुछ नेता पार्टी में लौट आएंगे। उन्होंने कहा कि मैं इन लोगों को अच्छी तरह से जानती हूं। जिनकी कोई विचारधारा या सिद्धांत नहीं है, वे हमारे लिए शर्तें तय नहीं कर सकते। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने आरोप लगाया कि भाजपा अभिषेक बनर्जी को उनके बढ़ते राजनीतिक कद के कारण निशाना बना रही है और दावा किया कि हाल में उन पर हमला होने के बाद उन्हें उपयुक्त उपचार से वंचित कर दिया गया। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि अभिषेक को भर्ती नहीं करने के लिए अस्पतालों पर दबाव डाला गया और उन्होंने इसे 'राजनीतिक प्रतिशोध' का उदाहरण करार दिया। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने भाजपा सरकार पर विपक्षी नेताओं की सुरक्षा वापस लेने और निर्वाचित जन प्रतिनिधियों को डराने के लिए पुलिस का इस्तेमाल करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस का इस्तेमाल विधायकों को धमकाने और स्थानीय प्रतिनिधियों को इस्तीफा देने के लिए मजबूर करने के लिए किया जा रहा है। यह लोकतंत्र नहीं है। ममता ने भाजपा पर विपक्षी दल के समर्थकों को डराने के लिए मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और प्रशासनिक उपायों का सहारा लेने का भी आरोप लगाया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि लोकतांत्रिक संस्थानों का दुरुपयोग किया जा रहा है।

राज्य में मताधिकार से वंचित लोगों के विस्तृत ब्यौरे की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर

नयी दिल्ली/कोलकाता : राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के कारण मताधिकार से वंचित हुए मतदाताओं का विधानसभा क्षेत्रवार विस्तृत ब्योरा सार्वजनिक करने की मांग को लेकर उच्चतम न्यायालय में एक जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की गई है। यह याचिका प्रदेश कांग्रेस कमेटी की एसआईआर समिति के अध्यक्ष प्रसेनजीत बोस ने दायर की है। उन्होंने निर्वाचन आयोग, राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी और राज्य सरकार को मतदाता सूची के पुनरीक्षण से संबंधित विस्तृत आंकड़े सार्वजनिक करने का निर्देश देने की मांग की है। कांग्रेस नेता बोस ने अधिवक्ता नेहा राठी के माध्यम से यह याचिका दायर की है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि विधानसभा चुनावों से ठीक पहले राज्य में कराए गए एसआईआर का चुनाव परिणामों पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा, जिसमें भाजपा ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की। याचिका में कहा गया है कि विधानसभा चुनाव परिणामों के विधानसभा क्षेत्रवार विश्लेषण से पता चलता है कि वर्ष 2026 में भाजपा द्वारा जीती गई 207 सीटों में से 82 विधानसभा क्षेत्रों में एसआईआर के दौरान किए गए परिवर्तनों (जिनमें नामों को हटाना और जोड़ना शामिल है) की संख्या जीत के अंतिम अंतर से अधिक थी। इसमें उल्लेख किया गया है कि इन 82 निर्वाचन क्षेत्रों में से 70 निर्वाचन क्षेत्र मुस्लिम बहुल 12 जिलों में स्थित हैं। इसमें कहा गया है कि उपलब्ध आंकड़े संकेत देते हैं कि एसआईआर से जुड़े परिवर्तनों का इन 82 विधानसभा क्षेत्रों के चुनाव परिणामों पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है। याचिका में निर्वाचन आयोग, मुख्य निर्वाचन अधिकारी और राज्य सरकार को पक्षकार बनाया गया है तथा उन्हें यह खुलासा करने का निर्देश देने की मांग की गई है कि एसआईआर के दौरान और उसके बाद के चरणों में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में फॉर्म-6 और फॉर्म-7 के कितने आवेदन प्राप्त हुए, स्वीकार किए गए या खारिज किए गए तथा अपीलीय न्यायाधिकरणों के समक्ष कितने मामले लंबित हैं।

मुख्यमंत्री की प्रेस कॉन्फ्रेंस के 15 मिनट बाद तृणमूल कांग्रेस का बड़ा एक्शन

'पार्टी विरोधी' गतिविधियों को लेकर दो विधायकों को किया गया निष्कासित

कोलकाता, समाज्ञा : तृणमूल कांग्रेस ने कथित पार्टी विरोधी गतिविधियों को लेकर अपने दो विधायकों संदीपन साहा और रीताब्रत बनर्जी, को सोमवार को निष्कासित कर दिया। इस निष्कासन आदेश से कुछ ही मिनट पहले मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने राज्य सचिवालय में संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा था कि दो विधायकों ने राज्य विधानसभा में 'फर्जी हस्ताक्षर' के संबंध में शिकायतें दर्ज कराई है। यह मामला तृणमूल कांग्रेस द्वारा शोभनदेब चट्टोपाध्याय को नेता प्रतिपक्ष के रूप में समर्थन दिए जाने के पत्र से जुड़ा है। दोनों विधायकों को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस के संज्ञान में सक्षम प्राधिकारी के माध्यम से यह बात लाई गई है कि तृणमूल द्वारा नामित उम्मीदवार के रूप में निर्वाचित होने के बावजूद आप पार्टी के अधिकृत नेतृत्व द्वारा बुलाई गई बैठकों में शामिल होने में बार-बार विफल रहे हैं और आपने खुद को पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल किया है। पार्टी उपाध्यक्ष चंद्रिमा भट्टाचार्य द्वारा हस्ताक्षरित पत्र में कहा गया है कि यह भी पाया गया है कि आप ऐसी गतिविधियों में शामिल रहे हैं और आपने ऐसे बयान दिए हैं, जो तृणमूल कांग्रेस के हितों के प्रतिकूल हैं। पत्र में कहा गया है कि मामले पर समुचित विचार-विमर्श के बाद तृणमूल कांग्रेस के सक्षम प्राधिकारी ने आपको पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से तत्काल प्रभाव से निष्कासित करने का फैसला किया है। नोटिस में कहा गया है कि परिणामस्वरूप, इस नोटिस के जारी होने की तिथि से आप पार्टी से संबंधित किसी भी पद, जिम्मेदारी या विशेषाधिकार से मुक्त हो जाएंगे।

बागियों के बिना भी हम मजबूत : ममता

तृणमूल कांग्रेस के भीतर जारी असंतोष के बीच पार्टी सुप्रीमो एवं पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बागी नेताओं पर तीखा हमला बोलते हुए कड़ा संदेश दिया है। पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में सोमवार को दो तृणमूल विधायकों-संदीपन साहा और ऋतब्रत बनर्जी को निष्कासित किए जाने के कुछ घंटे बाद ममता ने कहा कि ऐसे नेताओं के चले जाने से पार्टी को कोई नुकसान नहीं होगा, बल्कि टीएमसी उनके बिना और मजबूत होगी। फेसबुक लाइव के जरिए अपने संदेश में ममता ने कहा कि कुछ लोग परिस्थितियों का फायदा उठाने की कोशिश करते हैं। जिन्हें पार्टी की संपत्ति समझा जाता था, वे अब चले गए हैं और हम उनके बिना बेहतर स्थिति में हैं। हम पार्टी का नए सिरे से पुनर्निर्माण करेंगे। टीएमसी नेताओं की नहीं, बल्कि कार्यकर्ताओं की पार्टी है। जब तक कार्यकर्ता हमारे साथ हैं, हमें किसी बात की चिंता नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता जाने के बाद कुछ नेताओं ने तुरंत दूसरी पार्टी से समझौता कर लिया। ममता ने कहा कि कुछ विधायकों और सांसदों को डराकर या लालच देकर टीएमसी को कमजोर नहीं किया जा सकता।

अभिषेक बनर्जी पर हमले का मामला : 11 आरोपितों की पहचान, 6 को मिली जमानत

लोकसभा अध्यक्ष से शिकायत करेंगे तृणमूल सांसद, अदालत जाने की भी तैंयारी

कोलकाता, समाज्ञा : तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले के मामले में पुलिस ने 11 आरोपितों की पहचान कर ली है। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। वहीं, टीएमसी ने आरोप लगाया है कि इनमें से अधिकांश का भाजपा से संबंध है और वे किसी न किसी रूप में पार्टी के पदाधिकारी या सक्रिय सदस्य हैं। उल्लेखनीय है कि गत शनिवार को दक्षिण 24 परगना के सोनारपुर में एक मृत तृणमूल कार्यकर्ता के घर जाते समय अभिषेक बनर्जी को भारी विरोध का सामना करना पड़ा था। उनके ऊपर अंडे, जूते, ईंट और पत्थर फेंके गए थे। इधर, घटना में गिरफ्तार छह आरोपितों को सोमवार को जमानत मिल गई। रविवार को आरोपितों को बारुईपुर महकमा अदालत में पेश किया गया था। पुलिस ने 14 दिन की हिरासत की मांग की थी, लेकिन अदालत ने एक दिन की जेल हिरासत का आदेश दिया था। दूसरी ओर, अभिषेक बनर्जी अपने ऊपर हुए हमले की जानकारी लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को देंगे। तृणमूल कांग्रेस के सूत्रों के मुताबिक, अभिषेक बनर्जी इस घटना को लेकर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से औपचारिक शिकायत करेंगे। उनका कहना है कि एक जनप्रतिनिधि पर हमला लोकतांत्रिक मूल्यों पर हमला है। टीएमसी इस मुद्दे को गंभीरता से उठाने की तैयारी में है और संसद के भीतर भी इसे प्रमुखता से रख सकती है। सूत्रों के मुताबिक, अभिषेक बनर्जी इस मुद्दे को लेकर सुप्रीम कोर्ट का भी दरवाजा खटखटा सकते हैं। उनका आरोप है कि यह हमला सुनियोजित था और इसके पीछे राजनीतिक कारण हैं। पार्टी इस पूरे घटनाक्रम को लेकर कानूनी और राजनीतिक दोनों स्तरों पर लड़ाई लड़ने की बात कह रही है।

कभी मंत्री बनने की उम्मीद नहीं की थी : आरजी कर पीड़िता की मां

कोलकाता, समाज्ञा : आरजी कर दुष्कर्म और हत्या मामले की पीड़िता की मां रत्ना देबनाथ ने सोमवार को कहा कि मंत्रिपरिषद में उनका नाम शामिल न होने से उन्हें कोई परेशानी नहीं है। देबनाथ ने जोर देकर कहा कि वह विधायक के रूप में राज्य की जनता की सेवा करती रहेंगी। देबनाथ ने कहा कि राजनीति में उनका प्रवेश किसी पद या सत्ता के लिए नहीं बल्कि अपनी बेटी के लिए न्याय की मांग के लिए है। देबनाथ ने कहा कि मैंने कभी मंत्री बनने की उम्मीद नहीं की थी। राजनीति मेरे दिमाग में कभी नहीं थी। मुझे अपनी बेटी के लिए न्याय मिलने का पूरा भरोसा था। भले ही मैं विधायक न होती, मुझे पता था कि मुझे न्याय मिलेगा। पार्टी ने कभी इस बारे में मुझसे संपर्क नहीं किया। सत्ता हासिल करना या मंत्रिमंडल में जगह पाना कभी मेरी प्राथमिकता नहीं रही। मैं यहां जनता के कल्याण के लिए हूं।

हॉकरों से करोड़ों रुपये की कथित उगाही का आरोप,

इस्तीफा दे चुके पार्षद सुशांत घोष समेत आठ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

कोलकाता : महानगर में कथित उगाही और अवैध वसूली के एक बड़े मामले ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है। वार्ड संख्या 108 के पार्षद रहे सुशांत घोष के खिलाफ हॉकरों से करोड़ों रुपये वसूलने का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। शिकायत में उनके अलावा उनके सात अन्य सहयोगियों के नाम भी शामिल किए गए हैं। पूर्वी कोलकाता के आनंदपुर थाने में दर्ज इस मामले की जांच शुरू कर दी गई है। जानकारी के अनुसार, आनंदपुर क्षेत्र के एक बाजार से जुड़े लगभग 130 व्यवसायियों और हॉकरों ने सामूहिक रूप से यह शिकायत दर्ज कराई है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि पिछले कुछ वर्षों में पार्षद और उनके सहयोगियों ने बाजार के व्यवसायियों से विभिन्न मदों में भारी रकम वसूली और कुल मिलाकर लगभग तीन करोड़ रुपये की उगाही की गई। हॉकरों और व्यापारियों का आरोप है कि वर्ष 2022 से 2023 के दौरान बाजार में नए टिन शेड और शटरयुक्त दुकानों का निर्माण कराया गया था। उस समय कथित तौर पर यह तय किया गया कि किस व्यापारी को कितनी बड़ी दुकान मिलेगी। आरोप है कि इसके लिए एक अलग 'रेट चार्ट' तैयार किया गया और उसी के आधार पर व्यापारियों से रकम वसूली गई। शिकायत में यह भी कहा गया है कि बाजार में कई नई दुकानें बनाकर उन्हें बेचा गया। आरोप है कि प्रत्येक दुकान के लिए लगभग छह लाख रुपये तक की राशि ली गई। व्यवसायियों का दावा है कि दुकानों के आवंटन और बिक्री की प्रक्रिया में पारदर्शिता नहीं थी और उनसे निर्धारित कीमत से कहीं अधिक धन लिया गया। व्यापारियों के अनुसार, विभिन्न दुकानों और बाजार संबंधी सुविधाओं के नाम पर करोड़ों रुपये का लेनदेन हुआ। उनका आरोप है कि उनसे अतिरिक्त रकम वसूली गई, जिसका कोई आधिकारिक रिकॉर्ड या वैध आधार नहीं था। राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद अब उन्होंने खुलकर सामने आकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायतकर्ताओं ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और जिन व्यापारियों से कथित रूप से अतिरिक्त धन लिया गया है, उन्हें वह राशि वापस दिलाने की व्यवस्था की जाए। उनका कहना है कि वर्षों तक दबाव और प्रभाव के कारण वे खुलकर शिकायत नहीं कर पाए थे। सूत्रों के अनुसार, आरोपों का संबंध चार वर्ष पुराने घटनाक्रम से होने के कारण मामले को पुराने प्रावधानों के तहत उगाही और आर्थिक अनियमितता के आरोपों के आधार पर दर्ज किया गया है।

मंगलाहाट में सड़कों-फुटपाथों से अतिक्रमण हटाने उतरी पुलिस, लाठी भांजकर व्यापारियों को खदेड़ा, भारी तनाव

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा मैदान और मंगलाहाट इलाके में सोमवार की सुबह भारी प्रशासनिक बवाल देखने को मिला। सरकारी निर्देशानुसार सड़कों और फुटपाथों को अतिक्रमण मुक्त कराने उतरी हावड़ा सिटी पुलिस और केंद्रीय बलों को व्यापारियों के भारी विरोध का सामना करना पड़ा। स्थिति को काबू में करने और भीड़ को हटाने के लिए पुलिस को लाठियां उचकाकर सख्त रुख अपनाना पड़ा, जिसके बाद पूरे इलाके में तनाव फैल गया है और अब वहां सन्नाटा पसरा हुआ है।

नियम के मुताबिक, मंगलाहाट का यह बाजार हफ्ते में सिर्फ एक दिन यानी मंगलवार को ही लगना चाहिए। लेकिन पिछले कुछ सालों में राजनीतिक प्रभाव और सहूलियत के दम पर व्यापारियों का दबदबा इतना बढ़ गया कि यह हाट रविवार की देर रात से ही शुरू होकर मंगलवार की दोपहर तक खिंचने लगा था। हफ्ते में तीन दिन सड़क से लेकर फुटपाथ तक तिल धरने की जगह नहीं बचती थी। हावड़ा जिला अस्पताल, जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय, हावड़ा गर्ल्स कॉलेज के सामने चर्च रोड और बंकिम सेतु के नीचे तक अवैध कब्जा हो जाने के कारण पूरे शहर में भयंकर ट्रैफिक जाम लग जाता था, जिससे आम जनता लंबे समय से परेशान थी। राज्य में सत्ता परिवर्तन (प्रशासनिक बदलाव) के बाद से ही नई सरकार और प्रशासन ने इस अतिक्रमण को हटाने के लिए कमर कस ली थी। पिछले हफ्ते ही हावड़ा पुलिस ने बकायदा माइकिंग करके चेतावनी दी थी कि अगले हफ्ते से किसी भी हाल में सड़क या फुटपाथ पर दुकान लगाने नहीं दी जाएगी। रविवार को भी पुलिस ने दुकानदारों को बैठने से रोक दिया था। लेकिन, सोमवार की सुबह होते ही सैकड़ों की संख्या में व्यापारी फिर से बाज़ार लगाने की जिद पर अड़ गए और बिप्लबी हरेन घोष सरणी के पास जुटने लगे।

हालात बिगड़ने की आशंका को देखते हुए सोमवार की सुबह से ही हावड़ा मैदान इलाके में भारी पुलिस बल तैनात था। जैसे ही व्यापारियों ने जबरन रास्ता रोकने की कोशिश की, पुलिस ने मोर्चा संभाल लिया। पुलिस ने कड़ा रुख अपनाते हुए लाठियां तान दीं और नासमझ अड़े हुए व्यापारियों को खदेड़ना शुरू कर दिया। इसके जवाब में व्यापारियों ने भी पुलिस के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए विरोध प्रदर्शन और नारेबाजी शुरू कर दी। व्यापारियों का तर्क है कि उन्हें हफ्ते में कम से कम एक दिन वहां बैठने की अनुमति दी जाए, क्योंकि इससे उनकी रोजी-रोटी जुड़ी है। हावड़ा सिटी पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने साफ कर दिया है कि सरकारी आदेशों का कड़ाई से पालन किया जाएगा। किसी भी कीमत पर आम जनता के चलने वाले फुटपाथ और मुख्य सड़कों पर अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुलिस का कहना है कि हॉकरों को व्यापार के लिए पहले से ही एक निश्चित और तय जगह बताई गई है, वे वहीं जाकर अपनी दुकानें लगाएं। फिलहाल, किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पूरे हावड़ा मैदान और चर्च रोड चत्वर में भारी पुलिस और सुरक्षा बल गश्त कर रहे हैं।

स्वातंत्र्यवीर सावरकर जयंती समारोह में उमड़ा राष्ट्रभक्ति का जनसैलाब

कोलकाता, समाज्ञा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्वावधान में एवं आचार्य महाप्रज्ञ महाश्रमण एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन, न्यू टाउन के सहयोग से स्वातंत्र्यवीर विनायक दामोदर सावरकर जी की जयंती के उपलक्ष्य में एक भव्य एवं प्रेरणादायी समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लगभग 450 राष्ट्रभक्त नागरिकों एवं गणमान्य स्वजनों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत वंदे मातरम् गीत से हुआ। सामूहिक गीत की प्रभावशाली प्रस्तुति श्री राकेश सरिया जी द्वारा की गई, जिससे संपूर्ण सभागार देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत हो उठा। कार्यक्रम का भावपूर्ण एवं प्रभावी संचालन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के श्री विनय गुप्ता जी ने किया। उन्होंने कार्यक्रम के विभिन्न आयामों को अत्यंत सुसंगत, आकर्षक एवं प्राणदायक ढंग से प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर अंडमान की सेल्यूलर जेल में स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा झेली गई अमानवीय यातनाओं एवं उनके अद्वितीय बलिदान पर आधारित लगभग 15 मिनट की एक विशेष डॉक्यूमेंट्री फिल्म प्रदर्शित की गई। फिल्म के माध्यम से उपस्थित जनसमूह ने स्वतंत्रता संग्राम के उन अनकहे अध्यायों को भावविभोर होकर देखा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कोलकाता पूर्व भाग के कार्यवाह श्री इन्द्र जी नाहटा ने स्वातंत्र्यवीर सावरकर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सावरकर केवल एक क्रांतिकारी नहीं, बल्कि राष्ट्रचेतना, आत्मगौरव, संगठन और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रखर प्रवक्ता थे। उन्होंने अत्यंत भावनात्मक एवं प्रभावी शब्दों में युवाओं को राष्ट्रनिर्माण हेतु आगे आने का आह्वान किया।

समारोह की मुख्य वक्ता एवं प्रखर चिंतक डॉ. तारा दुगड़ ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में स्वातंत्र्यवीर सावरकर के संपूर्ण जीवन-प्रवास का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने सावरकर जी के त्याग, तपस्या, शौर्य, राष्ट्रनिष्ठा, सामाजिक समरसता एवं दूरदर्शी चिंतन को वर्तमान समय में अत्यंत प्रासंगिक बताते हुए कहा कि उनका जीवन आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्री कमल कुमार दुगड़ ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में स्वातंत्र्यवीर सावरकर को राष्ट्रभक्ति, आत्मसम्मान, अदम्य साहस एवं अखंड राष्ट्रवाद का प्रतीक बताते हुए कहा कि उनके विचार आज भी भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। उन्होंने उपस्थित जनसमूह से सावरकर जी के आदर्शों को जीवन में आत्मसात करने तथा राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने का आह्वान किया।

समारोह में उपस्थित सभी वक्ताओं ने एक स्वर से कहा कि स्वातंत्र्यवीर सावरकर का जीवन त्याग, तप, संघर्ष, बलिदान और राष्ट्रसमर्पण की अनुपम गाथा है, जिससे प्रत्येक भारतीय को प्रेरणा लेनी चाहिए।

कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रार्थना नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमे के सामूहिक गायन के साथ हुआ। संपूर्ण वातावरण राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और समर्पण की भावनाओं से अनुप्राणित हो उठा।

इस अवसर पर उपस्थित सभी नागरिकों ने स्वातंत्र्यवीर सावरकर के आदर्शों पर चलकर राष्ट्रसेवा एवं समाजोत्थान में सक्रिय योगदान का संकल्प लिया।

बुद्ध पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं को निःशुल्क प्राथमिक चिकित्सा सेवा एवं चश्मा वितरण

कोलकाता, समाज्ञा : सोसायटी बेनिफिट सर्कल द्वारा बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर तारकेश्वर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए शनिवार संध्या से रविवार प्रातः तक निःशुल्क प्राथमिक चिकित्सा सेवा शिविर का आयोजन किया गया। इस सेवा का संचालन कौशिक साहू एवं अंजलि प्रधान द्वारा किया गया, जिससे बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को लाभ प्राप्त हुआ। सोसायटी की नियमित जनसेवा गतिविधियों के अंतर्गत प्रत्येक माह की भांति इस बार भी रविवार प्रातः 96 जरूरतमंद ग्रामीणों को निःशुल्क चश्मों का वितरण किया गया। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं जरूरतमंद लोगों को सहायता प्रदान करना है। कार्यक्रम सोसायटी बेनिफिट सर्कल के अध्यक्ष पवन बंसल के नेतृत्व में संपन्न हुआ। आयोजन को सफल बनाने में मनोज चौधरी, महेश काबरा, प्रकाश सांगानेरिया,सुरेश अग्रवाल, सुमित झुनझुनवाला, चुनी लाल पटेल, सहित अन्य सदस्यों का महत्वपूर्ण सहयोग एवं सक्रिय सहभागिता रही। इस मौके पर अध्यक्ष पवन बंसल ने बताया कि संस्था समाजसेवा, स्वास्थ्य जागरूकता एवं जनकल्याण के क्षेत्र में निरंतर कार्यरत है तथा भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्य नियमित रूप से जारी रखे जाएंगे।

हमले के आरोप के बाद पार्टी से नाराज दिखे अरूप राय, बोले- ऐसे हालात रहे तो सोचना पड़ेगा

हावड़ा : पूर्व मंत्री एवं मध्य हावड़ा से तृणमूल कांग्रेस विधायक अरूप राय ने अपने आवास पर हुए कथित हमले के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। साथ ही उन्होंने अपनी ही पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के प्रति नाराजगी भी जाहिर की है। अरूप राय ने संकेत दिया कि यदि संकट के समय पार्टी उनके साथ नहीं खड़ी होती है, तो उन्हें अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर विचार करना पड़ सकता है। सोमवार को अपने मध्य हावड़ा स्थित आवास पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन में अरूप राय ने कहा कि दो दिन पहले भाजपा समर्थकों ने उन पर सरकारी राहत सामग्री (त्रिपाल) की कथित हेराफेरी का आरोप लगाते हुए उनके घर के सामने प्रदर्शन किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शन के दौरान कुछ भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनके घर के दरवाजे पर लात मारी, सीसीटीवी कैमरे तोड़ दिए और अभद्र भाषा का प्रयोग किया। अरूप राय ने कहा कि घटना के समय वह घर पर मौजूद नहीं थे और घर में केवल महिलाएं थीं। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटना किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने मामले में थाने में एफआईआर दर्ज कराने की बात कहते हुए पुलिस से दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ उचित कार्रवाई करने की मांग की। इस दौरान अरूप राय ने अपनी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा, जब हम विधायक हमलों का सामना कर रहे हैं, तब पार्टी का शीर्ष नेतृत्व हमारी कोई खबर नहीं ले रहा है। इससे संगठनात्मक कमजोरी सामने आ रही है। उन्होंने कहा कि यदि ऐसी स्थिति जारी रहती है तो उन्हें गंभीरता से सोच-विचार करना होगा।

गश्त के नाम पर व्यापारियों से कथित उगाही, एसआई समेत तीन पुलिस कर्मी निलंबित, विभागीय जांच शुरू

कोलकाता : कानून-व्यवस्था बनाए रखने और नागरिकों को सुरक्षा देने की जिम्मेदारी जिन पुलिसकर्मियों पर होती है, उन्हीं पर अब उगाही के गंभीर आरोप लगे हैं। उत्तर कोलकाता के श्यामपुकुर थाना क्षेत्र में व्यापारियों को डराकर अवैध रूप से पैसे वसूलने के आरोप में एक सब-इंस्पेक्टर (एसआई), एक असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर (एएसआई) तथा एक पुलिस वाहन चालक को निलंबित कर दिया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए लालबाजार ने तीनों के खिलाफ विभागीय जांच भी शुरू कर दी है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपित पुलिसकर्मी पीसीआर वैन के माध्यम से क्षेत्र में नियमित गश्त पर तैनात थे। उन पर आरोप है कि उन्होंने गश्त और पुलिस कार्रवाई का भय दिखाकर श्यामपुकुर इलाके के कई स्थानीय व्यापारियों से मोटी रकम वसूली। इस संबंध में कोलकाता पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के पास एक विस्तृत शिकायत पहुंची थी, जिसके बाद पूरे मामले की जांच शुरू की गई।

सूत्रों का कहना है कि शिकायत में आरोप लगाया गया था कि संबंधित पुलिसकर्मी पीसीआर वैन में सवार होकर इलाके में घूमते थे और व्यापारियों को विभिन्न मामलों में कार्रवाई की धमकी देकर उनसे पैसे वसूलते थे। शिकायत मिलते ही पुलिस मुख्यालय लालबाजार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तकनीकी और प्रत्यक्ष साक्ष्य जुटाने का निर्देश दिया।

जांच के दौरान आरोपित पुलिसकर्मियों की ड्यूटी अवधि में पीसीआर वैन की जीपीएस लोकेशन खंगाली गई। इसके साथ ही संबंधित इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली गई। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, जीपीएस डेटा और सीसीटीवी फुटेज के मिलान के बाद शिकायत में लगाए गए आरोपों के समर्थन में कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आए। जांचकर्ताओं को ऐसे प्रमाण मिले, जिनसे यह संकेत मिला कि आरोप पूरी तरह निराधार नहीं हैं।

प्राथमिक जांच में पर्याप्त सामग्री मिलने के बाद तीनों पुलिसकर्मियों को तलब कर पूछताछ की गई। अधिकारियों के अनुसार, पूछताछ के दौरान वे अपने पक्ष में संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। उनके बयानों में कई गंभीर विरोधाभास और असंगतियां भी पाई गईं, जिससे संदेह और गहरा गया।

इसके बाद कोलकाता पुलिस प्रशासन ने अनुशासनहीनता और सेवा आचरण के उल्लंघन के आरोप में तत्काल प्रभाव से तीनों को निलंबित कर दिया। साथ ही उनके खिलाफ पूर्ण विभागीय जांच के आदेश जारी किए गए हैं। जांच में दोष सिद्ध होने पर उनके विरुद्ध और भी कड़ी कार्रवाई की जा सकती है।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर कार ट्रक से टकराई, तीन की मौत

आगरा: उत्तर प्रदेश के आगरा जिले के फतेहाबाद थाना क्षेत्र में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर सोमवार को एक कार एक ट्रक से जा टकराई, जिससे उसमें सवार तीन लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, कार में आठ लोग सवार थे और वे बिहार से राजस्थान जा रहे थे। उसने बताया कि मृतकों की पहचान सुनील (26), उसके बड़े भाई शंकर (30) और शंकर की पत्नी प्रीति (29) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, घायलों में कार चालक सोहेब (35), प्रमिला (31), पूजा (32), राजू (35) और अयांश (6) शामिल हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सहायक पुलिस आयुक्त इमरान अहमद ने कहा कि हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस टीम और बचावकर्मी मौके पर पहुंचे तथा राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। उन्होंने बताया कि हादसे के कारण एक्सप्रेस-वे पर यातायात पर कोई असर नहीं पड़ा और क्षतिग्रस्त वाहनों को वहां से हटा दिया गया है।

झारखंड: नीट परीक्षा रद्द होने से हताश लड़की ने आत्महत्या की

कोडरमा: झारखंड के कोडरमा जिले में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) की तैयारी कर रही एक छात्रा मृत पाई गई। छात्रा के परिवार ने दावा किया कि परीक्षा रद्द होने से हताश होकर उसने आत्महत्या की। पुलिस के अनुसार, यह घटना रविवार रात तेलैया थाना क्षेत्र के चित्रगुप्त नगर में हुई। पुलिस ने बताया कि परिवार के सदस्यों ने छात्रा को रात के खाने के लिए बुलाया, उस वक्त 17 वर्षीय लड़की अपने कमरे में अकेली थी। पुलिस के मुताबिक, काफी देर तक कोई जवाब नहीं मिलने पर परिवार वालों ने दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया और उसे दुपट्टे से लटका हुआ पाया। छात्रा को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। तेलैया थाना प्रभारी विनय कुमार ने बताया कि अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज किया गया है। लड़की के पिता ने बताया कि उनकी बेटी ने तीन मई को नीट-स्नातक की परीक्षा दी थी और उसे अपने प्रदर्शन को लेकर काफी उम्मीद थी। उन्होंने बताया कि परीक्षा रद्द होने के बाद वह परेशान हो गई और उसे डर था कि दोबारा होने वाली परीक्षा पहले की तुलना में कठिन होगी। बीमा एजेंट के रूप में काम करने वाले पिता ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, हमने उसे कई बार समझाया और वो सदमे से उबरती हुई लग रही थी।

गाय को 'राष्ट्रीय पशु' घोषित करने की मांग कर रहे मुस्लिम संगठनों की सोच 'पशुवत' : योगी

बिजनौर: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गाय को 'राष्ट्रीय पशु' घोषित करने की मांग कर रहे मुस्लिम संगठनों की कड़ी आलोचना करते हुए सोमवार को कहा कि 'पशुवत' सोच के 'आक्रांता' लोग सनातन परंपरा में 'माता' का दर्जा रखने वाली गाय को पशु बता रहे हैं। मुख्यमंत्री बिजनौर में पाकिस्तान से विस्थापित 1,645 परिवारों और पूर्व सैनिकों तथा पट्टाधारकों को भूमि अधिकार पत्र के वितरण के लिए आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने गाय को 'राष्ट्रीय पशु' घोषित करने की मांग किए जाने को लेकर जमीयत उलमा-ए-हिंद (एएम गुट) के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी और अन्य मुस्लिम संगठनों पर जमकर निशाना साधा। योगी ने कहा, आजकल तमाम मौलवी और मौलाना गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग कर रहे हैं। हमने कहा कि गाय हमारी माता है और हमारा जन्म-जन्मांतर का नाता है। उन्होंने कहा, गाय हमारे लिए पशु नहीं है। पशुवत आपकी (गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग करने वाले मुस्लिम संगठनों की) सोच है, जो आप गौ माता को पशु बोल रहे हैं। योगी ने गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग करने वाले मुस्लिम संगठनों पर दोहरा रवैया रखने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, आप एक तरफ गोकशी में शामिल लोगों को प्रश्रय देते हैं और दूसरी तरफ गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग करते हैं। योगी ने ऐसे मुस्लिम संगठनों को 'आक्रांता' करार देते हुए कहा, किसी आक्रांता को यह बताने की आवश्यकता नहीं है। गाय तो स्व घोषित राष्ट्र माता है और किसी को उसे राष्ट्र माता घोषित करने की जरूरत नहीं है। मदनी ने पिछले महीने बकरीद से पहले एक बयान में सरकार से गाय को 'राष्ट्रीय पशु' घोषित करने की मांग की थी। कई प्रमुख मुस्लिम संगठनों ने भी मदनी की इस मांग का समर्थन किया था। योगी ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान और बांग्लादेश में धार्मिक कट्टरता के कारण विस्थापित लोगों के लिए किसी मौलाना या मौलवी ने न तो आवाज उठाई और न ही यह कहा कि उन्होंने वक्फ के नाम पर यहां के हिंदुओं की जो जमीन कब्जा की है, उसे वे उन विस्थापितों को मुफ्त में दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर वे ऐसी घोषणा करते, तो माना जाता कि उनके अंदर कुछ संवेदना है। उन्होंने दावा किया कि किसी भी मौलाना ने बांग्लादेश में हिंदुओं के कत्लेआम के खिलाफ आवाज नहीं उठाई और न ही पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में हिंदुओं की आबादी में गिरावट पर आपत्ति जताई। योगी ने आरोप लगाया कि पिछले दिनों बकरीद के अवसर पर इन मौलवियों और मौलानाओं के 'चेले-चपाटों' ने सोशल मीडिया पर गाय की तस्वीरें लगाकर बधाई दी।

उत्तर प्रदेश में दोषसिद्धि दर 93 प्रतिशत, 788 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त: डीजीपी राजीव कृष्ण

लखनऊ: उत्तर प्रदेश के पूर्णकालिक पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नियुक्त होने के एक दिन बाद, राजीव कृष्ण ने सोमवार को कहा कि अपराध को कतई बर्दाश्त नहीं करने की राज्य की नीति के परिणामस्वरूप पिछले वर्ष दोषसिद्धि की दर 93 प्रतिशत से अधिक रही। अदालतों ने 42,681 आरोपियों को दोषी ठहराया और अधिकारियों ने आपराधिक गतिविधियों से जुड़ी लगभग 788.38 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की। यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, कृष्णा ने 31 मई, 2025 से 31 मई, 2026 की अवधि के दौरान उत्तर प्रदेश पुलिस की उपलब्धियों को प्रस्तुत किया और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्राथमिकताओं के अनुरूप बल के भविष्य के रोडमैप की रूपरेखा रेखांकित की।

न्यूज अपडेट

राजस्थान: भाजपा ने अजेय कुमार को प्रदेश महामंत्री (संगठन) नियुक्त किया

जयपुर: भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के केंद्रीय नेतृत्व ने अजेय कुमार को राजस्थान इकाई का महामंत्री (संगठन) नियुक्त किया। भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष मदन राठौड़ एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नियुक्ति पर अजेय कुमार को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। अजेय कुमार, भाजपा के वरिष्ठ संगठनकर्ता एवं भाजपा की उत्तराखंड इकाई के प्रदेश महामंत्री (संगठन) हैं। राठौड़ ने सोमवार को एक बयान में कहा कि अजेय कुमार का संगठनात्मक अनुभव, कार्यकर्ताओं के प्रति समर्पण और कुशल नेतृत्व राजस्थान में भाजपा संगठन को नई ऊर्जा एवं मजबूती प्रदान करेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अजेय के मार्गदर्शन में पार्टी का राजस्थान संगठन नई ऊंचाइयों छुएगा और संगठन विस्तार व जनसेवा के कार्यों को और अधिक गति मिलेगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राजस्थान जैसे राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण प्रदेश में प्रदेश महामंत्री (संगठन) अजेय कुमार की नियुक्ति उनके संगठनात्मक कौशल, प्रभावी नेतृत्व क्षमता और परिणाम देने वाली कार्यशैली की राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृति है। पार्टी द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, राजनीतिक एवं संगठनात्मक क्षेत्रों में अजेय कुमार को कुशल संगठनकर्ता के रूप में जाना जाता है।

जनगणना और एसआईआर के बारे में जागरुकता फैलाने के लिए स्कूलों में अभियान चलाए जाएं: सोरेन

रांची: झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे स्कूलों में जनगणना और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए अभियान चलाएं। पूरे झारखंड में जनगणना 2027 के पहले चरण के तहत घरों/परिवारों की सूची तैयार करने और घरेलू आंकड़े एकत्र करने का कार्य जारी है और यह 14 जून तक चलेगा। दूसरी ओर, निर्वाचन आयोग ने 30 जून से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की घोषणा की है। अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी), अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग को भी स्कूलों में जागरूकता अभियान चलाने को कहा। सोरेन ने 'एक्स' पर लिखा, कल्याण विभाग के अंतर्गत आने वाले स्कूलों में अभियान चलाकर बच्चों को एसआईआर और जनगणना से संबंधित विषयों की जानकारी दी जाए, ताकि वे अपने माता-पिता को भी इसके प्रति जागरूक कर सकें। शिक्षा विभाग भी अपने सभी स्कूलों में ऐसा ही अभियान चलाए। मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना की भी समीक्षा की और वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से योजना के लाभार्थियों से बातचीत की।

राजस्थान में कई जगह बारिश, तापमान में गिरावट

जयपुर: राजस्थान में सक्रिय एक पश्चिमी विक्षोभ के असर से राज्य के कई हिस्सों में बीते 24 घंटे में बारिश हुई। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार सोमवार सुबह तक के 24 घंटे में राज्य में कई जगह हल्की से मध्यम बारिश हुई। सर्वाधिक बारिश रेलमगरा (राजसमन्द) में 23.0 मिलीमीटर दर्ज की गई। आंधी-बारिश की गतिविधियों से राज्य में अधिकतम तापमान में गिरावट आई है। इस दौरान सर्वाधिक अधिकतम तापमान 42.0 डिग्री सेल्सियस बाड़मेर में रहा। मौसम केंद्र के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के असर से राज्य के कुछ हिस्सों में दोपहर बाद आंधी बारिश की गतिविधियां आगामी चार से पांच दिन तक जारी रहने की संभावना है। आंधी-बारिश के प्रभाव से आगामी दिनों में अधिकतर भाग में अधिकतम तापमान 42 डिग्री से नीचे रहने तथा लू से राहत बने रहने का अनुमान है।

शुद्ध मतदाता सूची ही पारदर्शी मतदान का आधार : ज्ञानेश कुमार

आगरा: मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईओ) ज्ञानेश कुमार ने सोमवार को कहा कि शुद्ध मतदाता सूची ही पारदर्शी मतदान का आधार है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मतदाता सूची को विसंगतियों से मुक्त रखना बेहद जरूरी है। कुमार सोमवार को दो दिन की निजी यात्रा पर अपने गृह नगर आगरा पहुंचे। उन्होंने कहा, मतदाताओं को समझना चाहिए कि शुद्ध मतदाता सूची ही पारदर्शी मतदान का आधार है।

राजस्थान के मुख्यमंत्री शर्मा ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की

जयपुर: राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को नयी दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। आधिकारिक प्रवक्ता ने इसे शिष्टाचार भेंट बताया। प्रवक्ता के अनुसार, मुख्यमंत्री शर्मा ने प्रधानमंत्री मोदी से उनके निवास पर शिष्टाचार भेंट की। मुख्यमंत्री ने इस दौरान प्रधानमंत्री से विकास, सुशासन और जनकल्याण से जुड़े विभिन्न विषयों पर गहन चर्चा कर मार्गदर्शन लिया। मुख्यमंत्री ने कहा, युवा, महिला, किसान एवं अंत्योदय के प्रति प्रधानमंत्री का समर्पण तथा विकसित भारत के निर्माण के लिए उनका विजन और दृढ़ संकल्प हम सभी के लिए प्रेरणादायी है। वहीं, राजस्थान के लिए प्रधानमंत्री का विशेष स्नेह, आत्मीय जुड़ाव तथा राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए उनकी प्रतिबद्धता प्रेरणा का स्रोत है। बयान के अनुसार, शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में राजस्थान आधारभूत संरचना, निवेश, जल प्रबंधन, महिला सशक्तिकरण और जनकल्याण सहित विभिन्न क्षेत्रों में नई ऊंचाइयों की ओर तेजी से अग्रसर है।

गाजीपुर में चार करोड़ रुपये की हेरोइन बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

गाजीपुर: उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले की बिरनो थाना पुलिस ने सोमवार को दो मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया और उनके पास से 700 ग्राम हेरोइन बरामद की। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि बरामद हेरोइन की कीमत चार करोड़ रुपये आंकी गई है। अधिकारी के मुताबिक, गिरफ्तार तस्करों की पहचान इंद्रजीत विश्वकर्मा और अरशद जमाल उर्फ मेराज के रूप में हुई है। पुलिस अधीक्षक (एसपी) डॉ. ईरज राजा ने बताया कि बिरनो पुलिस ने स्वापक औषधि एवं मन:प्रभावी (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत वांछित इंद्रजीत और अरशद को सोमवार सुबह गन्नापुर गांव के पास हिरासत में लेकर तलाशी ली, तो उनके पास से 700 ग्राम हेरोइन मिली, जिसकी कीमत चार करोड़ रुपये आंकी गई है।

निवेश आकर्षित करने के लिए अनावश्यक नियम खत्म हों: सम्राट चौधरी

पटना: बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को सभी विभागों को निवेश आकर्षित करने, कारोबार को बढ़ावा देने और रोजगार सृजन के लिए ''अनावश्यक नियमों'' को समाप्त करने तथा नियामकीय प्रक्रियाओं को सरल बनाने का निर्देश दिया। सम्राट ने कहा कि निवेश आकर्षित करने और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए विनियमन-मुक्ति तथा प्रक्रियागत सुधार आवश्यक हैं। मुख्यमंत्री पटना में अपने सरकारी आवास पर 'अनुपालन में कमी और विनियमन-मुक्ति' विषय पर आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की ओर से जारी बयान के मुताबिक, सम्राट ने कहा कि अनुपालन में कमी और विनियमन-मुक्ति के संबंध में केंद्र सरकार की ओर से जारी निर्देशों पर राज्य सरकार को त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि व्यापार, औद्योगिक गतिविधियां, वाणिज्य और जनसेवाएं अधिक सरल, पारदर्शी एवं प्रभावी बन सकें। मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों की ओर से पेश सुधारात्मक उपायों और भावी कार्ययोजनाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा, 'सरकार की भूमिका नागरिकों और उद्यमियों को सुविधा उपलब्ध कराने की होनी चाहिए। उद्योगों, निवेशकों, स्टार्टअप, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और आम नागरिकों को सेवाएं हासिल करने के लिए बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ें।'' सम्राट ने अधिकारियों को डिजिटल मंचों को मजबूत करने, स्व-प्रमाणीकरण व्यवस्था का विस्तार करने, ऑनलाइन स्वीकृतियां सुनिश्चित करने और समयबद्ध सेवा वितरण की व्यवस्था लागू करने का निर्देश दिया।

जेईई एडवांस्ड में देशभर में प्रथम आए बिहार के शुभम कुमार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने दी बधाई

पटना: बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) एडवांस्ड 2026 में देशभर में पहला स्थान हासिल करने पर राज्य के शुभम कुमार को सोमवार को बधाई दी। जेईई (एडवांस्ड) 2026 का परिणाम सोमवार को घोषित किया गया जिसमें भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली जोन के शुभम कुमार ने 360 में से 330 अंक हासिल कर कॉमन रैंक लिस्ट (सीआरएल) में पहला स्थान प्राप्त किया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, 'जेईई एडवांस्ड 2026 में देशभर में प्रथम रैंक प्राप्त कर बिहार का नाम पूरे देश में गौरवान्वित करने वाले प्रतिभाशाली छात्र शुभम कुमार को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। आपकी अथक मेहनत, अनुशासन, समर्पण और अद्भुत प्रतिभा ने लाखों युवाओं को प्रेरित किया है।

समीक्षा

धर्म-अध्यात्म

भगवान कृष्ण की बांसुरी से लेकर हनुमान जी के गदा तक, यहां जानें बेहद रोचक बातें

हिंदू धर्म में देवी-देवताओं की पहचान केवल उनके स्वरूप से ही नहीं, बल्कि उनके प्रिय अस्त्र-शस्त्र और दिव्य वस्तुओं से भी होती हैं। जैसे भगवान श्री कृष्ण की बांसुरी, महादेव का त्रिशूल, विष्णु जी का सुदर्शन चक्र और हनुमान जी की गदा, ये सभी केवल साधारण वस्तुएं ही नहीं मानी जातीं, बल्कि इनका महत्व धार्मिक ग्रंथों में देखने को मिलता है। कहते हैं कि, इन दिव्य वस्तुओं का पूजन करने से संबंधित देवी-देवताओं की कृपा प्राप्त होती हैं और जीवन में कई चमत्कार दिखने लगते हैं। हालांकि, बहुत कम लोग जानते हैं कि, इन अस्त्र-शस्त्रों और वाद्य यंत्रों के भी विशेष नाम हैं। आइए इनके बारे में जानते हैं।

क्या है भगवान श्रीकृष्ण की बांसुरी का नाम ?

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान श्रीकृष्ण की प्रिय बांसुरी को महानंदा कहा जाता है। कहते हैं ,कि जब कान्हा अपनी बांसुरी बजाते थे, तब इसकी मधुर धुन सुनकर गोपियां, गायें और यहां तक कि प्रकृति भी मोहित हो जाती थी।

क्या है विष्णु जी के धनुष का नाम ?

भगवान विष्णु के दिव्य धनुष को सारंग कहा जाता है। यह धनुष बेहद शक्तिशाली माना जाता है और धर्म की रक्षा के लिए भगवान विष्णु इसका प्रयोग करते थे।

क्या है महादेव के धनुष का नाम ?

शास्त्रों की मानें, तो देवों के देव महादेव के धनुष को पिनाक कहा जाता है, जिसे शिव धनुष भी कहते हैं। कहते हैं कि, इस धनुष को भगवान राम ने माता सीता के स्वयंवर में तोड़ा था।

क्या है हनुमान जी के गदा का नाम ?

हिंदू धर्म में बजरंगबली की उपासना का विशेष महत्व होता है। प्रभु को प्रसन्न करने के लिए अक्सर गदा अर्पित किया जाता है, क्योंकि यह उन्हें अति प्रिय है। माना जाता है कि, हनुमान जी के गदा को कौमोदकी नाम से जाना जाता है। मान्यता है कि, इसी गदा से असुरों का संहार किया था और धर्म की रक्षा की थी।

माता रानी के शेर का नाम

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मां दुर्गा की सवारी शेर का नाम सोमनंदी या दावोन बताया गया है। कहते हैं कि, जब मां दुर्गा शेर पर सवार होकर प्रकट होती हैं, तब वह अधर्म और सभी तरह की नकारात्मक शक्तियों का विनाश करती हैं।

क्या है कर्ण के धनुष का नाम ?

महाभारत के महान योद्धा कर्ण के धनुष का नाम विजय धनुष था। कहा जाता है कि, यह धनुष बेहद दिव्य और अजेय माना जाता था।

क्या है अर्जुन के धनुष का नाम ?

पांडवों में श्रेष्ठ धनुर्धर अर्जुन के धनुष का नाम गांडीव था। महाभारत युद्ध में अर्जुन ने इसी धनुष से युद्ध लड़ा था। मान्यता है कि, गांडीव धनुष देवताओं द्वारा प्रदान किया गया दिव्य अस्त्र था।

क्या है रावण के खड़ग का नाम ?

शास्त्रों के अनुसार, रावण के खड़ग का नाम चंद्रहास था। यह खड़ग भगवान शिव द्वारा रावण को प्रदान किया गया था।

गणेश जी के चूहे का नाम क्या है?

भगवान गणेश के वाहन चूहे का नाम क्रौंच या क्रोंच माना जाता है। प्रभु का यह वाहन बुद्धि और हर परिस्थिति में रास्ता निकालने की क्षमता का प्रतीक होता है।

इन चीजों से प्रसन्न होते हैं लड्डू गोपाल, भोग लगाने पर जीवन में आएंगे सकारात्मक बदलाव

हिंदू धर्म में भगवान श्रीकृष्ण की पूजा का विशेष महत्व माना गया है। प्रभु की कृपा और उन्हें प्रसन्न करने के लिए भक्तजन पूरे विधि-विधान से उनकी उपासना व उनकी सेवा करते हैं। इस दौरान कुछ लोग भगवान के बाल स्वरूप लड्डू गोपाल जी को घर में भी रखे हैं। उनकी सेवा बिल्कुल एक छोटे बच्चे की तरह प्रेम और श्रद्धा के साथ की जाती है। मान्यता है कि, लड्डू गोपाल जी की नियमित पूजा-अर्चना और सच्चे मन से की गई सेवा से भगवान शीघ्र प्रसन्न होते हैं। भक्त उन्हें प्रतिदिन स्नान, वस्त्र और श्रृंगार के साथ प्रिय भोग भी अर्पित करते हैं। कहा जाता है कि, प्रेम और श्रद्धा से लगाया गया भोग भगवान श्रीकृष्ण को अत्यंत प्रिय होता है और इससे उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती हैं। ऐसे में आइए प्रभु के प्रिय भोग और उससे मिलने वाले लाभ को जानते हैं।

माखन-मिश्री का भोग

भगवान श्रीकृष्ण को माखन-मिश्री बेहद प्रिय है। ऐसे में यदि श्रद्धा से माखन और मिश्री का भोग लगाया जाए, तो माना जाता है कि प्रभु प्रसन्न होकर भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। साथ ही जीवन में कई अच्छे बदलाव महसूस होते हैं।

खीर-रबड़ी अर्पित करें

कान्हा जी को दूध से बनी चीजें बहुत प्रिय मानी जाती हैं। ऐसे में खीर या रबड़ी का भोग लगाना बेहद शुभ माना गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इससे जीवन में आ रही बाधाएं धीरे-धीरे दूर होने लगती हैं। साथ ही लंबे समय से रुके कार्य पूरे होने के योग बनते हैं।

पंचामृत का महत्व

दूध, दही, घी, शहद और शक्कर से तैयार पंचामृत भगवान कृष्ण को अर्पित करने से मानसिक शांति मिलती है। पूजा के बाद इसे प्रसाद के रूप में ग्रहण करना भी शुभ माना जाता है।

ताजा दूध का भोग

श्रीकृष्ण का संबंध गौसेवा और दूध से जुड़ा हुआ है। ऐसे में उन्हें दूध अर्पित करना बेहद शुभ माना गया है। मान्यता है कि इससे घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

जब बोले अंतरात्मा की आवाज

हम अपने दैनिक जीवन में अक्सर देखते हैं कि दरवाजे की घंटी बजते ही हमारे मन में यह ख्याल आता है कि इस समय दरवाजे पर अमुक व्यक्ति ही होगा और दरवाजा खोलने पर जिसका हमें ख्याल आया था, वही व्यक्ति होता है। इस प्रकार कभी-कभी हम अपने किसी मित्र से मिलने के लिए उसके घर पर जा रहे होते हैं कि अचानक दिमाग में विचार कौंधता है कि इस समय दोस्त के यहां जाना व्यर्थ होगा, वह नहीं मिलेगा, परंतु हम नहीं मानते और चल पड़ते हैं और वाकई में दोस्त हमें नहीं मिलता।

ऐसा भी होता है कि किसी रिश्तेदार या अभिन्न मित्र का ख्याल हमें बार-बार आता है और हमें यह सोचने पर मजबूर कर देता है कि ऐसा क्यों हो रहा है? तभी उस दोस्त या रिश्तेदार के साथ कोई हादसा होने की खबर मिलती है। क्या यह सब संयोग है?

नहीं, यह संयोग नहीं है। आम भाषा में इसे अंतरात्मा की आवाज कहा जाता है। अनुभवियों का मानना है कि यह आवाज सभी के लिए कार्य करती है। सवाल सिर्फ इसको समझने और पहचानने का है तथा इस पर अटूट विश्वास करने पर ही और अभ्यास से इसे समझा तथा पहचाना जा सकता है।

यह आंतरिक शक्ति हमें अच्छाई और बुराई का भी ज्ञान कराती है। उदाहरण के लिए, रास्ते में आपको एक सौ का नोट पड़ा मिलता है तो आप उसे तुरंत रख लेते हैं। आंतरिक शक्ति आपको बताती है कि यह ठीक नहीं है परंतु आप उस पर ध्यान नहीं देते। बात वही विश्वास की है। यदि आप इस पर विश्वास करेंगे तो आपकी अंतरात्मा की आवाज भी उतनी ही विकसित होगी और आप उसका अनुसरण कर बहुत लाभ ले सकते हैं। ध्यान रहे, अंतरात्मा की आवाज ईश्वरीय प्रदत्त संकेत है जिसमें हमारी आत्मा माध्यम है।

इसको पूर्णतः जागृत करने के लिए विश्वास के अतिरिक्त मस्तिष्क में जब भी किसी भी प्रकार का विचार आये तो गंभीरता से यह जानने का प्रयत्न करें कि यह विचार अचानक क्यों उत्पन्न हुआ है। उसको परखें तो आपको जागृत करने में आसानी होगी। जैसे आप अमुक कार्य करने जा रहे हैं तो ख्याल आता है कि इसे अभी न करें, चार दिन बाद करें तो इसे गंभीरता से लेते हुए चार दिन बाद कीजिए और आप देखेंगे कि वह कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हो जाता है।

यदि आप ईश्वर में विश्वास रखते हैं, यानी आस्तिक हैं तो यह तय है कि आपकी अंतरात्मा की आवाज शीघ्र जाग्रत हो जायेगी। ज्यों-ज्यों आपका विश्वास बढ़ेगा, त्यों-त्यों आपकी अंतरात्मा की आवाज जागृत होगी।

आज विशेषज्ञ और मनोवैज्ञानिक इसे छठी इन्द्रिय और सुपर चेतना के नाम से भी पुकारते हैं।

अन्त में, मैं यही कहूंगा कि यदि आप अपने भीतर की अंतरात्मा की आवाज के अस्तित्व का एहसास करें और इसे जागृत करें तो आज के इस आपाधापी के युग में अपने आपको औरों से अलग पायेंगे और श्रेष्ठ जीवन व्यतीत करने हेतु समर्थ हो सकेंगे। (उर्वशी)

व्रत - त्यौहार

04.06.2026 : संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत

08.06.2026 : मृगशिरा के सूर्य रात 7:40

भारत के खिलाफ म्यांमा की धरती का इस्तेमाल नहीं होने दिया जाएगा: राष्ट्रपति ह्लाइंग

नयी दिल्ली : म्यांमा के राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आश्वासन दिया कि भारत के सुरक्षा हितों के खिलाफ उनके देश की धरती का इस्तेमाल नहीं होने दिया जाएगा। दोनों नेताओं ने व्यापार, रक्षा और ऊर्जा क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए व्यापक वार्ता की। आंग ह्लाइंग पांच दिवसीय भारत यात्रा पर हैं। म्यांमा में संसदीय चुनावों के बाद राष्ट्रपति बनने के दो महीने से भी कम समय में वह भारत यात्रा पर आए हैं। सत्ताधारी सैन्य जुंटा के खिलाफ वर्षों से जारी प्रदर्शनों के बाद ये चुनाव दिसंबर और जनवरी में कराए गए। सैन्य जुंटा ने एक फरवरी, 2021 को

तख्तापलट कर आंग सान सू ची की लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को बेदखल कर दिया था। दोनों पक्षों ने कालादान मल्टी-मॉडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट परियोजना और भारत-म्यांमा-थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग को पूरा करने के लिए मिलकर काम करने के महत्व पर भी जोर दिया। सू ची के बारे में एक प्रश्न का उत्तर देते हुए विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने यात्रा पर आए राष्ट्रपति के साथ इस मुद्दे को उठाया और चर्चा मुख्य रूप से म्यांमा में जारी शांति प्रक्रिया के संदर्भ में हुई थी। इस मुद्दे पर भारत के निरंतर रुख को स्पष्ट करते हुए विदेश सचिव ने कहा कि भारत स्थायी शांति, समावेशिता और सभी हितधारकों को बातचीत की मेज पर लाने की आवश्यकता का समर्थन करता रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने म्यांमा के राष्ट्रपति आंग ह्लाइंग के साथ वार्ता की

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने म्यांमा के राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग के साथ सोमवार को व्यापक बातचीत की जिसमें व्यापार, संपर्क, सीमा सुरक्षा और रक्षा के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। आंग ह्लाइंग इस समय भारत की पांच दिवसीय यात्रा पर हैं। उनकी भारत यात्रा म्यांमा में संसदीय चुनावों के बाद उनके राष्ट्रपति बनने के दो महीने से भी कम समय में हो रही है। ये चुनाव सत्ताधारी सैन्य जुंटा के खिलाफ वर्षों से जारी विरोध प्रदर्शनों के बाद पिछले साल दिसंबर और इस साल जनवरी में हुए थे। सैन्य जुंटा ने एक फरवरी, 2021 को तख्तापलट करके आंग सान सू ची की लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को उखाड़ फेंका था।

जेईई एडवांस्ड 2026: शुभम कुमार ने हासिल की पहली रैंक, लड़कियों में अरोही देशपांडे शीर्ष पर रहीं

56,880 छात्र सफल

नयी दिल्ली : संयुक्त प्रवेश परीक्षा (एडवांस्ड) 2026 के नतीजे सोमवार को घोषित हुए, जिसमें दिल्ली जोन के शुभम कुमार ने 360 में से 330 अंक हासिल करके शीर्ष स्थान प्राप्त किया जबकि लड़कियों में अरोही देशपांडे ने बाजी मारी। जेईई (एडवांस्ड) 2026 में कुल 56,880 अभ्यर्थी सफल हुए, जिनमें 10,107 छात्राएं और 46,773 छात्र शामिल हैं। परीक्षा में शामिल हुआ इकलौता 'थर्ड जेंडर' छात्र सफल नहीं हो सका। दिव्यांग (पीडब्ल्यूडी) श्रेणी में 3,052 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें से 2,864 ने दोनों पेपर दिये और 887 सफल रहे। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली जोन के शुभम कुमार ने कॉमन रैंक लिस्ट (सीआरएल) में 360 में से 330 अंक हासिल करके पहला स्थान प्राप्त किया। इसी जोन की अरोही देशपांडे शीर्ष रैंक हासिल करने वाली छात्रा बनीं। उन्होंने 360 में से 280 अंक प्राप्त करके पूरे देश में 77वीं रैंक हासिल की। कबीर छिल्लर ने 329 अंक प्राप्त करके दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि जतिन चाहर 319 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। शीर्ष स्थान पर रहे शुभम कुमार ने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, ''मैं पिछले दो साल से जेईई एडवांस्ड की तैयारी कर रहा था और मुझे उम्मीद थी कि मेरी मेहनत अच्छी रैंक दिलाएगी। अब जब मैंने पूरे देश में पहला स्थान हासिल कर लिया है तो बहुत खुशी हो रही है।''

मिजोरम: छह करोड़ रुपये से अधिक की मॉर्फिन, हेरोइन के साथ तीन गिरफ्तार

आइजोल : मिजोरम पुलिस ने सैतुअल जिले में छह करोड़ रुपये से अधिक कीमत की मॉर्फिन और हेरोइन ज़ब्त की और तीन लोगों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने सोमवार को यह बताया। उन्होंने बताया कि एक गुप्त सूचना के आधार पर, सैतुअल जिला कार्यकारी बल की एक टीम ने रविवार को असम रजिस्ट्रेशन नंबर वाले एक ट्रक को पकड़ा जो मणिपुर से आइजोल की ओर जा रहा था। एक अधिकारी ने बताया कि ट्रक की अच्छी तरह तलाशी लेने पर ड्राइवर की सीट के बगल वाले डिब्बे में छिपाकर रखे गए 6.68 किलोग्राम वजन के मॉर्फिन के 13 पैकेट मिले। उन्होंने कहा, ''जब्त की गई मॉर्फिन की कीमत 6.7 करोड़ रुपये से ज्यादा होने का अनुमान है।'' पुलिस टीम ने उसी गाड़ी से 2.4 लाख रुपये कीमत की 12 ग्राम हेरोइन भी बरामद की। अधिकारी ने बताया कि असम के रहने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। मामले में आगे की जांच चल रही है।

न्यायालय ने वक्फ संस्थान की न्यायाधिकरण में अदालत शुल्क में छूट संबंधी याचिका पर उठाए सवाल

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को राज्य वक्फ न्यायाधिकरणों के समक्ष कार्यवाही में वक्फ संस्थानों को अदालती शुल्क के भुगतान से छूट देने के कानूनी आधार पर सवाल उठाया। न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार की पीठ ने ये टिप्पणियां गुजरात उच्च न्यायालय के उस आदेश के खिलाफ दायर याचिका की सुनवाई करते हुए कीं, जिसमें अदालती शुल्क का भुगतान न करने के कारण वक्फ मुकदमों को खारिज करने के फैसले को बरकरार रखा गया था। उच्च न्यायालय ने अपने पहले के उस फैसले पर भरोसा किया था जिसमें कहा गया था कि वक्फ संस्थाएं राज्य वक्फ न्यायाधिकरण के समक्ष अदालती शुल्क का भुगतान करने से मुक्त नहीं हैं।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक 'धोखाधड़ी': ईडी ने 645 करोड़ रुपये के गबन मामले में तीसरी गिरफ्तारी की

नयी दिल्ली : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को कहा कि उसने आईडीएफसी फर्स्ट बैंक में हरियाणा सरकार, चंडीगढ़ प्रशासन और दो निजी स्कूलों से जुड़े बैंक खातों से कथित तौर पर 645 करोड़ रुपये के गबन से संबंधित धन शोधन जांच में तीसरी गिरफ्तारी की है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि ईडी ने 29 मई को रियल एस्टेट कारोबारी विक्रम वाधवा को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत गिरफ्तार किया। एजेंसी का आरोप है कि वाधवा को अपराध से अर्जित धन के रूप में 70 करोड़ रुपये से अधिक की राशि प्राप्त हुई और उन्होंने इस धन के सृजन, विभिन्न स्तरों पर उसके लेनदेन तथा उसे छिपाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ईडी ने कहा कि पीएमएलए की धारा 19 के तहत गिरफ्तारी के बाद, वाधवा को एक विशेष अदालत के सामने पेश किया गया, जिसने उन्हें दो जून तक चार दिन की ईडी हिरासत में भेज दिया।

उप्र एटीएस ने पाकिस्तान, आईएसआई से जुड़े संदिग्ध को आजमगढ़ से गिरफ्तार किया

लखनऊ : उत्तर प्रदेश पुलिस के आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने आजमगढ़ से एक कथित संदिग्ध आतंकी को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। एटीएस के एक आधिकारिक बयान के अनुसार गिरफ्तार आरोपी मोहम्मद शेख पर पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी और आईएसआई के लिए काम करने का आरोप है। उसके पास से नौ एमएम पिस्टल, चार जिंदा कारतूस और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है। एटीएस को सूचना मिल रही थी कि पाकिस्तान, आईएसआई और आतंकी संगठनों के साथ मिलकर शहजाद भट्टी का नेटवर्क भारत में आतंक फैलाने की साजिश रच रहा है। यह नेटवर्क सोशल मीडिया के जरिए भारतीय युवाओं को पैसे का लालच देकर और धार्मिक भावनाएं भड़काकर कट्टरपंथी बना रहा था। बयान में कहा गया है कि इन युवाओं को 'स्लीपर सेल' के रूप में तैयार करके उन्हें व्यक्तियों और संस्थानों की रेकी, हत्या, राजनीतिक दलों के दफ्तरों तथा सुरक्षा एजेंसियों पर हमला करने के लिए उकसाया जा रहा था। बयान में कहा गया है कि जांच के दौरान आजमगढ़ के निजामाबाद थाना क्षेत्र के खुदादादपुर, पोस्ट संजरपुर निवासी मो. शेख अहमद का नाम सामने आया। बयान के मुताबिक, वह पाकिस्तान और दुबई के नंबरों के जरिये व्हाट्सएप और सोशल मीडिया पर शहजाद भट्टी के नेटवर्क से जुड़ा था। बयान में कहा गया है कि शहजाद भट्टी के अलावा उसे अजमल गुर्जर और रजा पाकिस्तानी भी निर्देश दे रहे थे। इसके अलावा वह जिहाद की बातें करता था और दूसरों को भी नेटवर्क में शामिल होने के लिए उकसाता था।

आईपीएस अधिकारी मुकेश सिंह ने मणिपुर के डीजीपी का पदभार संभाला

इंफाल : भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के वरिष्ठ अधिकारी मुकेश सिंह ने सोमवार को मणिपुर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) का पदभार संभाल लिया। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के मुताबिक इंफाल पूर्वी जिले के मंत्रीपुखरी स्थित मणिपुर पुलिस मुख्यालय में मुकेश सिंह को पुलिस बल की ओर से सलामी गारद का निरीक्षण किया। मुकेश सिंह ने 1993 बैच के त्रिपुरा कैडर के आईपीएस अधिकारी राजीव सिंह का स्थान लिया है। राजीव सिंह ने जून 2023 में राज्य में जातीय हिंसा के चरम पर होने के दौरान मणिपुर पुलिस प्रमुख का पद संभाला था। राज्य में अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद राजीव सिंह का तबादला नयी दिल्ली में केंद्रीय मंत्रिमंडल सचिवालय में सचिव (सुरक्षा) के पद पर किया गया है। बयान में कहा गया, ''औपचारिक स्वागत समारोह के बाद नए डीजीपी ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ एक संक्षिप्त परिचयात्मक बैठक की और पुलिस व्यवस्था से जुड़ी प्रमुख प्राथमिकताओं पर चर्चा की। उन्होंने पेशेवर कार्यशैली, भारतीय संविधान और विधि के शासन के पालन, अन्य एजेंसियों के साथ समन्वय तथा जनता के प्रति कर्तव्यों के निर्वहन में निष्पक्षता और तटस्थता के महत्व पर जोर दिया।''

संसदीय समिति ने एनटीए से कहा: नीट पुन:परीक्षा को साफ-सुथरे तरीके से कराया जाए

नयी दिल्ली : संसद की एक स्थायी समिति ने सोमवार को राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि 21 जून को 'नीट-यूजी' की पुन:परीक्षा का आयोजन पारदर्शी और साफ-सुथरे तरीके से हो। नीट और सीयूईटी की परीक्षाओं के आयोजन से जुड़े विवादों के बीच, एनटीए के महानिदेशक अभिषेक सिंह और शिक्षा मंत्रालय के कुछ अन्य अधिकारी शिक्षा, महिला, बाल, युवा और खेल संबंधी स्थायी समिति के समक्ष उपस्थित हुए। देश में कंप्यूटर-आधारित परीक्षा (सीबीटी) बनाम कलम एवं कागज वाली परीक्षा प्रणाली के गुण एवं दोष पर चर्चा करने के लिए समिति द्वारा बैठक आयोजित की गई थी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह इस समिति के अध्यक्ष हैं।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते का पहला चरण लगभग तय, केवल 'छोटे मुद्दे' बाकी: गोयल

नयी दिल्ली : वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि भारत और अमेरिका ने प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के पहले चरण के अधिकांश प्रावधानों को अंतिम रूप दे दिया है और अब बातचीत कुछ छोटे मुद्दों तक ही केंद्रित है। गोयल ने यहां संवाददाताओं से कहा कि अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल इस समझौते के पहले चरण को अंतिम रूप देने के लिए भारत में है। दोनों पक्षों के बीच दो से चार जून तक यह बातचीत होगी। दोनों देशों ने तीन फरवरी को इस व्यापार समझौते के पहले चरण के लिए रूपरेखा तय होने की घोषणा की थी। गोयल ने कहा, लगभग सभी चीजें तय हो चुकी हैं। जैसा कि अमेरिकी राजदूत ने भी कहा है कि 99 प्रतिशत मुद्दों पर सहमति बन चुकी है। अब केवल छोटे-छोटे बिंदुओं पर चर्चा चल रही है। उन्होंने कहा कि समझौते को अंतिम रूप देते समय इस पर भी विचार किया जा रहा है कि अमेरिका में हुए कानूनी बदलावों को इसमें किस तरह से जगह दी जाएगी। उन्होंने विश्वास जताया कि इन मुद्दों के सुलझने के बाद दोनों देश बीटीए के पहले चरण को अंतिम रूप देकर जल्द ही उस पर हस्ताक्षर करेंगे। गोयल ने कहा कि पहला चरण संपन्न होने के बाद एक अधिक व्यापक व्यापार समझौते की दिशा में आगे की बातचीत शुरू की जाएगी। भारत और अमेरिका ने पिछले साल की शुरुआत में द्विपक्षीय व्यापार समझौते की दिशा में प्रयास शुरू किए थे। लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से भारतीय उत्पादों पर जवाबी सीमा शुल्क लगाए जाने के बाद इसकी प्रगति बाधित हुई।

केंद्र ने इसरो के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए, जल अनुसंधान की नयी पहल शुरू की

नयी दिल्ली : जल शक्ति मंत्रालय और अंतरिक्ष एजेंसी इसरो ने देश में जल संसाधन प्रबंधन के लिए उपग्रह प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष-आधारित अनुप्रयोगों के उपयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से सोमवार को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। जल शक्ति मंत्रालय द्वारा यहां डॉ. आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में आयोजित जल क्षेत्र में अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला के दौरान समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। समझौते के तहत जल संसाधन विभाग और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) जलाशय निगरानी, जल-प्रसार आकलन, नदी-प्रवाह विश्लेषण, उपग्रह-आधारित जल गुणवत्ता आकलन

और जल निकायों में प्लास्टिक के कचरे के अत्यधिक मात्रा में फैलने पर अध्ययन सहित 24 प्रमुख अनुसंधान क्षेत्रों में संयुक्त रूप से काम करेंगे। कार्यशाला को संबोधित करते हुए केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल ने कहा कि 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जल सुरक्षा महत्वपूर्ण है और जल संबंधी चुनौतियों का समाधान प्रौद्योगिकी, नवाचार, पारंपरिक ज्ञान और जनभागीदारी के माध्यम से किया जाना चाहिए। पाटिल ने जल संचय जन भागीदारी (जेएसजेबी) अभियान के तीसरे चरण की भी शुरुआत की और जून 2026 से मई 2027 के बीच दो करोड़ जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण का लक्ष्य घोषित किया। उन्होंने कहा कि पिछले चरण में 1.5 करोड़ संरचनाओं के निर्माण का आंकड़ा पार हो चुका है। इस कार्यशाला में जल शक्ति मंत्रालय और अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (एएनआरएफ) की संयुक्त पहल जल के लिए उच्च-प्रभाव वाले क्षेत्रों में प्रगति का मिशन (एमएएचए)-जल कार्यक्रम का आरंभ भी हुआ।

मई में रिकॉर्ड 27,911 तीर्थयात्रियों ने आदि कैलाश, ओम पर्वत के दर्शन किए

पिथौरागढ़ : इस साल मई में देश के विभिन्न हिस्सों से रिकॉर्ड 27,911 तीर्थयात्रियों ने आदि कैलाश और ओम पर्वत के दर्शन किए। यह संख्या पिछले वर्ष के मुकाबले 150 फीसदी से भी अधिक है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। धारचूला के उप जिलाधिकारी आशीष जोशी ने बताया कि मई 2025 में 10,267 तीर्थयात्रियों ने आदि कैलाश के दर्शन किए, जबकि 2024 और 2023 में इस महीने में आदि कैलाश यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या क्रमशः 9,554 और 2,858 थी। सूत्रों के मुताबिक, अक्टूबर 2023 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आदि कैलाश और ओम पर्वत के दर्शन करने के बाद इस यात्रा पर आने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पिथौरागढ़ के

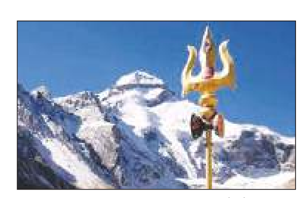

जिलाधिकारी आशीष भटगई ने कहा कि आदि कैलाश यात्रा इस सीमावर्ती क्षेत्र के लोगों के लिए स्थानीय स्तर पर रोजगार का सबसे बड़ा स्रोत साबित हुई है। उन्होंने कहा कि इस तीर्थयात्रा के प्रति रुझान बढ़ने से भारत-चीन और भारत-नेपाल सीमा पर स्थित सीमावर्ती गांवों से पलायन कम हुआ है। आदि कैलाश यात्रा इस साल एक मई को जोलिंगकोंग स्थित भगवान शिव के मंदिर खुलने के साथ शुरू हुई थी। स्थानीय मौसम अनुकूल रहा तो यह तीर्थयात्रा अक्टूबर तक जारी रहेगी।

गुजरात में 'ऑपरेशन म्यूल अकाउंट' के तहत 2,289 करोड़ रुपये की साइबर ठगी किये जाने का खुलासा

अहमदाबाद : गुजरात पुलिस ने वर्ष 2025 में शुरू किए गए राज्यव्यापी अभियान 'ऑपरेशन म्यूल अकाउंट 1.0' के तहत 2,289 करोड़ रुपये की साइबर ठगी किये जाने का खुलासा करके 638 लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। 'म्यूल अकाउंट' ऐसे बैंक खातों को कहा जाता है, जिनका उपयोग साइबर अपराधी धोखाधड़ी से प्राप्त धनराशि को प्राप्त करने, स्थानांतरित करने और उसे वैध दिखाने (धन शोधन) के लिए करते हैं। पुलिस की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, गांधीनगर स्थित साइबर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीसीओई) द्वारा चलाए गए इस अभियान के दौरान 913 म्यूल अकाउंट का पता लगाया गया। सीसीओई ने कहा, ''सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की भागीदारी वाले और प्रतिदिन निगरानी किए जा रहे इस अभियान के परिणामस्वरूप 638 आरोपियों के खिलाफ 565 प्राथमिकी दर्ज की गईं। करीब 2,289 करोड़ रुपये की आर्थिक धोखाधड़ी का खुलासा हुआ तथा देशभर में कुल 4,052 अपराधों की पहचान की गई, जिनमें से 491 मामले गुजरात से संबंधित हैं।'' विज्ञप्ति में कहा गया कि इस अभियान के कारण चेक और एटीएम के माध्यम से धन निकासी में उल्लेखनीय कमी आई है। इसके अनुसार, मासिक चेक निकासी 126 करोड़ रुपये से घटकर 25 करोड़ रुपये रह गई, जो लगभग 80 प्रतिशत की कमी को दर्शाती है।

नयी पार्टी पर दो दिन में स्थिति स्पष्ट करूंगा : अन्नामलाई

चेन्नई : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के तमिलनाडु से आने वाले प्रमुख नेताओं में से एक के अन्नामलाई ने पार्टी से नाराजगी और नया राजनीतिक संगठन बनाने की संभावनाओं को लेकर लगायी जा रही अटकलों के बीच सोमवार को कहा कि आगामी दो दिन में वह अपनी स्थिति स्पष्ट करेंगे।

अन्नामलाई ने दिल्ली रवाना होने से पहले चेन्नई हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से बातचीत के दौरान नयी राजनीतिक पार्टी बनाने की अटकलों के बारे में पूछे जाने पर कहा कि वह दो दिनों में जवाब देंगे और अपना रुख स्पष्ट करेंगे। भाजपा

नेता से जब संवाददाताओं ने पूछा कि अटकले हैं कि वह पार्टी छोड़ने की योजना बना रहे हैं और इसी सिलसिले में राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात करने जा रहे हैं तो उन्होंने कहा, '' कृपया प्रतीक्षा करें। हम दो दिन में बैठकर बात करेंगे।'' भाजपा की तमिलनाडु इकाई के पूर्व राज्य अध्यक्ष अन्नामलाई ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा मौजूदा शैक्षणिक वर्ष से नवीं कक्षा के छात्रों के लिए तीन-भाषा नीति लागू करने की हालिया घोषणा का विरोध किया और अधिसूचना को वापस लेने की मांग की। उनके इस रुख से उन अटकलों ने जोर पकड़ा कि अन्नामलाई केंद्र सरकार का विरोध कर रहे हैं क्योंकि वह अपनी खुद की पार्टी जमीन पर उतारने की तैयारी कर रहे हैं।

वाराणसी में इस हफ्ते संस्कृति कार्य समूह की बैठक में सभी ब्रिक्स सदस्यों का प्रतिनिधित्व रहेगा

नयी दिल्ली : ब्रिक्स समूह के सभी सदस्य देशों का प्रतिनिधित्व 4-5 जून को वाराणसी में इसके संस्कृति कार्य समूह (सीडब्ल्यूजी) की बैठक में रहेगा और अगस्त में इन देशों के संस्कृति मंत्रियों के भोपाल में मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लेने की उम्मीद है। एक शीर्ष अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। भारत की अध्यक्षता में ब्रिक्स की दूसरी सीडब्ल्यूजी बैठक पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष की पृष्ठभूमि में होगी। यह मंच प्रभावशाली समूह के अन्य सदस्य देशों के अलावा ईरान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के प्रतिनिधियों को एक मेज पर लाएगा। केंद्रीय संस्कृति सचिव विवेक अग्रवाल ने यहां संवाददाताओं से कहा कि सीडब्ल्यूजी की तीसरी बैठक 5-6 अगस्त को भोपाल में होगी, इसके बाद 6-7 अगस्त को ब्रिक्स सांस्कृतिक महोत्सव और 7 और 8 अगस्त को ब्रिक्स संस्कृति मंत्रियों की बैठक (सीएमएम) भी भोपाल में होगी। यह पूछे जाने पर कि क्या भारत, समूह के वर्तमान अध्यक्ष के रूप में, सीएमएम के बाद एक संयुक्त वक्तव्य की उम्मीद कर रहा है, उन्होंने कहा, ''हम एक संयुक्त वक्तव्य जारी करने के लिए अपनी पूरी कोशिश करेंगे। लेकिन, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि हम चर्चा में कैसे आगे बढ़ते हैं और सदस्यों के बीच कितनी आम सहमति बना पाएंगे।'' केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भोपाल में सीएमएम का नेतृत्व करेंगे। सूत्रों ने कहा कि संस्कृति संबंधी मंत्रिस्तरीय बैठक मध्यप्रदेश की राजधानी के ऐतिहासिक मिंटो हॉल में आयोजित होने की उम्मीद है।

ब्रिक्स शहरीकरण मंच का आयोजन 11-12 जून को दिल्ली में किया जाएगा

दिल्ली में 11-12 जून को 13वें ब्रिक्स शहरीकरण मंच का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सदस्य देशों के बीच सामान्य शहरी चुनौतियों से निपटने और जन-केंद्रित, लचीले और टिकाऊ शहरों को बढ़ावा देने पर सहयोग को गहरा करने की उम्मीद है। सम्मेलन से पहले सोमवार को संवाददाता सम्मेलन में इस मंच की घोषणा करते हुए, केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि यह आयोजन 2026 में भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के तहत एक महत्वपूर्ण मंत्रिस्तरीय सहभागिता होगी और लोगों के लिए शहर: समावेशी और लचीले शहरी भविष्य के लिए ब्रिक्स सहयोग विषय से निर्देशित होगा।

पीएम स्वनिधि ने असंख्य रेहड़ी-पटरी वालों का जीवन बदला: प्रधानमंत्री मोदी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि रेहड़ी-पटरी वालों की मदद के लिए शुरू की गई प्रधानमंत्री पथ विक्रेता आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना ने बिना गारंटी की ऋण सुविधा, वित्तीय समावेशन और विकास के नए अवसर उपलब्ध कराकर असंख्य रेहड़ी-पटरी वालों का जीवन बदला है। मोदी ने इस योजना के छह वर्ष पूरे होने पर यह भी कहा कि पीएम स्वनिधि भरोसे, गरिमा और सशक्तीकरण से जुड़ी योजना है। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आज पीएम स्वनिधि के छह वर्ष पूरे हो गए। यह ऐसी योजना है, जिसने बिना गारंटी ऋण सुविधा, वित्तीय समावेशन और विकास के नए अवसर उपलब्ध कराकर असंख्य रेहड़ी-पटरी वालों का जीवन बदला है। यह योजना भरोसे, गरिमा और सशक्तीकरण से जुड़ी है। उन सभी

लाभार्थियों को मेरी शुभकामनाएं, जिनका संकल्प और जिनकी उद्यमशीलता हमारे देश की अर्थव्यवस्था को लगातार मजबूत कर रही है।'' पीएम स्वनिधि केंद्र सरकार की योजना है जो रेहड़ी-पटरी लगाने वाले विक्रेताओं को किफायती कार्यशील पूंजी, वित्तीय समावेशन और सामाजिक सुरक्षा उपायों के माध्यम से सहायता प्रदान करती है। पीएम स्वनिधि को कोरोनावायरस महामारी के दौरान शुरू किया गया था ताकि उन रेहड़ी-पटरी लगाने वाले विक्रेताओं को किफायती कार्यशील पूंजी ऋण उपलब्ध कराया जा सके जिनके व्यवसाय बुरी तरह प्रभावित हुए थे। यह रेहड़ी-पटरी लगाने वाले विक्रेताओं के लिए पहली समर्पित सूक्ष्म-ऋण योजना है। इसका उद्देश्य उनके कारोबार को विकसित करने में मदद करना और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना है। रेहड़ी-पटरी वाले असंगठित कार्यबल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और उन्हें अक्सर औपचारिक ऋण सुविधा तक सीमित पहुंच मिलती है। यह योजना जून 2020 में शुरू की गई थी।

छत्तीसगढ़ शराब 'घोटाला': ईडी ने 1,000 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की, चार और आरोपी नामजद

नयी दिल्ली : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को कहा कि छत्तीसगढ़ शराब घोटाले की जांच के तहत उसने 1,000 करोड़ रुपये से अधिक बाजार मूल्य की संपत्तियों को कुर्क किया है। ईडी ने यह भी कहा कि उसने चार और आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है, जिससे धन शोधन मामले में आरोपियों की कुल संख्या 85 हो गई है। केंद्रीय एजेंसी ने कहा कि उसने 28 मई को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत तीन अस्थायी कुर्की आदेश जारी किए, जिसमें लगभग 200 करोड़ रुपये के विलेख मूल्य और 1,000

करोड़ रुपये से अधिक के बाजार मूल्य वाली संपत्तियों को कुर्क किया गया। ईडी के अनुसार, उसकी जांच में पाया गया कि अनवर ढेबर और सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा के नेतृत्व वाले एक शराब 'सिंडिकेट' ने वरिष्ठ अधिकारियों, शराब बनाने वाली इकाइयों के मालिकों और निजी संस्थाओं के साथ मिलीभगत कर 2019 से 2023 के बीच छत्तीसगढ़ आबकारी शुल्क तंत्र में हेरफेर किया और अपराध से करीब 2,883 करोड़ रुपये अर्जित किए। ईडी ने आरोप लगाया कि अवैध आय ''शराब की खरीद दरों में कृत्रिम वृद्धि, अवैध शराब के गुप्त निर्माण और पसंदीदा संस्थाओं को दिए गए 'एफएल-10ए' लाइसेंस के माध्यम से कमीशन की वसूली'' से अर्जित की गई थी। पहला कुर्की आदेश विकास अग्रवाल और ढेबर से जुड़ी संपत्तियों से संबंधित है।

भारत-ओमान मुक्त व्यापार समझौता लागू

कपड़ा, रत्न और आभूषण क्षेत्र को मिलेगी शुल्क मुक्त पहुंच

नयी दिल्ली : भारत और ओमान के बीच व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) सोमवार से लागू हो गया। इस समझौते के तहत भारत के लगभग 99 प्रतिशत निर्यात को ओमान के बाजार में शुल्क-मुक्त प्रवेश मिलेगा, जिससे वस्त्र, रत्न एवं आभूषण, इंजीनियरिंग उत्पाद, चमड़ा, जूते, समुद्री उत्पाद, औषधि और प्रसंस्कृत खाद्य क्षेत्र को बड़ा लाभ होगा। सरकार के अनुसार, समझौते से मूल्य के आधार पर भारत के 99.38 प्रतिशत निर्यात और ओमान की 98.08 प्रतिशत टैरिफ लाइनों पर शुल्क-मुक्त पहुंच सुनिश्चित होगी। वहीं भारत ने अपनी 12,556 टैरिफ लाइनों में से 77.79 प्रतिशत पर शुल्क रियायतें दी हैं, जो ओमान से होने वाले 94.81 प्रतिशत

आयात को कवर करती हैं।समझौते के तहत खजूर, मार्बल और पेट्रोरसायन उत्पादों पर कोटा-आधारित शुल्क रियायतें भी लागू होंगी। इससे भारतीय उपभोक्ताओं को ओमान से सस्ते खजूर उपलब्ध होने की संभावना है। दोनों देशों ने इस समझौते पर 18 दिसंबर 2025 को मस्कट में हस्ताक्षर किए थे और आवश्यक आंतरिक प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद यह एक जून 2026 से प्रभावी हो गया।समझौते के लागू होने के साथ ही मुंबई, कोलकाता और चेन्नई से कृषि उत्पाद तथा रत्न एवं आभूषणों की करीब 10 खेपें रियायती शुल्क दरों पर ओमान भेजी गईं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि यह समझौता भारतीय निर्यातकों और पेशेवरों के लिए नए अवसर खोलेगा तथा रोजगार, निवेश और एमएसएमई क्षेत्र को बढ़ावा देगा। उन्होंने कहा कि ओमान खाड़ी देशों और पूर्वी अफ्रीका के बाजारों तक पहुंच का महत्वपूर्ण द्वार है।भारत और ओमान के बीच द्विपक्षीय व्यापार वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़कर 11.18 अरब डॉलर पहुंच गया, जो पिछले वित्त वर्ष में 10.61 अरब डॉलर था। विशेषज्ञों के अनुसार, समझौते से भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी और खाड़ी क्षेत्र में निर्यात को नई गति मिलेगी।

रुपया 34 पैसे टूटकर 95.19 प्रति डॉलर पर

मुंबई : अमेरिका और ईरान के बीच तनाव तथा कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बीच सोमवार को रुपया 34 पैसे लुढ़ककर डॉलर के मुकाबले 95.19 पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि वैश्विक बाजारों में डॉलर की मजबूती और इजराइल-लेबनान के बीच जारी तनाव से निवेशकों की जोखिम लेने की धारणा प्रभावित हुई, जिसका असर भी रुपये पर पड़ा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.93 के भाव पर खुला और कारोबार के दौरान यह 94.73 के ऊपरी एवं 95.03 के निचले स्तर तक गया। कारोबार के अंत में यह 95.19 प्रति डॉलर पर बंद हुआ, जो पिछले बंद भाव से 34 पैसे की गिरावट है। शुक्रवार को रुपया भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के संभावित हस्तक्षेप के बीच 73 पैसे मजबूत होकर 94.85 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। मिराए एसेट शेयरखान के शोध विश्लेषक अनुज चौधरी ने कहा, वैश्विक तनाव एक बार फिर बढ़ने और कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी के कारण रुपये में कमजोरी का रुख रह सकता है।''

अमेरिका-ईरान तनाव के बीच सोना कीमत 2,500 रुपये टूटा, चांदी 5,000 रुपये कमजोर

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोमवार को सोने की कीमत 2,500 रुपये टूटकर 1.60 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। अमेरिका और ईरान के बीच फिर से शुरू हुए सैन्य संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने के बाद वैश्विक बाजारों में आई गिरावट से यहां भी सोने कमजोर पड़ गया। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत में 2,500 रुपये (1.53 प्रतिशत) की गिरावट आई। शुक्रवार को बंद हुई कीमत 1,62,900 रुपये प्रति 10 ग्राम से गिरकर यह 1,60,400 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) रह गयी। चांदी की कीमतों में भी भारी गिरावट आई और यह 5,000 (या लगभग 2 प्रतिशत) टूटकर 2,69,700 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) रह गई। पिछले सत्र में चांदी की कीमत 2,74,700 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक-जिंस सौमिल गांधी ने कहा, ''सोने ने सप्ताह की शुरुआत कमजोर रुख के साथ की, क्योंकि सप्ताहांत में अमेरिका और ईरान के बीच फिर से बढ़े तनाव ने कच्चे तेल की कीमतों को बढ़ा दिया और डॉलर को मजबूत किया।''

यात्री वाहन बिक्री ने मई में पकड़ी रफ्तार; मारुति, किआ का नया रिकॉर्ड

नयी दिल्ली : मोटर वाहन कंपनियों ने ईंधन कीमतों में उतार-चढ़ाव के बावजूद मई में मजबूत वृद्धि दर्ज की। इस दौरान मारुति सुजुकी और किआ इंडिया ने रिकॉर्ड बिक्री हासिल की। मारुति सुजुकी इंडिया ने सोमवार को बताया कि उसकी मासिक बिक्री अब तक के सर्वाधिक स्तर पर पहुंच गई, जबकि घरेलू बिक्री मई, 2026 में 1,93,535 इकाई रही जो पिछले साल इसी महीने में 1,38,690 इकाई थी। मारुति सुजुकी इंडिया के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन एवं बिक्री) पार्थो बनर्जी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि ईंधन कीमतों में बढ़ोतरी से मांग पर असर पड़ने के बावजूद कंपनी ने समग्र वृद्धि के साथ मजबूत प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा, '' ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी का असर छोटी कारों के खंड पर पड़ता है, खासकर उन ग्राहकों पर जो छोटी कार खरीदते हैं लेकिन हमने 'मिनी' और 'कॉम्पैक्ट' खंड में शानदार वृद्धि हासिल की। यात्री वाहनों में कुल 42 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की।'' छोटी कारों (अल्टो और एस-प्रेसो) की बिक्री पिछले साल मई के 6,776 इकाइयों के मुकाबले बढ़कर 16,275 इकाई हो गई। कॉम्पैक्ट कारों (बलेनो, सेलेरियो, डिजायर, इग्निस, स्विफ्ट और वैगनआर) की बिक्री मई, 2025 के 61,960 इकाइयों के मुकाबले बढ़कर 81,555 इकाई हो गई। कंपनी की कुल यात्री कार बिक्री मई में 1,90,337 इकाई रही जबकि पिछले साल इसी महीने यह (वाणिज्यिक वाहन को छोड़कर) 1,35,962 इकाई थी। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स की घरेलू बिक्री मई 42 प्रतिशत बढ़कर 59,090 इकाई रही जो पिछले साल 41,557 इकाई थी।

सरकार एनएचपीसी में छह प्रतिशत तक हिस्सेदारी बेचेगी, बिक्री पेशकश आज

नयी दिल्ली : सरकार ने सोमवार को कहा कि वह सार्वजनिक क्षेत्र की एनएचपीसी में छह प्रतिशत तक हिस्सेदारी मंगलवार से शुरू होने वाली बिक्री पेशकश (ओएफएस) के माध्यम से बेचेगी। यह बिक्री 71 रुपये प्रति शेयर के न्यूनतम मूल्य पर की जाएगी। निवेश और लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव अरुणीश चावला ने कहा, ''भारत सरकार ने एनएचपीसी लि. में तीन प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने की घोषणा की है। इसके साथ 'ग्रीन शू' विकल्प यानी अधिक बोली आने की स्थिति में तीन प्रतिशत अतिरिक्त हिस्सेदारी भी बेची जाएगी। शेयर बिक्री के लिए न्यूनतम मूल्य 71 रुपये प्रति शेयर निर्धारित किया गया है।'' बीएसई में सोमवार को कंपनी का शेयर 77.19 रुपये पर बंद हुआ। इसकी तुलना में 71 रुपये प्रति शेयर का ओएफएस मूल्य आठ प्रतिशत की छूट है। एनएचपीसी का शेयर पिछले बंद भाव से 2.07 प्रतिशत नीचे बंद हुआ। गैर-खुदरा निवेशकों के लिए बिक्री पेशकया दो जून को और खुदरा निवेशकों के लिए तीन जून को खुलेगी। प्रति शेयर 71 रुपये के न्यूनतम मूल्य पर कुल छह प्रतिशत हिस्सेदारी यानी 60.27 करोड़ से अधिक शेयरों की बिक्री से सरकारी खजाने में लगभग 4,200 करोड़ रुपये आएगा।

जीएसटी संग्रह मई में 3.2 प्रतिशत बढ़कर 1.94 लाख करोड़ रुपये के पार

नयी दिल्ली : माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह मई में 3.2 प्रतिशत बढ़कर 1.94 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। यह वृद्धि वस्तुओं एवं सेवाओं की आपूर्ति में सुधार तथा आयात से मिलने वाले कर संग्रह में लगातार बढ़ोतरी के कारण हुई। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी सामने आई। मई, 2025 में सकल जीएसटी संग्रह 1.88 लाख करोड़ रुपये रहा था। घरेलू लेनदेन से मई के दौरान केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) संग्रह 37,397 करोड़ रुपये, राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) 45,143 करोड़ रुपये और एकीकृत जीएसटी (आईजीएसटी) 51,990 करोड़ रुपये रहा। इस अवधि में कर योग्य वस्तुओं की आपूर्ति में 26.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो घरेलू मांग को दर्शाती है। वहीं सेवाओं के क्षेत्र में यह वृद्धि 22.2 प्रतिशत रही जो घरेलू खपत की मजबूती को दिखाती है। आयात से आईजीएसटी संग्रह 19.1 प्रतिशत बढ़कर मई में 59,654 करोड़ रुपये हो गया जो औद्योगिक क्षमता के विस्तार का संकेत है। जीएसटी 'रिफंड' 2.6 प्रतिशत बढ़कर 27,281 करोड़ रुपये हो गया। 'रिफंड' समायोजित करने के बाद, मई में शुद्ध जीएसटी राजस्व 3.3 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.67 लाख करोड़ रुपये रहा। इससे पहले अप्रैल में जीएसटी संग्रह 2.43 लाख करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। वित्त वर्ष 2026-27 के पहले दो महीनों (अप्रैल और मई) में कुल मिलाकर जीएसटी संग्रह सालाना आधार पर 6.2 प्रतिशत बढ़कर 4.37 लाख करोड़ रुपये रहा।

औद्योगिक उत्पादन वृद्धि अप्रैल में घटकर 4.9 प्रतिशत पर

नयी दिल्ली : देश के औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि अप्रैल में सालाना आधार पर घटकर 4.9 प्रतिशत रही। पश्चिम एशिया संकट के बीच ऊर्जा क्षेत्र की वृद्धि में नरमी के कारण औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि कम रही है। सोमवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों से यह जानकारी मिली। आधार वर्ष को संशोधित कर 2022-23 करने और सूचकांक में शामिल मदों को व्यवस्थित करने के बाद पहली बार यह आंकड़ा जारी किया गया है। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के संदर्भ में मापे जाने वाले औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि अप्रैल, 2025 में 5.7 प्रतिशत रही थी। मार्च, 2026 में औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर 3.2 प्रतिशत थी। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''विनिर्माण क्षेत्र में 6.2 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि के कारण, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) ने अप्रैल, 2026 में 4.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की।'' बयान के अनुसार अप्रैल, 2026 के लिए चार क्षेत्रों... खनन और उत्खनन, विनिर्माण, बिजली और गैस आपूर्ति, जल आपूर्ति, दूषित जल और अपशिष्ट प्रबंधन... की वृद्धि दर क्रमशः (-) 5.1 प्रतिशत, 6.2 प्रतिशत, 4.9 प्रतिशत और 6.6 प्रतिशत रही। बयान में कहा गया है कि आईआईपी 118.9 रहने का अनुमान है जो अप्रैल, 2025 में 113.1 था। मंत्रालय ने औद्योगिक उत्पादन सूचकांक का आधार वर्ष 2011-12 से बदलकर 2022-23 कर दिया है। वस्तुओं की संशोधित सूची में 1,042 उत्पाद शामिल हैं जिन्हें 463 मद समूहों में वर्गीकृत किया गया है। इनमें 120 नए मद समूह शामिल हैं। आधार वर्ष संशोधन का यह कार्य अखिल भारतीय औद्योगिक उत्पादन सूचकांक के आधार वर्ष संशोधन को लेकर तकनीकी सलाहकार समिति (टीएसी-आईआईपी) के अंतर्गत किया गया है। समिति की रिपोर्ट 25 मई, 2026 को जारी की गई। इसने भारत में औद्योगिक उत्पादन के अधिक सुदृढ़, प्रासंगिक और व्यापक माप की नींव रखी। यह आईआईपी के आधार वर्ष का 10वां संशोधन है। पहला आईआईपी 1937 को आधार वर्ष मानकर तैयार किया गया था। मंत्रालय के अनुसार, नई आईआईपी श्रृंखला नवीकरणीय और गैर-नवीकरणीय स्रोतों से बिजली उत्पादन, गैस आपूर्ति, ईंधन खनिज, धात्विक और अधात्विक खनिज, जल आपूर्ति, दूषित जल और अपशिष्ट प्रबंधन के लिए अलग-अलग सूचकांकों के साथ अधिक विस्तृत जानकारी प्रदान करती है। नई आईआईपी श्रृंखला में कुल 120 नए मद समूह जोड़े गए हैं, जिनमें 'मैग्नेटिक' पट्टी वाले कार्ड (डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड), सीसीटीवी कैमरा, गैर-बुने हुए वस्त्रों की वस्तुएं, विमान और अंतरिक्ष यान के पुर्जे, स्टेंट और टीके शामिल हैं।

यूपीआई लेनदेन मई में 29.9 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर

नयी दिल्ली : यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के जरिये लेनदेन मई में रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। गर्मियों में यात्रा और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के प्रभाव से कुल लेनदेन मूल्य 29.90 लाख करोड़ रुपये और संख्या 23.2 अरब रही। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के आंकड़ों से यह जानकारी मिली। एनपीसीआई के अनुसार, पिछले वर्ष इसी महीने में यह 25.14 लाख करोड़ रुपये था जो सालाना आधार पर 19 प्रतिशत वृद्धि दर्शाता है। वहीं अप्रैल में लेनदेन का मूल्य 29.03 लाख करोड़ रुपये था। संख्या के लिहाज से, मई में 23.2 अरब लेनदेन के साथ नया रिकॉर्ड बना जो पिछले वर्ष इसी अवधि के 18.67 अरब लेनदेन से 24 प्रतिशत अधिक है। अप्रैल 2026 में लेनदेन की संख्या 22.35 अरब थी। कैशफ्री पेमेंट्स के सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) आकाश सिन्हा ने कहा कि मई के आंकड़े मजबूत मांग को दर्शाते हैं। गर्मियों की यात्रा, आईपीएल 2026 और मौसमी खर्च ने 29.90 लाख करोड़ रुपये के 23.20 अरब लेनदेन को बढ़ावा दिया जो मासिक आधार पर सुधार और यूपीआई की निरंतर बढ़त को दिखाता है।

अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए एटीएफ हुआ 27 प्रतिशत सस्ता; वाणिज्यिक एलपीजी 42 रुपये महंगा

नयी दिल्ली : अंतरराष्ट्रीय उड़ान संचालित करने वाली विमानन कंपनियों के लिए विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमतों में सोमवार को 27 प्रतिशत की भारी कटौती की गई जिससे इन्हें बड़ी राहत मिलेगी। हालांकि, घरेलू कंपनियों के लिए एटीएफ दरों में लगातार दूसरे महीने कोई बदलाव नहीं किया गया। उद्योग सूत्रों के अनुसार, इस कटौती से अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के लिए विमान ईंधन की कीमत 400 डॉलर प्रति

किलोलीटर से अधिक घटकर करीब 1,100 डॉलर प्रति किलोलीटर रह गई। इन विमानन कंपनियों के लिए एटीएफ दरें एक मई को 76.55 डॉलर (5.33 प्रतिशत) बढ़ाकर 1,511.86 डॉलर प्रति किलोलीटर की गई थीं। अप्रैल में अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा कीमतों में उछाल के कारण यह दोगुनी से अधिक बढ़कर 1,435.31 डॉलर प्रति किलोलीटर हो गई थीं। घरेलू विमानन कंपनियों के लिए एटीएफ की कीमत एक अप्रैल से 1,04,927.18 रुपये प्रति किलोलीटर पर ही बनी हुई है। इसके बाद से इसमें कोई बदलाव नहीं हुआ है।

शेयर बाजार में लगातार चौथे दिन गिरावट, सेंसेक्स 508 अंक फिसला

मुंबई : अनिश्चित वैश्विक संकेतों के बीच स्थानीय शेयर बाजार सोमवार को वित्तीय, एफएमसीजी एवं वाहन शेयरों में बिकवाली के कारण लगातार चौथे सत्र में गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 508 अंक फिसल गया जबकि निफ्टी में 165 अंक की गिरावट रही। विश्लेषकों के मुताबिक, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और अमेरिका-ईरान संघर्ष को लेकर अनिश्चितता के कारण घरेलू बाजार दबाव में रहा। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 508.40 अंक यानी 0.68 प्रतिशत गिरकर 74,267.34 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 75,367.93 अंक के ऊपरी और 74,203.68 अंक के निचले स्तर को भी छुआ। इस तरह सेंसेक्स में 1,164.25 अंक का उतार-चढ़ाव दर्ज किया गया। इसी तरह, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी भी 165.15 अंक यानी 0.70 प्रतिशत गिरकर 23,382.60 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, एनटीपीसी, महिंद्रा एंड महिंद्रा, कोटक महिंद्रा बैंक और बजाज फाइनेंस के शेयर प्रमुख रूप से नुकसान में रहीं। इसके उलट टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), इंटरग्लोब एविएशन, एचसीएल टेक और टाटा स्टील के शेयरों में तेजी दर्ज की गई। शेयर बाजार में गिरावट का यह लगातार चौथा सत्र रहा। इस दौरान सेंसेक्स में कुल 2,221.62 अंक यानी 2.90 प्रतिशत और निफ्टी में 649.1 अंक यानी 2.70 प्रतिशत की गिरावट आई है। सोमवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल का मानक ब्रेंट क्रूड 3.34 प्रतिशत बढ़कर 94.16 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। ऑनलाइन ट्रेडिंग मंच एनरिच मनी के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पोनमुडी आर. ने कहा, ''अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने से क्षेत्रीय स्थिरता को लेकर चिंता बढ़ी है और इसे लेकर बाजार में सतर्कता का माहौल बना हुआ है।''

स्पोर्ट्स

आईसीसी ने खराब रोशनी से निपटने के लिए टेस्ट क्रिकेट में गुलाबी गेंद के इस्तेमाल को दी मंजूरी

अहमदाबाद : अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के बोर्ड ने खराब रोशनी के कारण खेल प्रभावित होने की स्थिति में टेस्ट मैचों में परीक्षण के आधार पर गुलाबी गेंद के इस्तेमाल और 'ड्रिंक्स ब्रेक' के दौरान मुख्य कोच को मैदान पर जाकर खिलाड़ियों से चर्चा करने की अनुमति देने जैसे कई महत्वपूर्ण बदलावों को अपनी वार्षिक बैठक में मंजूरी दे दी। अहमदाबाद में आयोजित दो दिवसीय बैठक में आईसीसी बोर्ड ने भ्रष्टाचार और प्रशासनिक अनियमितताओं के आरोपों के चलते क्रिकेट कनाडा की सदस्यता तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का भी फैसला किया। इसके साथ ही बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड

(बीसीबी) के चुनावों की निगरानी के लिए आईसीसी के वरिष्ठ अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। आईसीसी के बयान के अनुसार, ''दोनों टीमों की पूर्व सहमति से टेस्ट मैचों में गुलाबी गेंद के इस्तेमाल का परीक्षण किया जाएगा, ताकि खराब रोशनी की आशंका होने पर अधिक से अधिक खेल संभव हो सके।'' समझा जाता है कि मैच की शुरुआत पारंपरिक लाल गेंद से होगी, लेकिन यदि रोशनी कम हो जाती है तो फ्लडलाइट्स की मदद से गुलाबी गेंद का इस्तेमाल कर उन ओवरों को पूरा कराया जा सकेगा जो कम रोशनी के कारण प्रभावित होने वाली होगी। मौजूदा नियमों के तहत एक दिन में 90 ओवर फेंके जाते हैं। उदाहरण के तौर पर अगर 75 ओवर लाल गेंद से खेले जाने के बाद रोशनी कम हो जाए और 15 ओवर बाकी हों, तो दोनों टीमों की पूर्व सहमति होने पर उन ओवरों को दुधिया रोशनी में गुलाबी गेंद से पूरा कराया जा सकेगा। यह देखना दिलचस्प होगा कि भारतीय टीम इस व्यवस्था को स्वीकार करती है या नहीं।

आरसीबी के टिम डेविड आचार संहिता के उल्लंघन के लिए अगले आईपीएल सत्र में एक मैच से निलंबित

अहमदाबाद : रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बल्लेबाज टिम डेविड पर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के फाइनल में गुजरात टाइटंस के खिलाफ आचार संहिता के उल्लंघन के कारण अगले सत्र में एक मैच का प्रतिबंध लगाया गया है। इसके अलावा उन पर मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना भी लगाया गया है। आईपीएल की ओर से सोमवार को जारी बयान के अनुसार, ऑस्ट्रेलिया के 30 वर्षीय खिलाड़ी को इस उल्लंघन के लिए दो डिमेरिट अंक दिए गए हैं। इसके साथ ही उनके कुल डिमेरिट अंक बढ़कर पांच हो गए हैं, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें एक मैच के लिए निलंबित किया गया है। यह इस सत्र में तीसरी बार है, जब डेविड आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के दोषी

पाए गए हैं। रविवार को समाप्त हुए टूर्नामेंट में आरसीबी ने फाइनल में गुजरात टाइटंस को पांच विकेट से हराकर लगातार दूसरी बार खिताब अपने नाम किया था। आईपीएल की ओर से जारी बयान में कहा गया, ''रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बल्लेबाज टिम डेविड पर खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों के लिए निर्धारित आईपीएल आचार संहिता के 'लेवल-एक' उल्लंघन के लिए मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। साथ ही उन्हें दो डिमेरिट अंक भी दिए गए हैं।''

सेरेना विलियम्स 44 वर्ष की उम्र में पेशेवर टेनिस में वापसी को तैयार

पेरिस : अमेरिका की दिग्गज सेरेना विलियम्स लगभग चार वर्ष तक खेल से दूर रहने के बाद 44 साल की उम्र में आगामी क्वीन्स क्लब टूर्नामेंट से पेशेवर टेनिस में वापसी करेंगी। तेईस बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन सेरेना इस ग्रास कोर्ट टूर्नामेंट में युगल वर्ग के जरिए प्रतिस्पर्धी टेनिस में वापसी करेंगी। डब्ल्यूटीए ने सोमवार को घोषणा की कि सेरेना ने टूर्नामेंट में खेलने के लिए वाइल्ड कार्ड स्वीकार कर लिया है। क्वीन्स क्लब टूर्नामेंट अगले सोमवार से शुरू होगा। उनके युगल जोड़ीदार के नाम की हालांकि घोषणा अभी नहीं की गई है। सेरेना ने पिछली बार 2022 यूएस ओपन में प्रतिस्पर्धी मुकाबला खेला था। उस समय उन्होंने टेनिस को अलविदा कहने की बात तो की थी, लेकिन 'संन्यास' शब्द का इस्तेमाल करने से बचते हुए कहा था कि वह टेनिस से आगे बढ़ रही हैं। सेरेना 23 ग्रैंड स्लैम एकल खिताबों के अलावा 14 ग्रैंड स्लैम युगल खिताब भी जीत चुकी हैं। उन्होंने फरवरी में प्रतिस्पर्धी टेनिस में वापसी के लिए पात्रता हासिल की थी।

आईपीएल 2026 ट्रॉफी के साथ विराट कोहली और अनुष्का शर्मा

गुजरात टाइटंस की बस खराब होने से खिलाड़ियों को बीच सड़क में उतारा गया

अहमदाबाद : रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के हाथों आईपीएल फाइनल में हार के बाद वापस होटल लौट रही गुजरात टाइटंस की टीम की सुरक्षा को लेकर उस समय बड़ी चिंता पैदा हो गई जब बस में शॉर्ट सर्किट की खराबी के कारण खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के सदस्यों को बीच सड़क पर उतरना पड़ा। शॉर्ट सर्किट के कारण बस के अंदर धुआं फैल गया लेकिन टीम के सभी सदस्य सुरक्षित हैं और उन्हें किसी तरह की चोट नहीं आई है। पीटीआई को पता चला है कि खिलाड़ियों और सहयोगी स्टार के सदस्यों को दूसरी बस की व्यवस्था होने तक कुछ देर तक सड़क पर इंतजार करना पड़ा।

भारतीय पुरुष टीम ने अंडर-18 हॉकी एशिया कप में कोरिया को 4-1 से हराया

काकामिगाहारा (जापान) : कप्तान केतन कुशवाहा के दो गोलों की बदौलत भारतीय पुरुष अंडर-18 हॉकी टीम ने सोमवार को एशिया कप के पूल-ए मुकाबले में कोरिया को 4-1 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। कुशवाहा ने तीसरे और 36वें मिनट में गोल दागे, जबकि वरिंदर सिंह (पांचवां मिनट) और शाहरुख अली (54वां मिनट) ने भी एक-एक गोल किया। कोरिया के लिए कप्तान यून जेह्योक ने 21वें मिनट में एकमात्र गोल किया। इस जीत के साथ भारत छह अंकों के साथ कोरिया और जापान की बराबरी पर पहुंच गया। दोनों पूलों से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में प्रवेश करेंगी। भारत ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की और पहले क्वार्टर में ही दो गोल की बढ़त बना ली। तीसरे मिनट में भारत को पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसे टीम ने गोल में बदल दिया।

अगर हम अनिरंतर हैं तो नंबर एक के अलावा बाकी सबको खेलना छोड़ देना चाहिए: सात्विक-चिराग

नयी दिल्ली : भारत के चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की बेहतरीन युगल जोड़ी के आठवें और नौवें बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब के बीच 742 दिन का अंतर रहा है, लेकिन अगर कोई उन्हें अनिरंतर कहने की सोचेगा भी तो उसका जवाब शरीर पर सीधे किए गए स्मैश जैसा होगा। सिंगापुर ओपन जीतने वाली पहली भारतीय युगल जोड़ी ने रविवार को 73 मिनट चले फाइनल में एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए इंडोनेशिया के फजर अल्फियान और मुहम्मद शोहिबुल फिक्री को 18-21, 21-17, 21-16 से हराने में कामयाब रही। यह दुनिया की पूर्व नंबर एक जोड़ी का तीसरा सुपर 750 खिताब था जो चोटों, चार फाइनल में हार और आठ सेमीफाइनल से बाहर होने जैसे मुश्किल दौर के बाद आया है। चिराग ने एक वर्चुअल मीडिया बातचीत के दौरान कहा, ''मैं इसे अनिरंतर नहीं कहूंगा। मुझे लगता है कि इसके उलट, हम काफी निरंतर थे। दुनिया की नंबर तीन जोड़ी को अनिरंतर कहना, मुझे लगता है कि नंबर एक के अलावा बाकी सबको बैडमिंटन खेलना छोड़ देना चाहिए।'' भारत की प्रमुख पुरुष युगल जोड़ी के लिए पिछले दो साल उतार-चढ़ाव वाले प्रदर्शन के बारे में कम, बल्कि चोटों से निपटने, लंबे ब्रेक और बैडमिंटन की सबसे जबरदस्त प्रतिस्पर्धी विधाओं में से एक में अपनी लय वापस पाने की चुनौती के बारे में अधिक थे। लेकिन चिराग ने इस बात को सिरे से खारिज कर दिया कि यह जोड़ी अनिरंतर हो गई थी। उन्होंने कहा, ''हर कोई जीतने के लिए ही कोर्ट में उतरता है। हमारे साथ भी ऐसा ही था। हम भी कोर्ट में जाकर खिताब जीतना चाहते थे। लेकिन ऐसा नहीं था कि हम जीत नहीं पा रहे थे और ना ही ऐसा था कि हम खराब खेल रहे थे या कुछ और। बस कभी-कभी किस्मत हमारे साथ नहीं होती थी। ''

'जी' भारत में करेगा फीफा विश्व कप 2026 का प्रसारण

नयी दिल्ली : भारत में फुटबॉल प्रेमियों के लिए बड़ी राहत की बात है कि 'जी' पर 2026 फीफा विश्व कप का सीधा प्रसारण किया जाएगा क्योंकि 11 जून से शुरू होने वाले टूर्नामेंट से 10 दिन पहले 'जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेस लिमिटेड' ने सोमवार को फुटबॉल की विश्व संचालन संस्था फीफा के साथ आठ साल की भागीदारी की घोषणा की। इस साझेदारी के तहत 'जी' भारत में विश्व कप 2026 समेत फीफा के सभी मुकाबलों का प्रसारण करेगा। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल संस्था फीफा के साथ हुए इस करार के तहत 'जी' फीफा के 39 वैश्विक फुटबॉल टूर्नामेंट का प्रसारण करेगा जिनमें 11 जून 2026 से शुरू होने वाला फीफा विश्व कप भी शामिल है। अमेरिका, कनाडा और मेक्सिकों विश्व कप 2026 की संयुक्त मेजबानी करेंगे। विश्व कप का टीवी पर सीधा प्रसारण जी एंटरटेनमेंट अपने नए 'यूनाईट8 स्पोर्ट्स नेटवर्क' के जरिए करेगा जबकि इसकी लाइव स्ट्रीमिंग 'जी5' ऐप पर उपलब्ध होगी।

इस बार विजय जुलूस नहीं निकालेगा आरसीबी

अहमदाबाद : पिछले साल की भगदड़ और 11 लोगों की मौत को ध्यान में रखते हुए रॉयल चैलेंज बेंगलुरु (आरसीबी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लगातार दूसरी खिताबी जीत के लिए विजय जुलूस नहीं निकालने का फैसला किया है। रॉयल चैलेंजर्स ने रविवार को यहां गुजरात टाइटन्स को पांच विकेट से हराकर लगातार दूसरी बार आईपीएल का खिताब जीता। आरसीबी ने यह निर्णय कर्नाटक के नवनियुक्त मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के शपथ ग्रहण समारोह को ध्यान में रखते हुए भी लिया जो लोक भवन में आयोजित किया जाएगा। पिछले साल चार जून को जल्दबाजी में निकाले गए विजय जुलूस के दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास 11 प्रशंसकों की मौत हो गई थी। आरसीबी के एक सूत्र ने पीटीआई से कहा, ''बेंगलुरु में किसी भी प्रकार का जश्न मनाने की संभावना बहुत कम है। कुछ दिशानिर्देश निर्धारित हैं और हमें उनका पालन करना होगा।''

वर्ष 11, पूर्णांक 3610 अंक 076 RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **सरोज राय** द्वारा रजि. 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- **अनिल कुमार राय** (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), कॉर्पोरेट आफिस : 230, चित्तरंजन एवेन्यू, कोलकाता-700 006, विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in